



चीन के लिए जासूसी करते अमेरिका में धरे गए भारत में जन्मे एशले टेलिस

वाशिंगटन, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारतीय मूल के एशले टेलिस अमेरिका में चीन के लिए जासूसी करते पकड़े गए हैं। एफबीआई ने न केवल इनके यहां छापामारी कार्रवाई की बल्कि कई दस्तावेज भी बरामद किए हैं जो इस बात का संकेत हैं कि टेलिस अमेरिका के खिलाफ चीन के लिए जासूसी कर रहे थे। प्रमुख राष्ट्रीय सुरक्षा विशेषज्ञ और दक्षिण एशिया नीति सलाहकार एशले टेलिस को चीन के साथ कथित संबंधों और गोपनीय सरकारी दस्तावेजों को अनधिकृत रूप से रखने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। भारत में जन्मे 64 वर्षीय टेलिस अब अमेरिकी नागरिक हैं। उनको 13 अक्टूबर को वर्जीनिया डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में औपचारिक रूप से आरोपी बनाया गया। आरोपों के अनुसार, उन्होंने राष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करते हुए राष्ट्रीय रक्षा से संबंधित गोपनीय जानकारी अपने पास रखी।

फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) ने शनिवार को वर्जीनिया के वियना स्थित टेलिस के आवास पर छापामारा, जहां से 1,000 से अधिक पन्नों के गोपनीय दस्तावेज बरामद हुए। अब टेलिस पर गोपनीय राष्ट्रीय रक्षा दस्तावेजों को अवैध रूप से अपने पास रखने और चीनी सरकारी अधिकारियों से कई बार मुलाकात करने का मामला दर्ज किया गया है। एफबीआई एजेंटों ने 11 अक्टूबर को टेलिस के वियना (वर्जीनिया) स्थित घर की तलाशी ली, जिसमें 1000 से अधिक पन्नों के टॉप सीक्रेट और सीक्रेट चिह्नित दस्तावेज बरामद हुए। ये दस्तावेज वेसमेंट ऑफिस में बंद फाइलिंग कैबिनेट्स, एक डेस्क और तीन बड़े काले कचरे के बैगों में रखे मिले। एफबीआई के अनुसार, 25 सितंबर को टेलिस को स्टेट डिपार्टमेंट के हैरी एस. ट्रूमैन बिल्डिंग में क्लासिफाइड कंप्यूटर सिस्टम से सैंकड़ों दस्तावेज प्रिंट करते हुए

वीडियो निगरानी में देखा गया। उन्होंने यूएस एयर फोर्स टैक्टिक्स से जुड़ी 1288 पन्नों की फाइल को इस्कॉन रिफॉर्म नाम से सेव किया और फिर सिलेक्ट किए हुए पेज प्रिंट करने के बाद फाइल को डिलीट कर दिया। 10 अक्टूबर को एक अन्य सुरक्षा केमरे में टेलिस को मार्क सेंटर (अलेक्जेंड्रिया, वर्जीनिया) की एक सुरक्षित फैसिलिटी से टॉप सीक्रेट दस्तावेजों को नोटपैड में छिपाकर अपने लेटर ब्रीफकेस में रखते हुए देखा गया। इसके बाद वे उस फैसिलिटी से बाहर निकल गए। एफबीआई के हलफनामे में बताया गया कि सितंबर 2022 से सितंबर 2025 के बीच टेलिस ने वर्जीनिया के फेयरफेक्स स्थित रेस्तरांओं में कई बार चीनी सरकारी अधिकारियों से मुलाकात की। 15 सितंबर 2022 को हुई एक मुलाकात में टेलिस एक मनीला लिफाफा लेकर रेस्तरां में पहुंचे थे, जो उनके बाहर निकलते समय उनके

पास नहीं था। इन बैठकों में ईरान-चीन संबंधों, उभरती तकनीकों (जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) और अमेरिका-पाकिस्तान संबंधों पर चर्चा सुनी गई। सितंबर 2025 की एक बैठक में चीनी अधिकारियों ने टेलिस को लाल रंग का गिफ्ट बैग भी दिया था। मुंबई में जन्मे ऐशली टेलिस ने सेंट जेवियर्स कॉलेज, मुंबई विश्वविद्यालय से ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट की डिग्रियां हासिल कीं और फिर यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो से राजनीतिक विज्ञान में पीएचडी की। वे 2001 से अमेरिकी विदेश विभाग के सलाहकार रहे हैं और अमेरिका-भारत असेन्य परमाणु समझौते के प्रमुख वार्ताकारों में शामिल थे। वर्तमान में वे डिपार्टमेंट ऑफ डिफेंस के ऑफिस ऑफ नेट असेसमेंट में कॉन्ट्रक्टर के रूप में काम कर रहे हैं और कॉर्नर्गी एंड्रामेंट फॉर इंटरनेशनल पीस में सीनियर फेलो हैं।

न्यूज ब्रीफ

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में भारत को सातवें कार्यकाल के लिए चुना गया



न्यूयॉर्क। भारत को संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) के 2026-28 के कार्यकाल के लिए चुना गया है। भारत का यह सातवां कार्यकाल होगा। यूएनएचआरसी ने मंगलवार को हुए चुनाव के नतीजों की घोषणा को एक्स पर साझा किया है। भारत का तीन वर्ष का कार्यकाल अगले साल पहली जनवरी से शुरू होगा। यूएनएचआरसी के एक्स पोस्ट के अनुसार, महासभा ने 2026-2028 के कार्यकाल के लिए मानवाधिकार परिषद के 14 सदस्यों का चुनाव किया है। यह सदस्य देश हैं- अंगोला, चिली, इंडोनेशिया, मिस्र, एस्टोनिया, भारत, इराक, इटली, मॉरीशस, पाकिस्तान, स्लोवेनिया, दक्षिण अफ्रीका, यूनाइटेड किंगडम और वियतनाम। महासभा की घोषणा के बाद संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश ने एक्स पोस्ट में कहा कि यह चुनाव मानवाधिकारों और मौलिक स्वतंत्रता के प्रति भारत की अटूट प्रतिबद्धता दर्शाता है। हरीश ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि भारत अपने कार्यकाल के दौरान इन लक्ष्यों के प्रति हर संभव प्रयास करेगा। उन्होंने समर्थन के लिए सभी प्रतिनिधिमंडलों का आभार व्यक्त किया। उल्लेखनीय 47 सदस्यों की मानवाधिकार परिषद संयुक्त राष्ट्र का एक प्रमुख निकाय है। यह विश्व में मानवाधिकारों को बढ़ावा और संरक्षण के लिए कार्यरत है। महासभा ने 2006 में परिषद का गठन किया था तब भारत को पहली बार चुना गया था।

संसद विघटन के खिलाफ सभी दलों को एकजुट करने का प्रयास, स्पीकर ने बुलाई बैठक



काठमांडू। नेपाल में अंतरिम सरकार द्वारा संसद विघटन किए जाने के खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ने के लिए स्पीकर देवराज घिमिरे ने बुधवार को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। अंतरिम सरकार गठन के बाद प्रधानमंत्री सुशीला कार्की की सिफारिश पर राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल ने संसद विघटन कर दिया था। सरकार के इस फैसले के खिलाफ में मंगलवार देर शाम तक सुप्रीम कोर्ट में 10 याचिका दायर की गई है। लेकिन राजनीतिक दलों को भी इसमें संयुक्त रूप से याचिका दायर कारण के लिए राजनीतिक दलों को एकजुट करने का प्रयास किया जा रहा है। विघटित प्रतिनिधि सभा के स्पीकर घिमिरे ने कहा कि सभी दलों के तर्फ से संयुक्त रूप से सुप्रीम कोर्ट में संसद विघटन के खिलाफ रिट दायर किया जाए वो इसके लिए प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अन्य स्वतंत्र व्यक्तियों के तर्फ से दायर रिट को संबंधित पक्ष नहीं कहते हुए खारिज भी किया जा सकता है। इसलिए वो चाहते हैं कि प्रतिनिधि सभा में प्रतिनिधित्व करने वाले सभी 10 राजनीतिक दल संयुक्त रिट दाखिल करें।

अमेरिकी सेना ने वेनेजुएला तट पर नाव सवार छह लोगों को मारा



वाशिंगटन। अमेरिकी सेना ने वेनेजुएला तट पर नाव सवार छह लोगों को मीत के घाट के उतार दिया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इन लोगों के पास ड्रग्स था। सेना ने अब तक 27 ऐसे लोगों को ऐसे मार गिराया है। दो सितंबर के बाद अमेरिकी सेना ने ऐसी कार्रवाई पांचवी बार की है। रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति ट्रंप ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर लिखा कि अमेरिकी ने वेनेजुएला के तट के पास अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में एक नाव पर सवार छह लोगों को मार डाला। उन्होंने बिना किसी सबूत के दावा किया कि वे ड्रग्स ले जा रहे थे। ट्रंप ने कहा, खुफिया जानकारी से पुष्टि हुई है कि नाव से नशीले पदार्थों की तस्करी की जा रही थी। ट्रंप ने 33 सेंकड का एक हवाई निगरानी वीडियो भी पोस्ट किया। इसमें एक छोटी नाव तैरती हुई दिखाई दे रही है और फिर एक मिसाइल से टकराकर उसमें विस्फोट हो जाता है।

पाक सेना और अफगान तालिबान के बीच सीमा पर लड़ाई छिड़ी, चौकियां व टैंक नष्ट करने का दावा

इस्लामाबाद, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के कुर्रम जिले में अफगानिस्तान से लगती सीमा पर दोनों देशों के बीच लड़ाई छिड़ने की खबर आ रही है। पाकिस्तान का दावा है कि अफगानिस्तान ने बिना किसी उकसावे गोलीबारी की, जिसका माकूल जवाब दिया गया। इससे अफगान तालिबान को भारी क्षति हुई है। कई तालिबानी टैंक और चौकियां नष्ट कर दी गई हैं। डान अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान के सरकारी मीडिया की खबर में दावा किया गया है कि खैबर पख्तूनख्वा के कुर्रम जिले में पाकिस्तानी सेना और अफगान तालिबान के बीच मंगलवार रात फिर से लड़ाई छिड़ गई। सरकारी प्रसारक पीटीवी न्यूज ने सुरक्षा सूत्रों के हवाले से बताया, अफगान तालिबान और प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (फितना अल-खवारिज) ने कुर्रम में बिना उकसावे के गोलीबारी की। पाकिस्तानी सेना ने पूरी ताकत और तेजी से जवाब दिया।

सुरक्षा सूत्रों के अनुसार, इस लड़ाई में तालिबान शासन की चौकियों को भारी नुकसान पहुंचा है और एक टैंक पर हमला होने के बाद उसमें आग लग गई। इससे तालिबान लड़ाके अपनी चौकियों से भाग गए। पीटीवी के अनुसार, शमसादर चौकी पर चौथे टैंक को तबाह कर दिया गया। पाकिस्तानी सेना के इस अभियान में फितना अल-खवारिज के बड़े कमांडर के मारे जाने की खबर है।

इससे पहले विदेश सचिव राजदूत आमना बलोच ने इस्लामाबाद में स्थानीय राजदूतों को पाकिस्तान-अफगान सीमा पर हाल के घटनाक्रमों



पर व्यापक जानकारी दी। उन्होंने पाकिस्तान की सुरक्षा चिंताओं और अपनी क्षेत्रीय अखंडता व राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा के संकल्प पर जोर दिया। अफगान तालिबान बलों ने सप्ताहांत में सीमा पर स्थित चौकियों पर बिना उकसावे के हमला किया। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस ने कहा कि काबुल के आक्रमण का इस्लामाबाद ने भी जवाब दिया। इस लड़ाई में 23 पाकिस्तानी सैनिक और 200 से अधिक तालिबान और लड़ाके मारे गए।

अफगानिस्तान ने दावा किया कि उसने यह हमला प्रतिशोध के तौर पर किया और इस्लामाबाद पर पिछले हफ्ते उसके इलाके में हवाई हमले करने

का आरोप लगाया। इस्लामाबाद ने भी बार-बार काबुल से आतंकवादी समूहों को पाकिस्तान पर हमला करने के लिए अपनी जमीन का इस्तेमाल करने से रोकने का आह्वान किया है। रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ ने सीमा पर आतंकवाद को लेकर जारी तनाव के बीच जियो न्यूज से एक दिन पहले कहा कि दोनों देशों के बीच शत्रुतापूर्ण माहौल है। उन्होंने यह भी कहा था कि लड़ाई किसी भी समय छिड़ सकती है। द बलॉचिस्तान पोस्ट (पश्तो भाषा) की रिपोर्ट में कहा गया है कि अफगानिस्तान और पाकिस्तान के सुरक्षा बलों के बीच सीमा पर झड़पों का सिलसिला एक बार फिर तेज हो गया है। सूत्रों के अनुसार, मंगलवार

शाम खोस्त प्रांत के जाजी मैदान जिले में तालिबान और पाकिस्तानी सुरक्षा बलों के बीच गोलीबारी हुई। झड़पों का दायरा नांगरहार तक फैल गया है। हेलमंद प्रांत में झड़प की तैयारी चल रही है। अफगान और ईरानी स्थानीय मीडिया के अनुसार, पाकिस्तानी सेना ने बलॉचिस्तान में बाराबका के पास सात अफगान नागरिकों को गिरफ्तार करने के बाद गोली मारकर उनकी हत्या कर दी। रिपोर्ट के अनुसार, ये सभी अफगान मजदूर थे और काम के लिए पाकिस्तान में घुसने की कोशिश कर रहे थे। अफगान अधिकारियों ने इन हत्याओं की कड़ी निंदा की है, जबकि स्थानीय सूत्रों के अनुसार, इलाके में तनाव बरकरार है।

पलट गई बाजी: अब भारत से मदद मांग रहा अमेरिका, बोला- आइए चीन से मिलकर लड़ेंगे



वाशिंगटन। आए दिन धमकाने और टैरिफ लगाने वाला अमेरिका अब भारत के आगे गिड़गिड़ाता नजर आ रहा है। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की सरकार पर उकसाने वाले आर्थिक कदम उठाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि बीजिंग द्वारा दुर्लभ खनिजों पर नए निर्यात नियंत्रण लागाना पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था को चुनौती देने जैसा है। बेसेंट ने एक बातचीत में कहा, यह चीन बनाम पूरी दुनिया है। उन्होंने जो नए निर्यात नियंत्रण लगाए हैं, वे अगले महीने से लागू होंगे। हमें नहीं पता कि उन्होंने यह कदम अभी क्यों उठाया, लेकिन हमने इसके खिलाफ आक्रामक रूप से जवाब दिया है। बढ़ते तनाव के बीच बेसेंट ने पुष्टि की कि राष्ट्रपति ट्रंप और शी जिनपिंग की मुलाकात इस महीने दक्षिण कोरिया में होने की संभावना है, हालांकि स्थिति को देखते हुए कार्यक्रम में बदलाव भी संभव है। दोनों देशों के अधिकारी इससे पहले आईएमएफ और वर्ल्ड बैंक की बैठकों के दौरान वाशिंगटन में प्रारंभिक बातों करेंगे। आने वाले हफ्तों में यह स्पष्ट होगा कि दोनों देश तनाव घटाने की दिशा में बढ़ते हैं या व्यापारिक टकराव एक नए मोर्चे में बदल जाता है। चीनी विदेश मंत्री ने कहा कि अमेरिका चीन को इन महत्वपूर्ण खनिजों का हथियार बनाने की अनुमति नहीं देगा। बेसेंट ने कहा, उन्होंने पूरी स्वतंत्र दुनिया की सप्लाई चेन और औद्योगिक ढांचे पर बंदूक तान दी है। हम इसे बदल नहीं करेंगे।

नेतन्याहू ने कहा-हमास ने निशस्त्रीकरण से इनकार किया तो तबाही मच जाएगी

तेल अवीव, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)।

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कठोर रुख अपनाते हुए कहा कि अगर हमास ने निशस्त्रीकरण से इनकार किया तो तबाही मच जाएगी। उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय पर आई है, जब इजराइल और हमास के बीच गाजा में युद्धविराम का पहला चरण प्रभावी हो चुका है। इजराइली बंधकों की रिहाई के बाद फिलिस्तीनी कैदियों को छोड़ा जा रहा है। इस बीच हमास ने चार बंधकों के शव इजराइल को सौंप दिए हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने सीबीएस न्यूज को दिए साक्षात्कार में कहा है कि अगर हमास निशस्त्रीकरण के लिए सहमत नहीं होता है, तो तबाही मचनी तय है। यह पृष्ठने पर कि जब इजराइली सेना अभी भी गाजा के कुछ हिस्सों में तैनात है और हमास

पट्टी पर फिर से नियंत्रण स्थापित कर रहा है, तो यह कैसे कहा जा सकता है कि युद्ध समाप्त हो गया है? नेतन्याहू ने कहा, हम शांति को एक मौका देने के लिए सहमत हुए हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि युद्धविराम समझौते में यह प्रावधान है कि फिलिस्तीनी आतंकवादी समूह को निशस्त्र और गाजा का विसेन्टीकरण किया जाना चाहिए। गाजा पट्टी के अंदर कोई हथियार कारखाने नहीं चलने चाहिए और इसकी सीमाओं पर कोई तस्करी नहीं होनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने भी कहा है कि अगर हमास समझौते के अपने हिस्से का पालन नहीं करता है तो हम उसे हिंसक तरीके से निशस्त्र कर देंगे।

प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने कहा कि उन्हें इजराइल और हमास के बीच समझौते



के अगले चरण के शांतिपूर्ण होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप की शर्तें बहुत स्पष्ट हैं। हमास को अपने

हथियार छोड़ने होंगे और विसेन्टीकरण करना होगा, वरना सब कुछ बिगड़ जाएगा। नेतन्याहू ने कहा कि हम शांति

को एक मौका देने पर सहमत हुए हैं। यही बात ट्रंप ने गाजा के लिए अपनी 20-सूत्रीय शांति योजना के पहले चरण के अवसर पर तेल अवीव की संक्षिप्त यात्रा के एक दिन बाद कही थी। नेतन्याहू ने कहा कि चार मृत बंधकों के अवशेषों वाले ताबूत पहचान के लिए तेल अवीव स्थित अबू कबीर फॉरेंसिक संस्थान पहुंच गए हैं। पहचान प्रक्रिया में दो दिन तक का समय लग सकता है। हमास ने सौंपे गए बंधकों की पहचान नहीं बताई है।

द टाइम्स ऑफ इजराइल के अनुसार, हमास ने मध्यस्थों को सूचित किया है कि वह बुधवार को मृत बंधकों के चार और शव इजराइल को सौंपेगा। इसके साथ हमास द्वारा लौटाए गए बंधकों के शवों की संख्या 12 हो

जाएगी। हमास ने दावा किया है कि उसे सभी शवों तक पहुंचने के लिए समय चाहिए क्योंकि उनमें से कुछ आईडीएफ की बमबारी में ध्वस्त इमारतों और सुरंगों के मलबे के नीचे हैं। कुछ शव आईडीएफ के नियंत्रण वाले क्षेत्रों में हैं। हमास ने ऐसे शवों की संख्या 16 बताई है। इजराइल ने हमास के दावों को टालमटोल की रणनीति बताकर खारिज कर दिया है और धमकी दी है कि अगर आतंकवादी समूह शेष शवों को तुरंत वापस नहीं करता है तो वह सहायता सीमित कर देगा। मिस्त्र के साथ राफाह सीमा बंद कर दी जाएगी। और लड़ाई फिर से शुरू कर दी जाएगी।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने भी मंगलवार को कहा कि हमास ने मध्यस्थों को शवों के बारे में धोखे में रखा है।

नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री देउवा लेंगे सक्रिय राजनीति से संन्यास, इलाज के लिए सिंगापुर जाने की तैयारी

काठमांडू, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)।

नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री शेरबहादुर देउवा पार्टी की सक्रिय राजनीति से संन्यास लेते हुए इलाज के लिए सिंगापुर जाने की तैयारी में हैं। पार्टी की केंद्रीय समिति की बैठक में एक लिखित वक्तव्य पढ़ते हुए उन्होंने इसकी जानकारी दी। जेन जी विद्रोह के दौरान बुरी तरह से घायल हुए नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेरबहादुर देउवा 35 दिन बाद मंगलवार को अपने पार्टी के दफतर में आयोजित केंद्रीय समिति की बैठक में सहभागी हुए। उन्होंने पार्टी की जिम्मेदारी उपाध्यक्ष पूर्ण बहादुर खड्का को कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में सौंपने का फैसला किया है।

देउवा ने कहा कि पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपने के साथ ही अब समय पर महाविधेयन के बाद नए नेतृत्व का चयन हो जाए, इसके लिए सभी को तैयारी करनी होगी। देउवा ने महाविधेयन के बाद निर्वाचित नए अध्यक्ष को पार्टी का नेतृत्व हस्तांतरण कर देंगे।



देउवा ने अब राजनीति में सक्रिय नहीं रहने का संकेत देने के साथ ही अपने उपचार के लिए सिंगापुर जाने की बात कही है। पार्टी बैठक के बाद उन्होंने कहा कि अभी भी बहुत अधिक देर तक बैठने पर उन्हें चक्कर आने लगता है और बेहोशी छाने लगती है। जेन जी विद्रोह के दौरान प्रदर्शनकारियों ने उनके घर में घुस कर शेरबहादुर देउवा और उनकी पत्नी आरजू देउवा पर हमले किए थे। इस दौरान उन पर खुकुरी से भी हमला किया गया जिसके कारण शेर बहादुर देउवा के माथे पर 12 टांके और आरजू देउवा के गर्दन पर 8 टांके लगाए गए थे। प्रदर्शनकारियों ने पूरा उनका घर जला दिया था। इस घटना के बाद पहली बार सार्वजनिक हुए देउवा दंपति ने इलाज के लिए सिंगापुर जाने की बात कही है। हालांकि उनके डिप्लोमेटिक पासपोर्ट को सरकार ने रद्द कर दिया है और उन दोनों के काठमांडू से बाहर जाने पर भी रोक लगा दी गई है।

नेतन्याहू मिले रिहा बंधकों से, एतान मोर से छूटने की वजह जानकर चौंके

तेल अवीव, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू हमास की कैद से छूटे बंधकों से मिलकर उनकी पीड़ा को समझने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने मंगलवार को यहां बेइलिन्सन अस्पताल में रिहा हुए बंधकों और उनके परिवारों से मुलाकात कर चर्चा की। सीमवार को रिहा किए बंधक एतान मोर की आपबीती सुनकर प्रधानमंत्री ही नहीं अन्य लोग भी चौंके गए। मोर ने बताया कि गाजा में कैद के दौरान एक हमास नेता ने उससे कहा था कि उसके रिहा होने की संभावना ज्यादा है, क्योंकि उसके परिवार ने सरकार पर बंधक-युद्धविराम समझौते के लिए दबाव डालने वाले विरोध प्रदर्शनों में हिस्सा नहीं लिया। रिपोर्ट के अनुसार, प्रधानमंत्री कार्यालय ने इसकी पुष्टि की है। रिपोर्ट के अनुसार, मोर ने प्रधानमंत्री को बताया कि इज्जत अल-दीन अल-हदाद इस समय आतंकवादी समूह हमास का वास्तविक नेता है। वह



पहले हमास के गाजा सिटी ब्रिगेड की कमान संभालता रहा है। इसी नेता ने उससे कैद के दौरान कहा था, अगर किसी को सबसे पहले रिहा किया जाएगा, तो वो आप हैं। आपके पिता वैसे भी विरोध प्रदर्शनों में नहीं जाते, इसलिए हम आपको पहले वापस

भेज देंगे। मोर के पिता जिव्का टिकवा फोरम के प्रमुख हैं। यह फोरम बंधक परिवारों का छोटा समूह है। यह फोरम पहले के उन समझौतों का विरोध करता रहा है, जिनमें सैंकड़ों फिलिस्तीनी सुरक्षा कैदियों और गाजा में अस्थायी युद्धविराम के बदले में केवल कुछ

बंधकों को रिहाई सुनिश्चित की गई थी। इस बीच बंधक परिवारों ने शव सौंपने में हमास की विफलता पर आईडीएफ प्रमुख से मुलाकात की मांग की है। बंधक और लापता परिवार मंच ने कहा है कि वह आईडीएफ चीफ ऑफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल इयाल जमीर से बात करना चाहते हैं। मंच ने बयान में कहा है, परिवार चीफ ऑफ स्टाफ से इस बात का स्पष्टीकरण मांगेंगे कि आईडीएफ समझौते का सामान्य रूप से पालन क्यों कर रहा है, जबकि इस बात की गंभीर आशंका है कि बंधक कैद में ही रहेंगे क्योंकि हमास हस्ताक्षरित समझौते का थूलेआम उल्लंघन कर रहा है। परिवारों का आरोप है कि आईडीएफ अभी भी 7 अक्टूबर, 2023 के नरसंहार से पहले की तरह ही व्यवहार कर रहा है। हमास की बातों पर विचारण कर रहा है। बयान इसके कि वह यह समझे कि यह एक धोखेबाज और घृणित आतंकवादी संगठन है।

उत्तर प्रदेश राज्य पुरातत्व विभाग का कारनामा

400 साल पुरानी धरोहर की बदल दी पहचान

मकबरा जफर खां का नाम कर दिया औरंगजेब की हवेली

आगरा, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश राज्य पुरातत्व विभाग ने मनमाने तरीके से 17वीं सदी में राजा जयसिंह के बनाए नक्शे में रोजा-ए-जफर खां के नाम से दर्ज मकबरे का नाम बदल दिया। राज्य पुरातत्व विभाग ने इसे औरंगजेब की हवेली नाम दे दिया।

राज्य पुरातत्व विभाग ने गैरकानूनी तरीके से 400 साल पुरानी धरोहर की पहचान बदल दी है। वाटरवर्क्स चौराहे पर मौजूद रोजा-ए-जफर खां यानी जफर खां के मकबरे को औरंगजेब की हवेली का नाम किए जाने के खिलाफ लोगों में आक्रोश भरता जा रहा है। औरंगजेब की हवेली, बल्केश्वर के नाम से जफर खां के मकबरे और बाग को संरक्षित करने की प्रारंभिक अधिसूचना जारी कर दी गई है। यह मामला इतिहास से छेड़छाड़ का है। 17वीं सदी में जयपुर के राजा जयसिंह के बनाए नक्शे में यह रोजा-ए-जफर खां के नाम से दर्ज है। ऐतिहासिक दस्तावेजों, गजेटियर में औरंगजेब की हवेली बल्केश्वर की जगह बेलनगंज में हाथीघाट के सामने मौजूद है।



रामबाग स्मारक के ठीक सामने यमुना किनारे वाटरवर्क्स चौराहे से सटी गोशाला के पीछे जफर खां का मकबरा और बाग है। उत्तर प्रदेश सरकार के राज्य पुरातत्व विभाग ने जफर खां के बाग और इमारत को औरंगजेब की हवेली बताते हुए इसे संरक्षित करने की प्रक्रिया तेज की है। एक साल पहले प्री-नोटिफिकेशन किया गया, जिसमें औरंगजेब की हवेली, बल्केश्वर (मुबारक मंजिल) का नाम दिया गया। 0.634 हेक्टेयर क्षेत्रफल में फैली मुगल काल की ककैया ईंटों से बनी इमारत गाटा संख्या 1723 पर बनी है। यमुना किनारे के बुर्ज 0.346 हेक्टेयर क्षेत्रफल में हैं और गाटा संख्या 1707 में मौजूद हैं। सोमवार को राज्य पुरातत्व विभाग के अधिकारियों ने गोशाला के पीछे बनी इमारत

का निरीक्षण किया। यहां स्थायी रूप से एक कर्मचारी को तैनात किया गया है जो यहां देखरेख और सफाई के लिए रखा गया है। विशेष सचिव रवींद्र कुमार ने दोनों स्मारकों के लिए अधिसूचना जारी की है। जिस जगह की अधिसूचना राज्य पुरातत्व विभाग ने जारी की है, वह जगह 17वीं सदी में जयपुर के राजा जयसिंह के नक्शे में 44 नंबर पर दर्ज है। इसके पास बाग हाकिम काजिम अली और बाग-ए-राय शिवदास था। हवेली आलमगीर यानी औरंगजेब की हवेली 33 और 34 नंबर पर दर्ज है और यह बेलनगंज में हाथीघाट के सामने तथा हवेली आसफ खां से सटी है। राजा जयसिंह के नक्शे में जफर खां बाग के बीच में वर्गाकार एक मंजिला इमारत दर्शाई गई है।

सेटेलाइट इमेज में हूबहू वही इमारत अब भी उसी बाग में नजर आती है, जैसी नक्शे में है। जिस भवन को राज्य पुरातत्व विभाग औरंगजेब की हवेली के नाम से संरक्षित करने की प्रक्रिया शुरू की है, वह 17वीं सदी के नक्शे के साथ फ्लोरेन्सिया सेल की वर्ष 1832-33 की नोटबुक में भी रोजा जफर खां के नाम से दर्शाई गई है। इसके अलावा वर्ष 1980 से आगरा के रिवर फ्रंट गार्डन तलाशने वाली आस्ट्रियाई इतिहासकार एब्बा कोच की पुस्तक में भी जफर खां का मकबरा दर्शाया गया है। यहां चारों कोनों पर ककैया ईंटों से बनी मीनारें हैं और हर तरफ बरामदा है, जो अंदर के हॉल से जुड़ा हुआ है। राज्य पुरातत्व विभाग के प्रभारी ज्ञानेंद्र रस्तोगी ने कहा कि जिस जगह का संरक्षण करने की अधिसूचना जारी की गई है, उस पर आपत्तियां मांगी गई थीं। तब लोगों को इस पर आपत्ति दर्ज करानी चाहिए थी। यह मामला मेरे आने से पहले का है, इसलिए किन दस्तावेजों के आधार पर नाम दिया गया, बताना कठिन है। प्रशासन की ओर से जो कागजात दिए गए

होंगे, वही नाम रखा जाता है। जबकि पुरातत्वविद डॉ. आरके दीक्षित का कहना है कि वाटरवर्क्स पर जफर खां का मकबरा है और यह एएसआई से संरक्षित है। हवेली आलमगीर हाथीघाट के सामने है। राजा जयसिंह के नक्शे में यमुना नदी के किनारे बनी सभी हवेलियों का ब्यूरा है। उल्लेखनीय है कि ताजमहल जिस मुमताज महल के लिए तामीर किया गया, उनकी बहन फरजाना बेगम का पति जफर खां था, जो मुगल बादशाह शाहजहां के समय बेहद ताकतवर था। शाहजहां ने 1649 में जफर खां को पंजाब का गवर्नर बनाया था। उसके बाद 1650 में दिल्ली और मुल्तान और 1651 में बिहार का गवर्नर बनाया गया। इतिहासकार एब्बा कोच की पुस्तक में लिखा है कि शाहजहां के दरबार में वह वजीर-ए-कुल यानी वित्त मंत्री रहा। 1658 में सामूद्रा की लड़ाई के बाद औरंगजेब ने जफर खां को मालवा का गवर्नर बनाया और रैंक बढ़ा दी। 1670 में जफर खां की मृत्यु पर औरंगजेब ने दो राजकुमारियों को फरजाना बेगम के पास भेजा था।



सुप्रीम कोर्ट ने वांगचुक की हिरासत को चुनौती वाली याचिका में संशोधन की दी अनुमति

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)।

उच्चतम न्यायालय ने राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत राजस्थान की जोधपुर केंद्रीय जेल में बंद सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे. अंगमो को उनकी बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका में संशोधन करने की बुधवार को अनुमति दे दी। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति एन वी अंजोरिया की पीठ ने एनएसए के तहत वांगचुक की हिरासत के आधार को चुनौती देने वाली गीतांजलि की याचिका में संशोधन की अनुमति दे दी। अंगमो की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने याचिका में संशोधन करने की अनुमति मांगी ताकि सरकार द्वारा दिए गए हिरासत के आधारों को अब उचित रूप से चुनौती दी जा सके। उन्होंने पीठ के समक्ष स्पष्ट किया कि वांगचुक को अपनी पत्नी के साथ नोट्स साझा करने की अनुमति नहीं है। श्री सिब्बल ने कहा, उन्होंने (वांगचुक) अपनी नज़रबंदी पर कुछ नोट्स बनाए हैं, जिन्हें वह अधिवक्ता को देना चाहते हैं। वह जो भी नोट्स तैयार करते हैं, उसमें उन्हें वकील

की सहायता लेने का अधिकार है। हम बस यही चाहते हैं कि नोट्स उन्हें दिए जाएं। इस पर सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि उन्हें याचिकाकर्ता, अंगमो के साथ नोट्स साझा किए जाने से कोई समस्या नहीं है। श्री मेहता ने यह भी कहा कि याचिकाकर्ता ने हिरासत के आधार बताने में देरी। वांगचुक की नज़रबंदी को चुनौती देने का आधार नहीं बननी चाहिए। एनएसए के तहत अपनी नज़रबंदी के खिलाफ और रिहाई की मांग करने वाली अंगमो की याचिका पर सुनवाई के बाद अदालत ने 06 अक्टूबर को केंद्र, केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख और जोधपुर सेंट्रल जेल के पुलिस

अधीक्षक को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। वांगचुक को 26 सितंबर लद्दाख में हुई हिंसा के दौरान गिरफ्तार किया गया था। इस हिंसा में चार लोगों की मौत हो गई थी और कई अन्य घायल हो गए थे। लद्दाख को राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर प्रदर्शन के दौरान हिंसा हुई थी। लेह के ज़िला मजिस्ट्रेट ने मंगलवार को अदालत को बताया कि कार्यकर्ता वांगचुक राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधियों में लिप्त थे, जिसके कारण उन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत हिरासत में लिया गया। शीर्ष अदालत इस मामले में 29 अक्टूबर को अगली सुनवाई करेगी।

ब्राजील के उपराष्ट्रपति से मिले राजनाथ, रक्षा उद्योग के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाएंगे दोनों देश

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारत और ब्राजील ने रक्षा उपकरणों के सह-विकास तथा सह-उत्पादन के क्षेत्र एवं सेन-1ओं के बीच परस्पर सहयोग बढ़ाने की जरूरत पर बल दिया है। दोनों देशों ने इन क्षेत्रों में सहयोग के अवसरों पर भी व्यापक चर्चा की है।



सैन्य-से-सैन्य सहयोग और रक्षा-औद्योगिक सहयोग के विस्तार पर ध्यान केंद्रित करते हुए रक्षा सहयोग से संबंधित मुद्दों पर दूरदर्शी चर्चा की। रक्षा मंत्रालय ने एक वक्तव्य जारी कर बताया कि दोनों नेत-1ओं ने मौजूदा रक्षा संबंधी पहलों की प्रगति की समीक्षा की और रक्षा उपकरणों के सह-विकास और सह-उत्पादन के अवसरों की खोज सहित संयुक्त कार्य के लिए प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की पहचान की। भारत और ब्राजील के बीच रणनीतिक साझेदारी है। नेताओं ने संयुक्त अभ्यास और

प्रशिक्षण यात्राओं सहित सैन्य-से-सैन्य आदान-प्रदान पर ध्यान केंद्रित करते हुए रक्षा सहयोग को आगे बढ़ाने की अपनी साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि की। दोनों नेताओं ने बैठक में रक्षा क्षेत्र से संबंधित सभी पहलुओं पर विस्तार से चर्चा और रक्षा सहयोग की समीक्षा की। इस अवसर पर दोनों नेताओं ने एक दूसरे को स्मृति चिन्ह भी भेंट किया। इस मौके पर प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान और तीनों सेनाओं का शीर्ष नेतृत्व भी मौजूद था। ब्राजील के उपराष्ट्रपति तीन दिन की भारत यात्रा पर आज दोपहर यहां पहुंचे थे। उनका गुरुवार को उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल तथा अन्य मंत्रियों के साथ मिलने का कार्यक्रम है।

देश में अब नक्सलवाद से सबसे अधिक प्रभावित केवल तीन जिले बचे हैं: गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)।

सरकार ने नक्सल मुक्त भारत बनाने के संकल्प की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है और अब नक्सलवाद से सबसे अधिक प्रभावित जिलों की संख्या 6 से घटकर सिर्फ तीन रह गई है। केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि अब केवल छत्तीसगढ़ के बीजापुर, सुकमा और नारायणपुर ही वामपंथी उग्रवाद से सबसे अधिक प्रभावित जिले बचे हैं। वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित

जिलों की संख्या भी 18 से घटकर केवल 11 रह गई है। इस प्रकार अब केवल 11 जिले वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित हैं। वक्तव्य में कहा गया है कि सरकार अगले वर्ष 31 मार्च तक नक्सलवाद की समस्या को पूरी तरह समाप्त करने के लिए कटिबद्ध है। इस वर्ष नक्सल विरोधी अभियानों की सफलता ने पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। इन अभियानों में 312 वामपंथी कैडरों को मार गिराया गया है, जिनमें सीपीआई (माओवादी) महासचिव और पोलित

ब्यूरो/केन्द्रीय समिति के आठ अन्य सदस्य भी शामिल हैं। कुल 836 वामपंथी कैडरों को गिरफ्तार किया गया है और 1639 ने हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा में शामिल होने के लिए आत्मसमर्पण किया है। सरकार को बहुआयामी दृष्टिकोण आधारित राष्ट्रीय कार्य योजना और नीति को कठोरता से लागू कर नक्सल खतरे से निपटने में अभूतपूर्व सफलता मिली है। राष्ट्रीय कार्य योजना और नीति में जन-हितैषी अभियानों पर आधारित सटीक

आसूचना शामिल है। इन कदमों में सुरक्षा वेक्यूम वाले क्षेत्रों में त्वरित डोमिनेशन, शीर्ष नेताओं और ओवर ग्राउन्ड कार्यकर्ताओं को निशाना बनाना, कुटिल विचारधारा का मुकाबला करना, बुनियादी ढांचे का तीव्र विकास और कल्याणकारी योजनाओं को पूरी तरह लागू कराना, वित्तीय संसाधनों को पूरी तरह बंद करना, राज्यों एवं केन्द्र सरकारों के बीच बेहतर समन्वय, और माओवादी संबंधित मामलों की त्वरित जांच और अभियोजन शामिल हैं। वक्तव्य में कहा गया है कि वर्ष

2010 में तत्कालीन प्रधानमंत्री द्वारा जिसे भारत की 'सबसे बड़ी आंतरिक सुरक्षा चुनौती' कहा गया, वह नक्सलवाद अब स्पष्ट रूप से दम तोड़ रहा है। नक्सलियों ने नेपाल के पशुपति से आंध्र प्रदेश के तिरुपति तक एक लाल कोरिडोर स्थापित करने की योजना बनाई थी। वर्ष 2013 में विभिन्न राज्यों के 126 जिलों में नक्सल-संबंधी हिंसा रिपोर्ट की गई थी, जबकि इस वर्ष मार्च में यह संख्या घटकर केवल 18 जिलों तक सीमित रह गई और इनमें से केवल 06 सबसे अधिक प्रभावित जिले की श्रेणी में थे।

मुर्मू, मोदी और शाह ने डा. कलाम को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की



नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए पी जे अब्दुल कलाम की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है। राष्ट्रपति सचिवालय ने बताया कि श्रीमती मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में डॉ. अब्दुल कलाम के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। प्रधानमंत्री मोदी ने डॉ. अब्दुल कलाम को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि डॉ. कलाम को एक दूरदर्शी व्यक्ति के रूप में याद किया जाता है जिन्होंने युवा मन को प्रज्वलित किया और हमारे देश को बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि डॉ. कलाम का जीवन हमें याद

दिलाता है कि सफलता के लिए विनम्रता और कड़ी मेहनत आवश्यक है। उन्होंने उम्मीद जताई कि डॉ. कलाम की कल्पना के अनुरूप मजबूत, आत्मनिर्भर और करुणामय भारत का निर्माण जारी रखेंगे। श्री मोदी ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम जी को उनकी जयंती पर शत-शत नमन। उन्हें एक दूरदर्शी व्यक्ति के रूप में याद किया जाता है जिन्होंने युवा मन को प्रज्वलित किया और हमारे देश को बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित किया। उनका जीवन हमें याद दिलाता है कि सफलता के लिए विनम्रता और कड़ी मेहनत बेहद ज़रूरी है। हम उनके द्वारा देखे

गए भारत का निर्माण जारी रखें... एक ऐसा भारत जो मजबूत, आत्मनिर्भर और करुणामय हो। श्री शाह ने डा. कलाम को श्रद्धांजलि देते हुए कहा ,डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम जी को उनकी जयंती पर नमन। एक वैज्ञानिक प्रतिभा, कलाम जी ने अपनी अटूट देशभक्ति और भारत प्रथम के सिद्धांत के साथ विज्ञान, रक्षा और तकनीकी नवाचारों में हमारे देश की प्रगति को अभूतपूर्व ऊंचाइयों तक पहुंचाया। परमाणु वैज्ञानिक के रूप में मिसाइल मैन के नाम से विख्यात हुए डा. कलाम 25 जुलाई 2002 से 25 जुलाई 2007 तक देश के राष्ट्रपति रहे। इससे पहले वह सरकार के वैज्ञानिक सलाहकार भी रहे।

अहान पांडे की अगली फिल्म से आया नया लुक!

अली अब्बास जफर की एक्शन मूवी के लिए बदल डाला लवर बॉय वाला हुलिया

सै यारा एक्टर अहान पांडे एक बार फिर से ज़ेन जी वाली भीड़ की धड़कनें बढ़ाने के लिए बिल्कुल तैयार हैं। अहान पांडे ने अली अब्बास जफर की अगली फिल्म से अपना लुक दिखा दिया है, जिसपर फैन्स अभी से दिल हारे बैठे नजर आ रहे हैं। लोगों ने अभी से उनके लुक और फिल्म के लिए डेट ब्लॉक करने की बातें भी कह दी हैं।

अहान पांडे अब अपने अगले बड़े प्रोजेक्ट के लिए रेडी दिख रहे हैं। इस फिल्म का निर्देशन अली अब्बास जफर करेंगे और इसे यशराज फिल्मस के आदित्य चोपड़ा प्रड्यूस कर रहे हैं। 'सैयारा' की ऐतिहासिक सफलता के बाद जो भारतीय सिनेमा की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली लव-स्टोरी बनी उसके बाद अब अहान अपने करियर के नए अध्याय की ओर बढ़ रहे हैं। यह फिल्म अली अब्बास जफर की यशराज फिल्मस में वापसी को भी है। अहान ने हाल ही में सोशल मीडिया पर अपना



नया लुक शेयर किया, जिसमें 'सैयारा' के रोमांटिक लवर बॉय लुक से बिल्कुल अलग लुक है।

अहान के इस लुक पर फैन्स जोरदार फिदा दिख रहे हैं। एक ने कहा— आप इस हेयरस्टाइल में एक्स्ट्रा हैंडसम दिख रहे। एक और ने कहा— अहान आप कितने हैंडसम दिख रहे हैं। एक ने कहा— इतने सालों बाद इन्हें शॉर्ट हेयर में देख रहा। एक ने तो इतना कहा कि मैं कैसे बताऊं कि मेरे दिल की धड़कनें आपको देखकर बंद हो गईं। एक

और यूजर ने लिखा— भाई साहब, ये लड़का सारा रैंकॉड ब्रेक करने वाला है बॉलीवुड में। एक फैन ने कहा— जो भी डेट हो, अभी से बुक है।

माना जा रहा है कि लव-स्टोरी के बाद अब ये नई एक्शन-रोमांस फिल्म आहान को एक बिल्कुल नए अंदाज में पेश करने का वादा करती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस अनटाइटल फिल्म की शूटिंग 2026 में शुरू होगी। ये आदित्य चोपड़ा व अली अब्बास जफर की पांचवीं फिल्म होगी, जिनकी जोड़ी ने 'मेरे ब्रदर की दुल्हन', 'गुंडे', 'सुल्तान' और 'टाइगर जिंदा है' जैसी हिट फिल्मों दी हैं।

कृति शेड्डी का तिरुपति में आध्यात्मिक पड़ाव, बालाजी के किए दर्शन

कृ ति शेड्डी को हाल ही में तिरुपति बालाजी मंदिर में दर्शन करते हुए देखा गया, जहाँ उन्होंने शांति और भक्ति से परिपूर्ण माहौल में पूजा-अर्चना की। जिसने प्रशंसकों का ध्यान खींचा। पारंपरिक पोशाक में और सादगी भरे अंदाज़ में नज़र आई कृति ने अपने व्यस्त ग्लैमर जीवन से थोड़ा समय निकालकर दक्षिण भारत के सबसे पूजनीय मंदिरों में से एक में आशीर्वाद प्राप्त किया। अपनी बढ़ती प्रसिद्धि के बावजूद ज़मीन से जुड़ी रहने वाली बॉलीवुड की अगली सुपर स्टार का यह शांतिपूर्ण मंदिर-दर्शन यात्रा ने सोशल मीडिया पर उनके प्रशंसकों के दिलों को छू गया। अभिनेत्री की इस यात्रा की तस्वीरें जल्द ही सोशल मीडिया पर तेज़ी से वायरल हो गईं, जहाँ कई लोगों ने



उनकी सादगी और श्रद्धा की सराहना की। तिरुपति लंबे समय से अनेक कलाकारों के लिए एक पवित्र पड़ाव रहा है - विशेषकर तब, जब वे किसी बड़े व्यक्तिगत या पेशेवर मोड़ की ओर बढ़ते हैं। उसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए, कृति ने बिना किसी दिखावे के पूजा की और मंदिर में कुछ पल शांत वातावरण में बिताए, जिसके बाद वे अपने व्यस्त शेड्यूल की ओर लौट गईं। कार्य के मोर्चे पर, कृति शेड्डी भारतीय फ़िल्म जगत में अपनी मजबूत पहचान बनाती जा रही हैं। दिसंबर उनके लिए बेहद अहम साबित होने वाला है, क्योंकि इसी महीने उनकी तीन बड़ी फ़िल्में - वा वधियार, लव इंश्योरेंस कंपनी और जीनी - की रिलीज़ की तैयारी कर रही है, जो एक ही महीने में सिनेमाघरों में रिलीज़ होंगी। अपने करियर के इस निर्णायक पड़ाव पर कृति शेड्डी पूरी तरह अपनी आस्था और एकग्रता में संतुलित नज़र आ रही हैं।

दीपावली पर मिठाइयों और पकवानों में पूरी तरह डूबना चाहती हूं : पारुल गुलाटी

अ भिनेत्री पारुल गुलाटी इस बार दीपावली का त्योहार अपने परिवार और करीबी दोस्तों के साथ मनाएंगी। उनके लिए दीपावली सिर्फ एक दिन का त्योहार नहीं, बल्कि एक लंबे जश्न की शुरुआत है जो नए साल तक चलता है। आईएनएस से बात करते हुए पारुल ने कहा, 'दीपावली के दिन मेरी योजना अपने परिवार के साथ घर पर रहने की है। लेकिन उससे पहले, हां, मैं कुछ दोस्तों की दीपावली पार्टियों में जा रही हूँ। इन पार्टियों में ढेर सारी मिठाइयाँ खाने का इंतज़ार कर रही हूँ।' पारुल का मानना है कि दीपावली से लेकर नए साल तक का समय खुशियों और स्वादों से भरा होता है, जिसमें खुद को रोकना मुश्किल हो जाता है। उन्होंने मजाकिया अंदाज़ में कहा, 'मुझे लगता है कि जब मुंह में मिठाई चली जाती है, तो एक ही काफी नहीं होती। इसके बाद आपको खाते ही रहना पड़ता है। इस पूरे फेस्टिव सीजन में मेरा कोई फिटनेस प्लान नहीं है। इस समय

मैं खुद को मिठाइयों और पकवानों में पूरी तरह डुबो देना चाहती हूँ और यही मेरा प्लान है।'

पारुल ने आईएनएस से साझा किया कि हर साल दीपावली के बाद वह अपनी नानी के घर जाती हैं और वहां एक हफ्ते तक परिवार के साथ समय बिताती हैं। यह उनके लिए एक खास परंपरा की तरह है, जिससे वह हर साल जुड़ी रहती हैं। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा कि जब तक ये त्योहार खत्म नहीं हो जाते, तब तक फिटनेस के बारे में सोचने का सवाल ही नहीं उठता।

फिल्मी करियर की बात करें तो पारुल गुलाटी ने 'पी.ओ. डब्ल्यू - बंदी युद्ध के', 'सेलेक्शन डे', और 'गर्ल्स हॉस्टल' जैसे चर्चित शोज में काम किया है। अब वह जल्द ही एक नई वेब सीरीज 'दोनाली' में नजर आएंगी, जिसमें उनके साथ दिव्येंद्र और बरुन सोबती जैसे लोकप्रिय अभिनेता भी हैं। यह सीरीज 1960 के दशक के चंबल की पृष्ठभूमि पर आधारित है और इसे मध्य प्रदेश की अलग-अलग जगहों पर शूट किया गया है। शो का निर्देशन ई निवास ने किया है। इसमें चंकी पांडे और यशपाल शर्मा जैसे अनुभवी कलाकार भी शामिल हैं।

बिग बॉस 19 में मालती चाहर बनाम नेहल

कपड़ों पर तंज से बिगड़ा मामला घरवाले हुए आगबबूला

टी वी के सबसे चर्चित रियलिटी शो 'बिग बॉस 19' में जहां एक तरफ कॉन्ट्रोवर्सी, ड्रामा और टकराव रोजाना देखने को मिलते हैं, वहीं इस बार घर के अंदर एक छोटी सी बात ने बड़ा तूफान ला दिया है। इस बार सूजी का हलवा ही घर के लिए बड़ी मुसीबत बन गया है। 'हलवे की लड़ाई' ने बिग बॉस के घर का पूरा माहौल गर्मा दिया है, और इसके बीच वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट मालती चाहर ने विवाद को और भड़का दिया है। शुरुआत में मालती चाहर जब घर में आईं, तो लगा कि शायद माहौल में एक नया रंग आएगा। लेकिन उनके सधे हुए अंदाज ने घर में तूफान खड़ा कर दिया, जिससे घर के कई सदस्य, खासतौर पर फरहाना, नेहल और तान्या, अक्सर उनके खिलाफ नजर आते हैं। पहले भी कई बार उनका विवाद सामने आ चुका है, लेकिन इस बार जो हुआ, उससे पूरे घर में हलचल मच गई। मामला तब और बिगड़ा जब बिग बॉस ने घरवालों को एक टास्क दिया, 'टेडी डियर' टास्क। इसमें सभी कंटेस्टेंट्स को एक बड़े टेडी बियर का खास ख्याल रखना था, ताकि वह किसी भी चीज या जमीन पर न गिरे। लेकिन मालती के हाथों ये टास्क उलझ गया। उन्होंने टेडी बियर को संभालने की जगह जमीन पर गिरा दिया, जिसके कारण बिग बॉस ने पूरे घर को कड़ी सजा दी और राशन के 11 आइटम कैसिल कर दिए। यह खबर सुनते ही



गुस्साए घरवाले मालती को सुनाने लगे।

मालती ने अपनी गलती स्वीकार की और माफी भी मांगी, लेकिन माफी मांगने के बाद भी चीजें शांत नहीं हुईं। जब नेहल ने मालती की माफी पर सवाल उठाया, तो मालती भड़क गईं। विवाद तब और बढ़ गया जब मालती ने नेहल के कपड़ों पर तंज कसा और कहा, 'अगली बार कपड़े पहनकर बात करना मुझे'। ये बात घर के बाकी सदस्यों को बिल्कुल पसंद नहीं आई।

प्रेग्नेसी के दौरान की थी दे दे प्यार दे 2 की शूटिंग : इशिता दत्ता

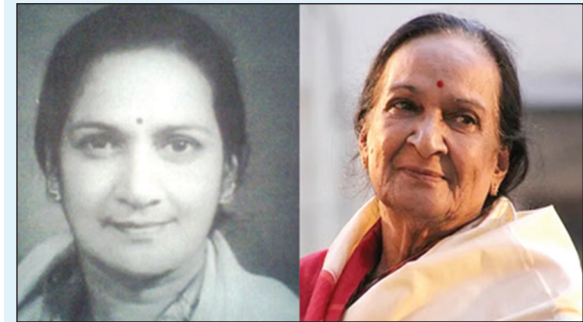


बॉ लीवुड एक्ट्रेस इशिता दत्ता बहुत जल्द फिल्म 'दे दे प्यार दे 2' में काम करती दिखाई देंगी। उन्होंने बताया कि जब वह गर्भवती थीं तभी उन्होंने इस फिल्म की शूटिंग शुरू की थी। यह उनके लिए एक चुनौतीपूर्ण दौर था, लेकिन उन्होंने इसे सफलतापूर्वक पूरा किया। इशिता ने यह भी बताया कि शूटिंग के समय उन्होंने अपनी प्रेग्नेसी की न्यूज़ को सीक्रेट रखा ताकि काम पर असर न पड़े। दो बच्चों, बेटे वायु और बेटी वेदा की मां बनने के बाद यह उनकी पहली फिल्म है जो रिलीज़ होने जा रही है। इशिता ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल के स्टोरीज सेक्शन में 'दे दे प्यार दे 2' के पोस्टर के बगल में अपनी एक तस्वीर साझा की। इसमें अभिनेत्री ने बताया कि इतने लंबे समय के बाद पढ़ें पर वापसी करना एक 'नई शुरुआत' जैसा लग रहा है।

उन्होंने पोस्ट में लिखा, इस फिल्म के लिए बेहद उत्साहित हूँ... दोनों बच्चों के बाद मेरी पहली फिल्म। इसकी शूटिंग के दौरान मैं गर्भवती थी। 4 साल बाद वापसी करना बहुत अजीब लग रहा है, मानो एक नई शुरुआत हो... आप सभी का आशीर्वाद चाहिए... क्या मैं कह सकती हूँ कि मैं पोज देना भूल गई हूँ, एक नई शुरुआत के लिए उत्साहित हूँ।

हाल ही में फिल्म 'दे दे प्यार दे 2' का ट्रेलर रिलीज़ हुआ था। इसमें आयशा नाम की लड़की की स्टोरी है जो एक ऐसे शख्स से प्यार करती है जो उम्र में उनसे काफी बड़ा है। इसमें अजय देवगन और रकुल प्रीत सिंह लीड रोल में दिखाई देंगे। फिल्म में आर. माधवन रकुल प्रीत सिंह के पिता के रोल में दिखाई देंगे। पहले तो वह इस रिश्ते से खुश रहते हैं, लेकिन बाद में धीरे-धीरे उनका असली रूप सामने आता है। इसका ट्रेलर लोगों को काफी पसंद आ रहा है।

पहली तेलुगु पार्श्व गायिका बालासरस्वती देवी का निधन



दि गज तेलुगु और तमिल अभिनेत्री एवं पार्श्व गायिका आर बालासरस्वती देवी का बुधवार को उनके आवास पर वृद्धावस्था के कारण निधन हो गया। वह 97 वर्ष की थीं। बालासरस्वती देवी तेलुगु फिल्म उद्योग की पहली पार्श्व गायिका थीं। पारिवारिक सूत्रों ने बताया कि वह पिछले दो-तीन दिनों से बीमार थीं और आज सुबह आठ बजे उनका शांतिपूर्ण निधन हो गया। उनका गायन करियर 'सती अनसूया' फिल्म से शुरू हुआ था और उन्होंने तेलुगु, तमिल तथा अन्य भाषाओं में 2,000 से अधिक गाने गाए। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने बालासरस्वती देवी के निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया। उन्होंने शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदना भी व्यक्त की। तेलंगाना के मुख्यमंत्री कार्यालय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, बालासरस्वती देवी, जो दक्षिण की पहली पार्श्व गायिका थीं और जिन्होंने तेलुगु फिल्म उद्योग में शास्त्रीय संगीत की शुरुआत की, का निधन फिल्म उद्योग के लिए एक अपूरणीय क्षति है। पवन कल्याण ने अपने शोक संदेश में कहा, आठ दशक पहले तेलुगु और तमिल फिल्मों में अभिनय करने वाली बालासरस्वती देवी ने एक गायिका के रूप में भी दर्शकों को अपनी आवाज़ सुनाई। उन्होंने शास्त्रीय संगीत में एक विशेष स्थान बनाया और आकाशवाणी पर कई गीत गाए। बालासरस्वती देवी के संगीत और अभिनय ने तेलुगु और तमिल सिनेमा में एक अमिट छाप छोड़ी है, जो सदैव स्मरणीय रहेगी।

बॉलीवुड डांसर-अभिनेत्री मधुमति नहीं रहीं

बॉ लीवुड से एक और बुरी खबर सामने आई है। बीते जमाने की पॉपुलर डांसर और एक्ट्रेस मधुमती का 87 साल की उम्र में निधन हो गया। उनकी मौत से इंडस्ट्री सदमे में डूब गई है।

मधुमति को उनके शानदार डांस की वजह से जाना जाता था और उनकी तुलना डांसर हेलन से होती थी। खबर सामने आने के बाद से बॉलीवुड सेलेब्स उनके निधन पर दुःख व्यक्त कर रहे हैं। अक्षय कुमार, चंकी पांडे और विंदू दारा सिंह ने पोस्ट शेयर कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की है।

अक्षय कुमार ने सोशल मीडिया पर एक स्टोरी पोस्ट की है, जिसमें वे डांसर और एक्ट्रेस मधुमती के साथ दिख रहे हैं। अक्षय ने कैप्शन में लिखा, 'मेरी पहली गुरु, जिनसे मैंने डांस के बारे में सब कुछ सीखा। आपके कदमों को देखकर मैंने डांस सीखा, हर अदा, हर एक्सप्रेशन में आपकी याद हमेशा रहेगी।'

वहीं विंदू दारा सिंह ने मधुमती की फोटोज शेयर कर लिखा, 'हमारी शिक्षिका और

अक्षय कुमार ने गमगीन होकर कहा- सबकुछ आपसे सीखा है



मार्गदर्शक मधुमती जी की आत्मा को शांति मिले। हममें से कई लोगों ने इस महान हस्ती से नृत्य सीखा और उनके प्यार और आशीर्वाद से भरपूर

एक सुंदर जीवन जिया। चंकी पांडे ने भी मधुमती की फोटो शेयर कर दुःख जाहिर किया है। एक्टर ने भी मधुमती से डांस सीखा था।

मराठी फिल्म से की थी शुरुआत

बता दें कि मधुमती का जन्म महाराष्ट्र के एक गांव में साल 1938 में हुआ था। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत मराठी फिल्म से बतौर डांसर की थी, जिसके बाद उन्होंने खुद को सिर्फ मराठी तक ही सीमित नहीं रखा, बल्कि अपना कला का प्रदर्शन भोजपुरी, पंजाबी, मराठी, दक्षिण भारतीय और हिंदी सिनेमा में भी किया। उनका डांस पढ़ें पर इतना हिट हुआ कि उनकी तुलना डांसर हेलन से होने लगी।

राजा हरिश्चंद्र फिल्म से शुरू किया करियर

डांसर मधुमती ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत फिल्म 'राजा हरिश्चंद्र' से की थी। उन्होंने अपने पति के साथ अर्जुन आर्से मंडली के साथ भी काफी सालों तक काम किया था, जो भारतीय सेना के लिए शो करती थी। पर्सनल लाइफ की बात करें तो मधुमती ने 19 साल की उम्र में शादी कर ली थी और साल 1977 में डांस छोड़ दिया, लेकिन पति की मौत के बाद उन्होंने मुंबई में मधुमती नृत्य अकादमी खोली और वहां डांस में खुद को समर्पित कर दिया था।

संपादकीय

लालू परिवार की मुश्किलें

विहार चुनाव तपने लगा था, उसी दौरान सीबीआई की विशेष अदालत ने पूर्व रेलतन्त्र मंत्री लालू यादव, पत्नी राबड़ी देवी, पुत्र पुष्प नेंता प्रतिष्ठित तेजस्वी यादववन्देवतल मीतजाना अदालत सुनवाई करोगे, साक्ष्य पत्र फिक्र जाणें, बहस होगी और अंतिम चरण के तदतदन 11 नवंबर से एक दिन पहले ही अदालत अपना अंतिम फैसला सुना सकती है। यथार्थतः लालू यादव और परिजनों को जेल भेजा जाएगा अथवा आरोप-मुक्त किया जाएगा। लालू पहले ही चार घातों में, स्वास्थ्य के आधार पर, जमानत पा है, जैसा साल जेल में जा चुका है। यह सल लालू यादव के रेलमंत्री का पदकाल का है, जब कद में कांसरी जेल में तन्तुत्व की यूपीए सरकार थी। लालू 2004-09 के दौरान केंद्रीय रेल मंत्री थे। लालू के उससल जेल में जमीन के बदले नौकरियां दी गईं और भूमि के ससे हस्तान्तरण के बदले गाईआरसीटीसी होटल के घोटाले सामने आए। विशेष ज जलाल गोगने ने लालू यादव के दुरूपयोग और नरसैवक द्वारा अपराधिक दुरूपयोग की अन्वयणें करी। अपराधिक साक्ष्य के अलावा, धोखाधड़ी, सार्वजनिक पद के दुरूपयोग और नरसैवक द्वारा अपराधिक दुरूपयोग की अन्वयणें करी। अपराधिक साक्ष्य के अलावा, धोखाधड़ी, सार्वजनिक पद के दुरूपयोग और नरसैवक द्वारा अपराधिक दुरूपयोग की अन्वयणें करी।

कदमल के दौरान ही 27 अक्टूबर से रोजाना भ्रमदातल सुनवाई करेगी, साक्ष्य पेश किए जाएंगे, बहस होएगी और अंतिम चरण के निर्णय 11 नवंबर से एफटीन पहले ही होला।

भ्रमदातल अपना अंतिम फैसला सुना सकती ई। अर्थात् लालू यादव और परिवर्जनों को लालू भेजा जाएगा अथवा आरोप-मुक्त कराया जाएगा। लालू पहले ही जमान घोटाले में आई सल जेल की सजा भी काट चुके हैं। ह के से सल लालू यादव के रेलमंत्री कार्यकाल में रहे है, जब कठमें मै कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए प्रचलित सरकरका री थी। लालू 2004-09 उस के दौरान केंद्रिय रेल मंत्री थे। लालू के उर दैर मैं रेलमंत्री के बदले नी करियाँ दी गई और भूमि ५८ सस्ते हस्तांतरण के बदले लालू आइ साइटोरी सी होटल के घोटेले सामने भाग। विशेष सज विशाण गोमने ने लालू यादव के अपराधिक साजिश का मुख्य प्रमाण प्रचार होने की आरोपा जाताई है।

भाषापरधिक साजिश के अलावा, रोखाघडी, सार्वजनिक पद के दुुरुपयोग करी जसेबक द्वारा आपराधिक दुराचरण की धाराओं में आरोप तय किए गए हैं।

भ्रमदातल ने 244 पन्नों के फैसले में कहा है ‘‘सियासी साजिश’’ करार दे रहत ओर लगातातल तत्कालीन रेलमंत्री लालू प्रसाद यादव ने मुजाता होटल, प्रेमचंद गुप्ता की पत्नी ला होटल, के निदेशक विजय और विनय जोजर आदि के साथ मिलकर आपराधिक साजिश रची। रांची और पुरी के बीएनआर होटलों की उप-लौज के अनुबंधों में अनुचित लाभ दिए गए। बदले में कंपनी को कंपनियों ने पटना का कामती नाम लालू के करीबी, पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रेमचंद गुप्ता की कंपनी को बेची। वह कंपनी ने लालू परिवार के नियंत्रण में आ गई। कंपनी के शेयर तेजस्वी और राबड़ी देवी के नाम कर दिए गए। जमीन हस्तगत करने भी मामूली कीमत पर ले लिया उनको नहीं गया। जिस संस्पति का बाजार-मूल्य 94 करोड़ रुपय था और सॉलिक रेटर ही 32 करोड़ रुपय से अधिक था, हरे 65 लाख रुपय में ही तेजस्वी और राबड़ी देवी के नाम कर दी गई। तब तेजस्वी नाबालिग थी, लेकिन करोड़ों रुपय की कंपनी और संपत्ति के मालिक बन गई। अदालत में वे कह रहे थे कि वे निष्पक्ष हैं। तो करोड़ों रुपय का हस्तांतरण उनके से सहो गया? वेश में किस अनुर परिवार के साथ ये सब हुआ क्यों नहीं हुआ? अदालत का गंभीर संदेह है कि तत्कालीन रेलमंत्री ने टैंडर प्रक्रिया को भी प्रभावित किया। तेजस्वी यादव इस मामले को ‘सियासी साजिश’ करार दे रहत ओर लगातातल लड़ने की हुंकार भर रहे हैं। भारत सरकार ने रेल मंत्री लालू यादव थे, घोटेला परिवार में रचा गया, तो ‘सियासी साजिश’ कीन कारणे? यूपीए सरकार में बढ़े, 2014 तक ही। दरअसल यह घोटेला चक्रव्यूह की तरह है। आसियरे लाबाधी लालू परिवार है। चुनाव के दौरान प्रष्ट्याचार और आपराधिक साजिश के आरोपों और अंततः कटघरे में जाने की नौबत राबड़ी देवी और ‘ईंडिया’ गठबंधन के लिए कराश धक्काझुंझों सहित हो सकता है। भाषणा-एनआई लालू परिवार के खिलाफ युधांधार प्रचार करेगे और इस घोटेले को ‘जंगल-रा’ तथा ‘कारी घोटेले’ की अगली कड़ी कहेंगे। आरोप किसी राजनीतिक दल के नहीं हैं, बल्कि एक विशेष

ह रजनीति करार नहीं दी जा सकती। अलबत्ता लालू परिवार इस अलाल के फैसले को बिल्कुल चक्रेव्यालुस में चुनौती जरूर दे सकता है। जमीनी के बदले नौकरी' घोटाळे के किरदारसरलाल को डेटिंग्स-मोसां भारती, हेमा थावर-बी. है। दरअसल जांच एजेंसियों को लालू परिवार के आर्थिक संसाधनों की सम्यक जांच करनी चाहिए। राबड़ी देवी और बच्चों में न अच्ची नौकरी की ओर न ही उद्योग स्थापित किए, लेकिन उनके पास फॉर्म हाउस, घर, गाड़ियां, पर्सनल फ्लाइंग जेट, जहाज, हेलीकॉप्टर, जूट, जूतियां, कपड़े, घड़ी, चूल्हा, पर्स, पर्सिपतियां जैसे से आई? कमेबोशर है इस प्रष्ट चक्रव्यूह के राजनीति मिलनी मिलनी न बचने से खेदेदणशील मामला तो तेबस्वी के लिए है। यदि अलबत्ता त उन्हें दो साल या अधिक जेल की सजा सुना दो, तो उनका रजनीतिक करियर ही खसम हो जाएगा, क्योंकि वह चुनाव लड़ने में शामिल सरकारी पद पर रहने के योय ही नहीं रहेंगे। लालू को चार घोटाड़ों में इदानी तक आठ मुआंदा हैं कि वह चुनाव लड़ने के लायक ही नहीं रहे हैं। हालांकि विपक्ष आरोपों पर जरा है कि चुनाव के पंद मीके पर लालू परिवार की छुट्टि धूमिल करने के लिए ऐसा प्रयास करा जा रहा है। किंतु सत्ता पक्ष की ओर से यह प्रचार किया जा रहा है कि इस तरह के मामलों की सुनवाई काफ़ी समय से चल रही है, इसलिए विपक्ष के आरोपों में दम नहीं है। इसका मानना है कि जानभूकर एर ऐसा नहीं किया जा रहा, बल्कि इसके लिए लालू परिवार वर्य जिम्मेवार है जिसने प्रष्टाचार को अनेक बार अंजाम दिया।

कुछ

अलग

एक रिज, कितने नाम

कदावर

अवसर को कलमबद्ध कर लिया। अनुभवों को फहरिस्त में प्रदेश का एक कालखंड यह सबों की समीक्षा कर गया कि गुजरे हैं अपने दौर में सभी, मगर जिंदा लम्हे छोड़ गए कोई-कोई। वीरभद्र सिंह के सामने वाईएस परमार की यादगार छवि थी और उस लांघ कर वह शिमला की प्रतिमा में मुकुम्भल दस्तान लिख जाए। जाहिर है हिमाचल में मुख्यमंत्रियों को हैसियत नहीं रहे हस्ता में तौला जाता है और यह विरलेषण आज भी जारी है। रिश्तों के आधार केंद्र से देखे गए, तो पहाड़ की वकालत के मजमून अंगीकार हुए।

दृष्टि

कोण

तालिबानों बाँदशों के बीच सिसकती स्त्री अस्मिता

પિંછલે

भारत यात्रा पर आए। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस की, मगर इसमें महिला प्रकाशकों की नहीं बुलाया गया। जब इस प्रेस की आलोचना हुई तो उन्होंने एक बक्चाना बहाना बनाया कि तबू पास की कमी के कारण ऐसा किया। उन्होंने खैर, बाद में एक दूसरी प्रेस कॉन्फ्रेंस भी आयोजित की। उन्होंने, जिसमें महिला प्रकाशकों को बुलाया गया। उन्होंने कहा, जिसमें महिला प्रकाशकों को बुलाया गया। उन्होंने कहा कि कामयाबी ही रहा जाएगा कि अपने इस प्रयास में सफल हुई कि भारत एक लोकतांत्रिक देश है। यहां स्त्री-पुरुष में कोई भेदभाव नहीं किया जा सकता। जब से महिलाओं दोबारा सभा में आए हैं, उन्होंने पहले की तरह ही महिलाओं पर तरह-तरह की बंदिशें लगाई हैं। यहां का महिला कल्याण मंगलियन खत्म कर दिया गया है। महिलाओं का भीतर का भीतर मूह दंड कर दिया, तो उसे डिपेंडेंटर डंड भी दिया जा सकता है। ये पढ़ सकते हैं, ये लेख सकते हैं। छठी कक्षा से आगे ये पढ़ नहीं सकते।

पुरुष अथ्यायक उन्हें पढ़ा नहीं करवाते। अग्रगणितसत्ता दुनिया का एकमात्र देश है, जहाँ स्त्रियों के पहने पने प्रतिबंध हैं। विविधविद्ययागणों में प्रवेश नहीं ले सकती। एक बार मार्च, 2022 में लड़कियों के स्कूल तालिबानों ने खोला था, लेकिन खोलने के कुछ घण्टा बाद ही बंद कर दिया गया। लड़कियों के कैम्प में भी वीडियो बना सकती हैं। उन अपने फोटो खींच कर फेसबुक तालिबानों के सत्ता में आगे से पहले अपगणितसत्ता सत्तासिं प्रतिशत स्त्रियाँ नौकरी करती हैं। लेकिन अ उनका भविष्य अंधकारमय है। यही नहीं, कई प्रांतों दुकानदारों को अदेशदिए गए हैं कि यदि कौनो उसी स्त्री किसी पुरुष रिश्तेदार के साथ आए, तो उसे खामिया दिव्या जाए। वे किसी जिम में भी आना किसी पुरुष रिश्तेदार के नहीं जा सकतीं। नौ साल की उम्र लड़कियों को, शरादी जायज है। वे कृषि, इंजीनियरिंग, प्रशिक्षण आदि नहीं पढ़ सकतीं क्योंकि नेताओं के अनुसार ये विषय महिलाओं के लिए बुरा कठिन हैं। महिलाएँ किसी टीवी प्रोग्राम में भाग नहीं

योगेश कुमार गोयल



विश्वभर में बड़ी संख्या में ऐसे लोग हैं, जिन्हें भेट घरने को दो समय का भोजन तक नसीब नहीं होता। बहुत सारे लोग तो ऐसे भी हैं, जिन्हें जिंदा रहने के लिए भी पर्याप्त भोजन नहीं मिल पा रहा। पोषित और पर्याप्त भोजन नहीं मिल पाने के कारण दुनिया की बड़ी आबादी कुपोषण की शिकार हो रही है। भोजन को एक बुनियादी और मौलिक मानवाधिकार माना गया है लेकिन पूरी दुनिया के लिए एक बड़ी विडम्बना है कि खाने की कमी और कुपोषण के ही कारण प्रतिवर्ष लाखों लोग जान गंवा देते हैं। भोजन, हवा और पानी के बाद तीसरी सबसे बुनियादी मानवीय जरूरत हर किसी को पर्याप्त भोजन का अधिकार ही है। चिंताजनक स्थिति है कि दुनियाभर के किसान वैश्विक आबादी से ज्यादा लोगों को खिलाने के लिए पर्याप्त भोजन पैदा करते हैं किन्तु फिर भी भूख बनी रहती है।

देश

दुनिया से

विकृत ऋतुचक्र में दिवाली का चहुंमुखी महत्त्व

अनुचक्र

अन्य दृष्टि दशहरा से लेकर दिवाली तक के दिवसों
आंधी, चक्रवर्तन, भ्रमूलसन, मेघ विस्फोट, अतिवृष्टि
तुषारापात की साक्षी बनी है। रामलोला आरंभ
अधिश से लेकर दिवाली तक तो श्रद्धा समशीतोष्णता
करती थी। श्रावण, भाद्रपद व आश्विन महों द्वारा
प्राकृतिक संपदएं एकत्र करने की श्रद्धा होती थी परंतु
किंतु इस वर्ष ये क्या हो गयीं। संपूर्ण हिमालयी पर्वत
को भी भाति हो गई है। पर्वत-पर्वत तुषारापात है।
लेकर मैदानी नगरों-महानगरों तक शीत लहर प
है। है। है। का मह में ही धरा अति मन प्रहोकर मु
संतुलित मानविकी को खंडित कर रही है। श्रावण-सम
श्रद्धा प्रभाव से संतुलित लहरें नाले संवेदनशील मन
मन, हृदय व आत्मा, तीनों प्रस्तर अवसादग्रस्त हैं।
मानव मशीनों सोच-विचार व वैज्ञानिक मस्तिष्क
जीवन में उपस्थित नहीं, उन पर ऐसा श्रद्धा असंतुलन का
जोड़ भी अच्छा-बुरा प्रभाव नहीं है। वे अपने
स्वस्थानि, क्षणभंगुर व समानताप्रायः जीवन को चि
समझ कर धन-संसाधन एकत्र करने की गतिवि
संस्थिति हैं। उन्हें आर्थिक मान में पूष माना
संस्थिति पर कोई अस्पर्धाय नहीं है। वे विमूर्तियों के
बनते जा रहे हैं। उन्हें व्यतीत दिवस, रात्रि, सप्ताह
वर्ष, पंचतली, जीवन व जैविक गतिविधियों
लक्ष्यका नहीं है। वे प्रतिगतिवान् हैं। वे अधिक बड़े
संरचनाहीन होकर कहा जा रहे हैं, ये न उठे जात है त
उनके आधुनिक मादरशकों को। इन दिनों दिवक
स्वागत कार्यक्रम हो रहे हैं। भारतवर्ष प्राकृतिक
आधुनिक आपदाओं को भूलकर हठोल्लास में डूबा
एसा होना नसाधाविक है। आज के मास का दीपोत्स
एसा, जो बीती किन्ती ही समस्याओं व दुःखों को
आधुनिक पद्धति से ही सही, किंतु एक उत्सवजन्य प्र
प्रदान करता ही है। आज से बीस, तीस, चालीस या
पचास पीछे लोकैक कर मास के दीपोत्सव अनु
स्मरण करें तो मन-हृदय व्याकुल हो उठते हैं। तब च
छवि होती थी। किंतु मास व्यस्त समय होता था
मन अक्षत छायाय श्रृंखला हो अनेक उपादों को

सुधांशु वाम्यु में प्रसारित रहती थी। जीवन प्राकृतिक व्यवस्था के अधीन एक अथाह आनंद, शांति व संतुष्टि का पर्याय हुआ करता था। कौतिक माह में जलवायु अनुकूल होती थी। न अधिक प्रथम और न अधिक शीत। पूर्णतः समशीतोष्ण। अधिसंख्य मानवों के तन स्वस्थ एवं मान शांत-संतुलित होते थे। दीपावली में एक माह, एक सप्ताह पूर्व का तावावरण किताब उमंगित हुआ करता। मनुष्य जीवन में सुख की परकाष्ठा होती था ऐसा वातावरण। मनुष्य जीवन की जैसी अनुकूल गति होनी चाहिए, कदाचित् जीवन वैसा ही होता। क्षितिज श्रृंखला में मंदिर धुंध से आवरण में होता। पृथ्वीकाश में तीव्रता, तैश्मत्या में कोटाभा, प्रकृतिक में प्रखर एवं चन्द्रमण्डल के रूप में धारा की पीढ़ाई, डोहाई, एकत्रैककरण प्रबंधाण की गतिविधियों लोकोत्सव में परिवर्तित रहतीं। खेत-खाहलान लोक संस्कृति के वाहक हुआ करत। गौत-संगीत में विशुद्ध मानवात् से लेकर पवित्र प्रेम तक के गहन अनुभव होते। संपूर्ण ग्रामीण जीवन की स्त्रीयंक चलचित्र की भाँति प्रदर्शित होता। प्रकृति का मान-सम्पन्न, स्वागत-सस्कार तथा ऋगुता अभिवादन-अभिन्दन होता। इन परिस्थितियों में मानवीय सद्गुणों से सँवारा हुआ। परिस्थायिक संस्कार होता। दुर्गुणों से मानव दूर होता। दीपावली में ग्रामीण हाट-मेले व्यापार व वाणिज्य के स्वदेशी संस्करण बने रहते। मिट्टी के दीपक, शुद्ध सरसों का तेल, विषैले मिश्रण से मुक्त खील-बत्तारों व मिपटन, इत्यादि बने हुए कप धरती के साथ ज्योतिक संबंध का आधार बनते। कौतिक माह, प्राकृत उत्सव, उत्सवी काक्रेम, गतिविधियों, हलचल, उमंग-तंग-रह, हर्षोल्लास के धार्मिक-आध्यात्मिक सूत्र हिंदुओं के पौराणिक ग्रंथ रामायण से संस्कृद्ध होते। दिवाली की एक-डेढ़ माह पूर्व रामलीलाओं से कंचन आरंभ होता। अक्षत खाद्यान की श्रेणी वाले समस्त उप-उत्पादों के समुचित भंडारण के उपरांत लोगों के पास आगामी भोज्य उत्पादन में व्यस्त होने से पूर्व जो रिक्त समय होता, उसमें वे रामलीलाओं का आयोजन करते। यह उत्क्रम सदियों से एक महान परंपरा में परिवर्तित होता रहा, जो आधुनिक विमंगतियों के साथ संपन्न तो आज भी रहा है, किंतु इन इसमें महानता व गंभीरता अदृश्य है। अब यह एक उत्सवीकृत औपचारिकता बन गया है। अब यह एक नीरस उत्सव अथवा हो चुका है। जो लोक संस्कृतियों, प्रकृतवत होने की जीवन-युक्तियों, मानवात्-सज्जता की संतितियों

पृथक् हो चुका है। अरु दिवाली के लिए जो व जैसी भी आधुनिक परिस्थितयाँ हों अथवा जैसी भी प्राकृतिक वित्तियाँ उपस्थित हों, दीपक के प्राकृतिक एवं पुरोषोत्तम महत्त्व के साथ मनुष्यों को जुड़ाव आवश्यक है। मानवों के अंदर धीरे-धीरे समाप्त होते मानवीयता के गुणों की रक्षा के लिए अरु दिवाली जैसे पारंपरिक पद्धतियों का ही सहारा है। भारत के होली-दिवाली जैसे पारंपरिक त्योहार ही हैं, जो मनुष्यों को पुनः मनुष्यता की प्राकृतिक भावनाओं के साथ जोड़ सकते हैं। भारत हो या कोई भी अन्य देश, वहां मानवता की पुनर्स्थापना के लिए अब परंपरागत त्योहारों की भूमिका ही अधिक होगी जिस प्रकार आधुनिकता की जीवन-चरित्र मानव को मर्म से छोखला कर रहा है, उस स्थिति में बला दुनिया के सामने पारंपरिक त्योहारों के अतिरिक्त कौनसे उपाय हैं, जो मानव-जीवन को पुनः समुचित व सुलुबित बना सकेगें। वास्तव में आधुनिक प्रगति की तीव्र यात्रा में अनिच्छस्थ मानव ये भूल ही जाते हैं कि उनके पास जीवन के अधिक वर्ष नहीं हैं। वे इस सत्य के साथ खड़े ही नहीं रहते कि छोटे-से जीवनकाल में उनके पास जीवन को पहले आधुनिकता के प्रयोग में लगाकर, और इसमें विफल होने पर, बाद में प्राकृतिक प्रयोगों में लगाने के लिए, न तो समय और न ही अवसर ही है। यदि ध्यानपूर्वक सोचें तो यही पता चलेगा कि आधुनिकता का हर चरण अंततः एक निष्फल एवं अमानवीय दुर्घटि को प्राप्त होता है। वन, ग्राम, परंपरा एवं मानवता को छोड़कर आधुनिक चाल-चलन अनपाने वाले मानवों के पास अंततः कोई विशेष उपलब्धि नहीं होती। इस सत्य को आत्मसात करते हुए जीवन को पारंपरिक लगन के साथ जीना होगा। परंपरा का अग्रणी उत्सवधर्म है दिवाली। इससे जुड़े। प्राकृतिक होकर इसमें सम्मिलित हों। धार्मिक होकर इसे समझे। आध्यात्मिक होकर इसके मर्म को जानें। इसकी जीवंत ऊर्जा से जीवन का उद्देश्य पृथक्चानने की शक्ति प्राप्त करें। दिवाली के यौगणिक कथा-आधार रामायण के शिक्षात्मत्व से परिचित होने का प्रयास करें। इस समय जीवितवस्था में जीवन में उपस्थित लोगों को जो भी प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष अथवा आधुनिक-प्राकृतिक आघात लग रहे हैं, उनका समाधान आध्यात्मिक साधना द्वारा ही प्राप्त हो सकेगा, अरु दिवाली में दिवाली का प्राकृतिक वातावरण इस साधना के लिए मनुष्य को आत्मप्रेरण अवश्य प्रदान करता है।

[illegible]

एक जरूरी जानकारी को सभी है या फिर वे केवल सुविधा के लिए विकसित चुनते हैं। दुनियाभर में प्रतिवर्ष हर 10 में से एक व्यक्ति दुनिया के भीतर के कारण बीमार हो जाता है और हर साल 4.2 लाख लोगों की मौत का कारण दुर्घित भोजन हो है, जिनमें करीब सवा लाख बच्चे भी होते हैं। संयुक्त राष्ट्र के 'खाद्य एवं कृषि संगठन' के अनुसार 2021 में दुनियाभर में 5 लाख लोगों की मौत पशु से ही हुई थी। हालांकि दुनिया में नहीं है कि पशुी पर इतना अनाज पैदा नहीं हो रहा, जिससे दुनिया के हर व्यक्ति को पोषण भोजन मिल सके बल्कि सबसे बड़ी समस्या पोषणयुक्त आहार तक सभी की पहुँच और उपलब्धता है। एफएओ का कहना है कि वर्तमान में मत्स्य पालन में हम करीब तीन हजार प्रजातियों का दोहन करते हैं जबकि इनमें से केवल 650 से कुछ अधिक प्रजातियों को ही खेती करते हैं। एफएओ के मुताबिक इन प्रजातियों पर स्थितिक तंत्रों और उनके द्वारा समर्थित प्रजातियों का संरक्षण और सुरक्षा करना केवल एक जिम्मेदारी ही नहीं है बल्कि पृथ्वी और इसके निवासियों की भलाई के लिए एक बड़ा आवश्यक कर्तव्य है। जलीय भूमि कार्य सभी सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और अपनी विविधता से जलीय खाद्य प्रणाली मानव के लिए पोषण और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए एक अद्वितीय और महत्त्वपूर्ण खाद्य स्रोत बनते हैं। निता का विषय है कि जीवनयापन के लिए अस्थिर रूप से हो रही, जलीय खाद्य प्रणालियों पर निर्भर और कंडा लोग प्रदूषण, परस्थितिक तंत्र के क्षरण, अस्थिर प्रभाव और जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से पीड़ित हैं। ऐसे में न केवल जलीय खाद्य प्रणालियों की रक्षा करने को सख्त आवश्यकता है बल्कि लोगों को अधिक भोजन तथा अन्य बुनियादी कृषि उत्पाद करने के लिए कम उपानी का उपयोग करने की आवश्यकता है। बहरहाल, वैश्विक स्तर पर एवं जलीय खाद्य प्रणालियों की रक्षा करते हुए पूरी दुनिया में मौजूद जल चुनौतियों से निपटने के लिए अब लोगों द्वारा कृषि-खाद्य प्रणालियों में जल के कुशल उपयोग को सुनिश्चित करने की बड़ी जरूरत महसूस करने की जरूरत लगी है। सुरक्षित और खाद्य सुरक्षा प्राप्त करना सुनिश्चित करने के लिए बेहतर जरूरी है कि दुनियाभर के देश परंपरिक ज्ञान की शक्ति का पूर्ण उपयोग करते हुए विज्ञान और नवाचार के माध्यम से जल संसाधनों की कमी और जल सुरक्षा दृष्टि के नए समाधानों के विकास पर गंभीर प्रयास करें। मौजूदा जल चुनौतियों से निपटने के लिए हमें कृषि-खाद्य प्रणालियों में मौजूदा जल उपयोग सुनिश्चित करने और अप्रतिष्ठ जल के पुनः उपयोग के सुरक्षित तरीके खोजने के साथ-साथ जल और खाद्य प्रणालियों की सुरक्षा भी सुनिश्चित करनी होगी। साथ ही जलवायु परिवर्तन और बढ़ती मांग के मद्देनजर सभी के लिए किफायती पारिष्टिक भोजन प्रदान करने के लिए दुनिया के सम्मम मौजूद खाद्य चुनौतियों को मिलकर समाधान करना होगा।

प का

नजरिया

युद्ध से भला शांति कैसे आएगी?

विश्व

देकर जाता है। जीवन पर का दुःख, पीड़ा का जन्म होता है। युद्ध कभी भी किसी भी देश के लिए लाभदायक सिद्ध नहीं होता है, क्योंकि उसमें मानवता को क्षति होती है। इसलिए युद्ध न केवल मृत्यु और विनाश का कारण बनते हैं, बल्कि स्थायी शारीरिक और मानसिक क्षति भी पहुंचाते हैं, जो अंत तक उन लोगों को परेशान करती रहेंगी जो उसमें प्रभावित होते हैं। पृथ्वी पर जीवन अनमोल और अद्वितीय है। ताकिक रूप से, हम अपनी स्थिति को प्रगति के ऐसे चरण में हैं कि हमें युद्धों के निहितार्थों को जानना चाहिए और उन्हें होस नहीं देना चाहिए। युद्धों में कोई वास्तविक विजेता नहीं होता है क्योंकि इसमें शामिल सभी देशों को परिणाम भुगतना पड़ता है जिसमें अक्सर दोनों पक्षों के हाताहतों की संख्या अधिक होती है। जब भी युद्ध होता है, दोनों देशों को मानवीय मूल्यों से हाता धोना पड़ता है। उन देशों की तो क्षति होती ही है, इसका असर दूसरे देशों पर भी पड़ता है, चाहे वह आर्थिक, तैरौर पर हो, राजनितिक, समासिक या नैतिक तौर पर, युद्धों से होने वाली क्षति को उन देशों भी भरपाई नहीं हो पाती। विषयमय व बर्बादी है प्रथम व द्वितीय विश्व युद्ध के देशों का, जिनकी याद जब भी आती है, नरसंहार व गवांकी है

दुस्वीर जहन में जाग जाती है। सवाल उठता

युद्ध है, एक-दूसरे देश पर निर्भरता बढ़ती जा रही है, वहीं दूसरी तरफ युद्ध का खतरा भी बढ़ता-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। थोड़े से परिवर्तनवादी एक देश दूसरे देश पर गोला बारूद बरसाने लग जाते हैं। एक मोर्चे पर युद्ध न रुकती नहीं कि उसने मैं दूसरा मोर्चा उभर कर युद्ध युद्ध के मुहाने पर आकर खड़ा हो जाता है। रूस-यूक्रेन का युद्ध सालों से चला आ रहा है। रूस उसमें केवल मानवता का नुकसान हो रहा है, इसका युद्ध और जंगल-ईरान की लड़ाई भी विश्व को डरा रहा है। रूस के द्वारा यूक्रेन के खिलाफ छेड़ा गया युद्ध और जंगल जारी है और फिलहाल इसका कोई परिणाम नहीं दिख रहा। सभी देश एक-दूसरे पर निर्भर हैं जिससे एक बात निश्चित है कि इसका प्रभाव पूरे विश्व में पड़ रहा है। युद्ध चाहे कोई भी हो, कौनसा भी देश लड़ रहा है वह सभी भी किसी भी देश की लोकतांत्रिक राजनीति और अर्थव्यवस्था के लिए ठीक नहीं होता। एक युद्ध जिन देशों के बीच में छिड़ता है, केवल उन देशों की नहीं बल्कि पूरे विश्व की शांति भंग करता है। इसका उदाहरण हमें यूक्रेन बनाम रूस तथा इजरायल-फिलिस्तीन व ईरान के युद्ध से मिल रहा है। लाखों लोग रूस-यूक्रेन युद्ध में अपनी जान गंवा चुके हैं। आखिर उनका युद्ध क्या था? आम जनता सभी युद्ध नहीं चाहती बल्कि यह तो उसे झेलना पड़ता है। वो

युद्ध सभी भी किसी भी देश के लिए लाभकारी सिद्ध नहीं होता है, क्योंकि उसमें मानवता को क्षति होती है। इसलिए युद्ध न केवल मृत्यु और विनाश का कारण बनते हैं, बल्कि स्थायी शारीरिक और मानसिक चोट भी पहुंचाते हैं, जो अंत तक उन लोगों को परेशान करती रहेगी जो उनसे प्रभावित होते हैं। पृथ्वी पर जीवन अनमोल और अद्वितीय है। तार्किक रूप से, हम अपनी सभ्यता की प्रगति के ऐसे वरण में है कि हमें युद्धों के निहितार्थों को जानना चाहिए और उन्हें होने ही नहीं देना चाहिए। युद्धों में कोई वास्तविक विजेता नहीं होता है क्योंकि इसमें शामिल सभी पक्षों को परिणाम भुगतना पड़ता है जिसमें अवसर दोनों पक्षों के हाताहतों की संख्या अधिक होती है। जब युद्ध होता है, दोनों देशों को मानवीय मूल्यों से हाथ धोना पड़ता है। उन देशों की तो क्षति होती है ही, इसका उल्टा दूसरे देशों पर भी पड़ता है, चाहे वह आर्थिक तौर पर हो, राजनीतिक, सामाजिक या नैतिक तौर पर, युद्धों से होने वाली क्षति की कभी भी भरपाई नहीं हो पाती।

असमंभूत मरिच जाती है। केवल एक व्यक्ति को वजह से जो कि स्वयं युद्ध लड़ता भी नहीं है। उसको वजह से लाखों बेकसूर लोगों को जान चली जाती है। न जाने कितने लोगों से उनका परिचय छिन जाता है, और अगर उनका इसके खिलाफ कोई कदम उठाना चाहे तो उनकी आवाज को दबा दिया जाता है तथा उन्हें देशद्रोही घोषित कर दिया जाता है। उदाहरण के लिए अफ़ग़ानिस्तान और यूक्रेन को लें तो यह देखने को मिलेगा कि यूक्रेन के खिलाफ रूस का युद्ध यूक्रेनी लोगों के लिए मानवीय, सामाजिक और आर्थिक संकट पैदा कर रहा है। सिर्फ़ यूक्रेन ही नहीं बल्कि रूस को भी बहुत हानि हो रही है लेकिन रूस युद्ध को आउट ऑफ़ द गेम्स ही जैसे अपने अपने लोगों को नुकसान नहीं दिख रहा। उसको अब हार मानने से होने वाली लज्जा अपने लोगों को जान से ज्यादा प्यारी है। इस पूर्ण पैमाने पर सैन्य आक्रमण के परिणाम वस्तुओं की वैश्विक आपूर्ति को बाधित कर रहे हैं, खाद्य और ऊर्जा की कीमतों में तेजी से वृद्धि कर रहे हैं। यूक्रेन युद्ध और उसके बाद होने की लगान के कारणों का मतलब है कि सबसे गरीब वर्ग को आवश्यक वस्तुओं तक पहुंचने की संभावना कम हो गई और भी कम है और बाल विवाह, हिंसा, शोषण तथा दुष्प्रचार का खतरा अधिक है। यूक्रेन के लोगों के लिए, बचपन की गरीबी जीवन भर रहती है। यूक्रेन के खिलाफ रूस का युद्ध शुरू होने के लगभग दो साल बाद, इनसे पश्चिम को एकजूट कर दिया है, लेकिन बाकी दुनिया को सैन्य बढ़ती हुई छाई को उगार कर दिया है जो भविष्य के वैश्विक व्यवस्था की पुनर्रूपरेखा को प्रतिभाषित कर रही है। इन युद्ध, लोकतंत्र और शक्ति के वैश्विक संतुलन के दृष्टिकोण में तीव्र भौगोलिक अंतर का खुलासा किया।



समयों। वे न किसी फिल्म में काम कर सकती हैं। बहुत से संस्थानों में उनके नौकरी करने पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है। महिलाएँ खिड़की से बाहर न झाँके, महिलाएँ उनके घर में ऐसी खिड़कियाँ न लगाएँ, उन्हें बंद करना पड़ा है। महिलाओं को चेहरा ढकना तो उन्हें

जब महिलाएँ पड़ोसी-पड़ोसी ही नहीं, तो डाक्टर के कमरे में भी मिली। महिला डाक्टर नहीं होगी, तो महिलाओं को इलाज नहीं मिलेगा। ये मर्ती हैं, ये मर्ती हैं, ये मर्ती हैं। ये मर्ती हैं। किसी पुरुष रिश्तेदार के बिना कहीं जा-आ नहीं सकतीं यही नहीं, यह आदेश भी है कि जब तक बहुत जरूरी नहीं हो, ये घर से बाहर न निकलें। उधर जोर से बोलना नहीं है। हंसना भी नहीं है। किसी पुरुष को उनकी हँसी सुनाई नहीं देती चाहिए। ये संगीत भी नहीं सुन सकतीं। गुनाही नहीं सकतीं। पिछले दिनों अफगानिस्तान में कुछ महिलाएँ मारवें के नीचे दबी हुई थीं। बचाव दल वहाँ पहुँचें भी। लेकिन महिलाओं को नहीं बचाया गया। क्योंकि पुरुष महिलाओं को नहीं छु सकते थे। आँखें खोलें, कैसी साँच है। लेकिन ऊँट करे भी तो क्या। विरोध के स्वर अपनों के ही बीच से निकलते हैं। बाहर का कोई भी किसी समझ को नहीं बदल सकता। सस और अमीक ने ऐसा करके देख लिया है। उन्हें वहाँ से भागना ही पड़ा। एक तरफ सफ़ाई अब मैं महिलाओं को बहुत-सी बातों से मुक्ति दी जा रही है।

त्यौहार में जिसने भी रंग में भंग डाला, वह सलाखों में होगा: योगी जो जिस भाषा में समझेगा, उसी भाषा में जवाब दिया जाएगा

उज्ज्वला योजना के 1.86 करोड़ लाभार्थियों को मिली दीपावली की सौगात



लखनऊ, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को लोकभवन में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत गैस सिलेंडर रफिल सब्सिडी का वितरण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि दीपावली के पहले यह प्रदेश के गरीब परिवारों के लिए एक बड़ा उपहार है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि त्यौहारों का उद्देश्य यही है कि हम अकेले नहीं, बल्कि सामूहिक रूप से इस उत्साह का हिस्सा बनें। 2021 में राज्य सरकार ने तय किया था कि वर्ष में दो बार होली और दीपावली के अवसर पर उज्ज्वला योजना के सभी लाभार्थियों को मुफ्त रसोई गैस सिलेंडर दिए जाएंगे।

इसी क्रम में आज प्रदेश के 1.86 करोड़ परिवारों को यह सौगात दी जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पिछले आठ वर्षों में प्रदेश में सभी त्यौहार, होली, दीपावली, ईद, क्रिसमस, गुरु पर्व, जन्माष्टमी या रामनवमी पूरी शांति, सौहार्द और उमंग के साथ मनाए गए हैं। अब वह

सरकार नहीं है जो दंगाइयों के सामने घुटने टेक दे।

यह सरकार जो जिस भाषा में समझेगा, उसी भाषा में जवाब देना जानती है। उत्साह और उमंग के त्यौहार में यदि किसी ने व्यवधान डाला तो जेल की सलाखें उसका इंतजार कर रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी लोककल्याणकारी सरकार का दायित्व होता है कि वह शासन की योजनाओं का लाभ ईमानदारी से उन गरीबों, वंचितों और दलितों तक पहुंचाए, जो इसके पात्र हैं। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद पहली बार गरीबों को बिना भेदभाव के योजनाओं का लाभ तब मिला शुरू हुआ जब देश के प्रधानमंत्री रंरेंद्र मोदी बने। 2014 के पहले गैस कनेक्शन लेना भी एक संघर्ष था, लेकिन मोदी जी ने 11 करोड़ गरीब परिवारों को मुफ्त गैस कनेक्शन दिलाए। अकेले उत्तर प्रदेश के 1.86 करोड़ परिवारों को इसका लाभ मिला है। उन्होंने कहा कि पहले गरीब लकड़ी, कोयले या उपलों में खाना पकाते थे जिससे परिवार



बीमार पड़ते थे। आज उज्ज्वला योजना ने नारी गरिमा को सम्मान दिया है और घर-घर में स्वास्थ्य और सुविधा का उजाला फैलाया है।

मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि 2017 के पहले प्रदेश में परिवार से ऊपर कोई सोच नहीं थी। सैफई परिवार के अलावा किसी और की चिंता नहीं होती थी। चाचा-भतीजा और महाभारत के किरदारों की राजनीति में गरीबों की योजनाएं लूट ली जाती थीं। नौकरियों में डकैती, विकास के पैसे में छीना-झपटी होती थी और त्यौहार भी दंगों की भेंट चढ़ जाते थे। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार आने के बाद अब प्रदेश को परिवार मानकर काम हो रहा है।

किसी की जाति नहीं पूछी जाती, किसी से भेदभाव नहीं होता। सबका साथ, सबका विकास, यही हमारा मंत्र है।

मुख्यमंत्री योगी ने सख्त लहजे में कहा कि सरकार की नीति स्पष्ट है। अगर किसी ने बेटी की सुरक्षा के साथ खिलवाड़

किया, तो अगले चौराहे पर यमराज टिकट काटने के लिए खड़ा होगा। यदि किसी को यमराज से टिकट कटवाना हो तो वह किसी राह चलती बेटी के साथ छेड़खानी करके देख ले। यह हमारी वचनबद्धता है कि हर बेटी, हर व्यापारी, हर राहगीर को सुरक्षा देंगे। जो भी रंग में भंग डालने की कोशिश करेगा, जेल की सलाखें उसका इंतजार कर रही हैं।

मुख्यमंत्री ने दीपावली पर स्वदेशी को बढ़ावा देने की अपील करते हुए कहा कि दीपावली पर हर परिवार कुछ न कुछ खरीदता है। जो भी खरीदे, वह स्वदेशी हो। हमारे कारीगर, हस्तशिल्पी, स्थानीय उद्यमी जो भी बनाएं, वही खरीदें। हमारे घर में जो दीपक जले, वह हमारे ही कुम्हार द्वारा बना हो। लक्ष्मी-गणेश की मूर्तियां हमारे कारीगरों की बनाई हों, विदेश से नहीं। उन्होंने कहा कि जब यह पैसा स्थानीय कारीगरों, श्रमिकों और हस्तशिल्पियों तक पहुंचेगा, तभी समृद्धि देश तक पहुंचेगी और भारत विकसित बनेगा।

ट्रंप के टैरिफ तिकड़म को करारा झटका आगरा ने जूता निर्यात में दर्ज की 9% बढ़ोतरी छह महीने में हुआ 1,872 करोड़ का जूता निर्यात

आगरा, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)।

टैरिफ के अमेरिकी तिकड़म के बीच आगरा से जूता निर्यात में नौ फीसदी का उछाल आया है। अमेरिकी टैरिफ की चुनौतियों के बीच आगरा से पहली छमाही में यह बढ़ोतरी दर्ज की गई है। बीते महीनों में आगरा ने जूता निर्यात में बेहतर प्रदर्शन किया है। अप्रैल से अब तक की पहली छमाही में आगरा के फुटवियर निर्यातकों ने 9.43 फीसदी निर्यात बीते साल से ज्यादा किया है। लेदर फुटवियर की मांग में 9.01 फीसदी का उछाल आया है, वहीं आगरा से फुटवियर कंपोनेंट और लेदर गुड्स का निर्यात अप्रत्याशित रूप से बढ़ा है, जिससे बीते साल के 1,711 करोड़ के मुकाबले आगरा से 1,872 करोड़ रुपए का निर्यात किया जा सका है।

कार्टिसिल फॉर लेदर एक्सप-ट्रेट्स के आंकड़ों के मुताबिक अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के टैरिफ लागू करने के बाद अगस्त के महीने में बेहद मामूली कमी निर्यात में नजर आई। बीते साल अगस्त में 380 करोड़ रुपए का जूता निर्यात किया था, लेकिन इस बार अगस्त में यह 399.96 करोड़ रुपए रहा। इसमें 0.05 फीसदी की कमी दर्ज की गई। दरअसल, निर्यातकों ने सितंबर और अक्टूबर में जाने वाले जूतों के ऑर्डर की डिलीवरी अगस्त में टैरिफ लागू होने से पहले ही



कर दी थी। इस वजह से अगस्त के निर्यात पर टैरिफ का असर नजर नहीं आ रहा है।

आगरा के जूता निर्यात में सबसे बड़ी हिस्सेदारी यूरोप के देशों की है। अमेरिका में करीब 24 फीसदी निर्यात होता है। इससे करीब एक हजार करोड़ रुपए का जूता निर्यात टैरिफ के कारण प्रभावित होगा। आगरा के पारंपरिक लेदर फुटवियर की दुनिया में मांग बरकरार है। लेदर फुटवियर का निर्यात 9.01 प्रतिशत बढ़कर 1,857 करोड़ पर पहुंचा है, जो बीते साल पहली छमाही में 1,703 करोड़ रुपए था। फुटवियर कंपोनेंट में 4.59 करोड़ रुपए की जगह 10.28 करोड़ रुपए का निर्यात हो गया।

एफएम के अध्यक्ष गोपाल गुप्ता ने बताया कि अमेरिकी टैरिफ अगस्त में लागू हुआ, लेकिन उससे पहले ही ऑर्डर की डिलीवरी हो गई। आने वाले

महीनों में टैरिफ का असर नजर आ सकता है, लेकिन हम यूरोपीय यूनियन से हो रहे फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर नजर बनाए हैं। एफएम के महासचिव प्रदीप वासन का कहना है कि पहले छह माह में निर्यात पर असर नजर नहीं आया है, लेकिन आने वाले छह माह चुनौतियों से भरे होंगे। अगर अमेरिकी टैरिफ न हटा तो आने वाली तिमाही में ज्यादा गिरावट नजर आएगी।

इंटरनेशनल लेदर फुटवियर शो मीट एट आगरा के 17वें संस्करण का आयोजन 7 से 9 नवंबर के बीच आगरा ट्रेड सेंटर पर किया जाएगा। इसमें अमेरिकी टैरिफ से निपटने और नए बाजारों की तलाश की जाएगी। दुनियाभर की कंपनियां अपने अत्याधुनिक मशीनरी और कच्चे माल एवं कंपोनेंट को लेकर आएंगी। तीन सौ से ज्यादा कंपनियां इस फेयर में हिस्सा लेने वाली हैं।

बोगस फर्में बनाकर मीट कंपनी कर रही थी पशुओं की खरीद

आयकर विभाग के छापों में हुआ खुलासा

लखनऊ, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)।

संभल में मीट का कारोबार करने वाली इंडिया फ्रोजन फूड कंपनी के ठिकानों पर आयकर छापे में बोगस फर्में खोलकर पशुओं की खरीद-फरोख्त दर्शाने के पुख्ता सुराग मिले हैं। ये बेनामी फर्में जिन लोगों के नाम पर खोली गई थीं, जांच में उनका कोई पता-ठिकाना नहीं मिल रहा है। वहीं दूसरी ओर कंपनी द्वारा इन फर्मों के तमाम बैंक खातों को खोलकर जमा किए गए करोड़ों रुपए नकद निकाले गए। इन खुलासों के बाद आयकर विभाग ने कंपनी संचालकों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है।

आयकर विभाग के अधिकारी यह पता लगाने की कवायद में जुटे हैं कि बैंकों से निकाले गए करोड़ों रुपए कहाँ खपाए जा रहे थे। इन फर्मों के जरिए कितने करोड़ रुपए का कारोबार दर्शाया गया है। अधिकारियों के मुताबिक इंडिया फ्रोजन कई देशों में मीट की आपूर्ति करता है।



जांच के दौरान इन सभी देशों में होने वाली आपूर्ति के दस्तावेजों को भी खंगाला जा रहा है। वहीं दूसरी ओर बरेली में मारिया फ्रोजन और रहबर फूड्स के ठिकानों पर आयकर विभाग का सर्वे जारी है। दरअसल, रहबर फूड्स और इंडिया फ्रोजन के बीच मीट के कारोबार को लेकर हुए एक अनुबंध की जांच की जा रही है।

अधिकारियों के मुताबिक बरेली की दोनों कंपनियों के ठिकानों पर तीन वर्ष पूर्व छापे मारे गए थे, जिसकी वजह से इस बार उनका सर्वे करने का कैसला लिया गया है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि तीनों कंपनियों के बीच आपस में कितना कारोबार किया जा रहा था और बोगस फर्मों में कहीं

बरेली की कंपनियों के संचालकों की भूमिका तो नहीं है।

संभल समेत आधा दर्जन से अधिक जिलों में इंडिया फ्रोजन कंपनी के ठिकानों पर छापों में तमाम संदिग्ध दस्तावेज बरामद हुए हैं। साथ ही कई शहरों में बंशकीमती सम्पत्तियों को खरीदने की जानकारी भी हाथ लगी है। आयकर विभाग की टीमों ने इन दस्तावेजों के साथ कंप्यूटर की हार्ड डिस्क, लैपटॉप, मोबाइल, पेन ड्राइव आदि कब्जे में लिया है। कंपनी के संचालकों से लगातार पूछताछ की जा रही है, जिसके बाद उनके बयान दर्ज किए जाएंगे। आयकर छापे की कार्रवाई बुधवार को भी जारी रहेगी।

यूरिया और डिटर्जेंट मिलाकर बन रहा है नकली पनीर

लखनऊ, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)।

त्यौहार के मौसम में पूरे प्रदेश में यूरिया से बना हुआ नकली पनीर बिक रहा है। प्रदेश में धड़ड़े से यूरिया, डिटर्जेंट मिलाकर नकली पनीर बनाई जा रही है। इसे चमकदार बनाने के लिए टिनोपाल और आला का प्रयोग किया जा रहा है, जो पनीर की विषाक्तता बढ़ा रहा है। इस पनीर को बनाने का तरीका राजस्थान से आए कारीगर सीखा रहे हैं। एफएसडीए ने इन कारीगरों की धर पकड़ के लिए पुलिस से मदद मांगी है। डॉक्टरों का कहना है कि यह पनीर लोगों को कई तरह की बीमारियों दे रहा है।



खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग (एफएसडीए) की ओर से पनीर, खोवा एवं उससे बनी मिठाइयों की जांच कराई जा रही है।



जांच अभियान आठ अक्टूबर से शुरू हुआ है, जो 17 अक्टूबर तक चलेगा। इस बीच करीब डेढ़ करोड़ की पनीर, खोवा व अन्य सामग्री नष्ट कराई गई है। नोएडा, हापुड, मेरठ, आगरा, कानपुर, उन्नाव, लखनऊ, बरेली, गोरखपुर सहित विभिन्न जिलों में पकड़ी गई नकली पनीर के मामले में चौकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। एफएसडीए के अधिकारियों ने बताया कि नकली पनीर में दूध के बजाय पाम ऑयल, डिटर्जेंट, यूरिया, और सिंथेटिक केमिकल मिलाए जाते हैं।

इससे पनीर का रंग हल्का धुंधला हो जाता है। इसे चमकदार बनाने के लिए इस बार उसमें टिनोपाल और आला की भी मिलावट मिली है। टिनोपाल कपड़ों और डिटर्जेंट के लिए औद्योगिक ग्रेड आर्टिकल ब्राइटनिंग एजेंट है। यह रासायनिक योगिक है, जो कपड़ों की सफेदी निखारता और कपड़े चमकदार दिखाई देने लगते हैं। इसी तरह आला भी रासायनिक है, जो सिंथेटिक कपड़ों की सफाई, धुलाई और ब्लीचिंग के लिए किया जाता है। यह सेहत के लिए बेहद हानिकारक है।

संयुक्त आयुक्त (खाद्य) हरिशंकर सिंह ने बताया कि नकली पनीर बनाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा रही है। बाहर से आने वाले कारीगरों को पकड़ना मुश्किल हो रहा है। नकली पनीर, खोवा व अन्य सामग्री को तत्काल नष्ट कराया जा रहा है। पुलिस की भी मदद ली जा रही है।

विधान परिषद चुनाव में सपा ने तीन यादवों को दिए टिकट

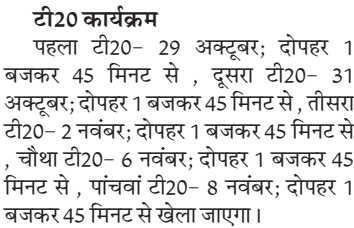
लखनऊ, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)।

यूपी में होने वाले विधान परिषद के चुनावों में सपा ने एकतरफा जातीय समीकरण साधने की कोशिश की है। सपा ने तीन यादवों को टिकट दिया है। जबकि सपा ने अन्य जातियों के बमुश्किल एक-एक प्रत्याशी उतारे हैं। प्रदेश में शीघ्र ही पांच स्नातक और छह शिक्षक

निर्वाचन क्षेत्र के लिए चुनाव होने हैं। सपा ने विधान परिषद की आगरा-अलीगढ़ शिक्षक सीट पर डॉ. प्रकाश चंद्र गुप्ता और मेरठ-गाजियाबाद शिक्षक सीट पर नितिन कुमार तोमर को उतारने की घोषणा की। इससे पहले सपा छह और सीटों पर उम्मीदवार उतार चुकी है। इनमें वाराणसी-मिर्जापुर शिक्षक सीट पर लाल बिहारी यादव,

इलाहाबाद-झांसी स्नातक सीट पर डॉ. मान सिंह यादव और गोरखपुर-फैजाबाद शिक्षक सीट पर कमलेश यादव को सपा ने मैदान में उतारा है। वाराणसी-मिर्जापुर स्नातक सीट पर आशुतोष सिन्हा को मैदान में उतारा गया है। लखनऊ स्नातक सीट पर पूर्व एमएलसी एवं सपा सांसद एसपी सिंह की पत्नी कांति सिंह और मेरठ-सहारनपुर

स्नातक सीट पर प्रमोद भाटी को उतारने की घोषणा की। इस तरह अब तक घोषित सपा के आठ प्रत्याशियों में ओबीसी में यादव जाति के तीन प्रत्याशी, सामान्य वर्ग में बनिया, ठाकुर और कायस्थ के एक-एक प्रत्याशी, गुर्जर और कुर्मी जाति के एक-एक प्रत्याशी हैं। अब सभी की नजर शेष तीन सीटों पर सपा के प्रत्याशियों पर है।



सीजन अवॉर्ड्स:-
मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर: डेविड वॉजे (149 रन, 9 विकेट) - ब्रेम्पटन ब्लिट्ज़
टॉप स्कोरर: लियुस डी प्लॉई (238 रन, 6 पारिया) - मिसिसॉंगा मास्टर्स
टॉप विकेट टेकर: डिलन हेलीगर (13 विकेट, 7 मैच) - ब्रेम्पटन ब्लिट्ज़।

दिया। भारत की ओर से 47वें मिनट में सौरभ
आनंद ने एक मैदानी गोल कर मुकाबला 2-2 से
बराबरी पर ला दिया। इसके बाद 53 वें मिनट में
मनमीत सिंह ने एक गोल कर भारतीय टीम को
3-2 से आगे कर दिया। वहीं इसके द दो मिनट
बाद ही 55वें मिनट में पाकिस्तान के सुफ़यान
खान ने एक और पेनल्टी कॉर्नर पर गोल कर
मुकाबले को 3-3 से बराबरी पर ला दिया।



सुप्रीम कोर्ट की मंजूरी के बाद सहारा समूह 88 संपत्तियां अडाणी प्रॉपर्टीज को बेचेगा

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (एनएसिंया)।

सहारा समूह की कंपनी सहारा इंडिया कमर्शियल कॉर्पोरेशन अपनी 88 संपत्तियां अडाणी प्रॉपर्टीज को बेचने की तैयारी में हैं। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई में कंपनी की ओर से वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि सहारा और अडाणी समूह के बीच इस सौदे पर टर्म शीट पर हस्ताक्षर हो चुके हैं। यह दस्तावेज कोर्ट को सीलबंद लिफाफे में सौंपा है। सिब्बल ने कहा कि डील सुप्रीम कोर्ट की मंजूरी मिलने

के बाद ही आगे बढ़ेगी और इससे मिलने वाली रकम सहारा के बकायों से कहीं ज्यादा होगी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह सौदा करीब एक लाख करोड़ का हो सकता है। यह रकम सहारा समूह पर निवेशकों के बकाए से कई गुना ज्यादा बताई जा रही है। सुप्रीम कोर्ट ने 2012 में आदेश दिया था कि सहारा अपनी दो कंपनियों— सहारा हाउसिंग और सहारा रियल एस्टेट के जरिए जुटाई गई रकम को सेबी-सहारा खाते में जमा

करे। यह राशि करीब 25,000 करोड़ रुपए थी, लेकिन अब तक समूह को करीब 9,481 करोड़ रुपए और जमा करने हैं। इस सौदे से सहारा को बकाया चुकाने और निवेशकों का पैसा लौटाने में बड़ी राहत मिल सकती है।

अडाणी समूह की ओर से वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी ने कोर्ट को बताया कि समूह इन सभी 88 संपत्तियों को एकमुश्त खरीदने की योजना बना रहा है। उन्होंने कहा कि सौदे की सटीक रकम की जानकारी उन्हें

नहीं है, लेकिन डील सुप्रीम कोर्ट की अनुमति के बाद ही आगे बढ़ेगी। सरकार की ओर से सॉलिडिटी जनरल तुषार मेहता ने कहा कि सेबी-सहारा खाते से निवेशकों के पैसे की वापसी की प्रक्रिया पहले से चल रही है, इसलिए यह डील सरकार की जांच के बाद ही आगे बढ़नी चाहिए। कोर्ट ने वित्त मंत्रालय, सहकारिता मंत्रालय, सी और कोर्ट मित्र शेखर नफाडे से तीन हफ्तों में रिपोर्ट मांगी है। इस मामले की अगली सुनवाई 17 नवंबर को होगी।

न्यूज़ ब्रीफ

सितंबर में यात्री वाहनों की बिक्री चार फीसदी बढ़कर 3,72,458 इकाई रही: सियाम



नई दिल्ली। अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर अच्छी खबर है। देश में यात्री वाहनों की थोक बिक्री सितंबर महीने में सालाना आधार पर चार फीसदी बढ़कर 3,72,458 इकाई रही है। उद्योग संगठन सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैनुफैक्चरर्स (सियाम) ने बुधवार को जारी आंकड़ों में बताया कि सितंबर में निर्माताओं से डीलरों तक यात्री वाहनों की शिपमेंट में सालाना आधार पर चार फीसदी की वृद्धि देखी गई। उद्योग निकाय ने कहा कि सितंबर में कुल 3,72,458 इकाइयां भेजी गईं, जबकि 2024 में इसी अवधि के दौरान यह संख्या 3,56,752 थी। आंकड़ों के मुताबिक सितंबर महीने में दोपहिया वाहनों की बिक्री 7 फीसदी वृद्धि के साथ 21,60,889 इकाई रही, जबकि सितंबर, 2024 में यह 20,25,993 इकाई रही थी। ये वृद्धि ऑटोमोटिव क्षेत्र के लिए एक सकारात्मक संकेतक है, जो बढ़ती उपभोक्ता मांग और बाजार की मजबूती को दर्शाता है। सियाम ने कहा कि यात्री वाहनों और दोपहिया वाहनों की बिक्री में बढ़ोतरी ऑटोमोटिव उद्योग के मजबूत प्रदर्शन को दर्शाती है, क्योंकि निर्माता चुनौतियों का सामना करने और बाजार में मौजूद अवसरों का लाभ उठाने में लगे हुए हैं। ये आंकड़े उद्योग के भविष्य के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण दर्शाते हैं।

ऑप्शनल पयूल वाले कई मॉडल लॉन्च करेंगी सुजुकी मोटर्स



नई दिल्ली। आगामी 29 अक्टूबर से शुरू होने वाले 2025 जापान मोबिलिटी शो में सुजुकी अपने कई नैक्स्ट जनरेशन प्रोडक्ट लॉन्च करेंगी, जिनमें पलेक्स-पयूल वाली फ्रॉक्स एसयूवी भी शामिल है। इसे कंपनी ने फ्रॉक्स ई-85 एफएफवी नाम दिया है, जो 85 प्रतिशत इथेनॉल वाले पेट्रोल को सपोर्ट करेगी। इसका मतलब यह है कि यह पेट्रोल की तुलना में ईंधन की लागत कम करेगी, क्योंकि इसमें केवल 15 प्रतिशत पेट्रोल का इस्तेमाल होगा। फ्रॉक्स पलेक्स-पयूल मॉडल में 1.2-लीटर पेट्रोल इंजन का रिवरइज्ड वर्जन इस्तेमाल किया जा सकता है, जैसा कि वेगनआर पलेक्स-पयूल कॉन्सेप्ट में देखा गया। हालांकि इंजन के पूर्ण स्पेसिफिकेशन अभी सामने नहीं आए हैं, लेकिन पुष्टि हो चुकी है कि यह ई-85 मानकों के अनुरूप होगा। ई-85 पयूल उच्च ऑक्टैन रेटिंग (100-110) के साथ टर्बोचार्ज्ड इंजन में बेहतर प्रदर्शन और कम इंजन घिसाव सुनिश्चित करता है। ई-85-समर्थित कारों में ईंधन टैंक, पाईपिंग, इंजेक्टर और सील जैसी महत्वपूर्ण हिस्सों को इथेनॉल-प्रतिरोधी सामग्री से बनाया जाता है और विशेष ईंधन सेंसर की मदद से वास्तविक समय में ईंधन मिश्रण का पता लगाया जाता है।

वोल्वो और आयशर मोटर्स मिलकर करेंगे नई फेक्टरी स्थापित



नई दिल्ली। भारत में वोल्वो ग्रुप और आयशर मोटर्स के जॉइंट वेंचर वीई कमर्शियल व्हीकल्स (वीईसीवी) नई फेक्टरी स्थापित करेंगे। कंपनी के बयान के अनुसार, इस ग्रीनफील्ड फेक्टरी में वोल्वो की एवॉस 12-स्प्रीड ऑटोमेटेड मेनुअल ट्रांसमिशन (एमएमटी) प्रणाली का उत्पादन और फाइनल असेंबली की जाएगी। इस परियोजना में कुल 544 करोड़ रुपये (576 मिलियन स्वीडिश क्रोना) का निवेश किया जाएगा। यह फेक्टरी मध्य प्रदेश के उज्जैन के निकट विक्रम उद्योगपुरी इटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट में बनाई जाएगी। वीईसीवी की चेयरमैन और वोल्वो ग्रुप की सीनियर लीडर सोफिया फ्रैंडबर्ग ने कहा कि यह निवेश दोनों कंपनियों के बीच बढ़ते विश्वास और साझेदारी का प्रतीक है। उन्होंने यह भी बताया कि पिछले 18 वर्षों में विकसित तकनीकी और औद्योगिक क्षमताओं का लाभ इस नई पहल में मिलेगा। आयशर मोटर्स के अध्यक्ष सिद्धार्थ लाल ने कहा कि 2008 में स्थापित इस जॉइंट वेंचर ने लगातार एवॉस प्रोजेक्ट्स डिलीवर किए हैं।

पंजाब को ऑटो कंपोनेंट मैनुफैक्चरिंग हब बनाने तैयारी.... बीएमडब्ल्यू पार्ट्स मैनुफैक्चरिंग प्लांट होगा शुरू

लुधियाना, 15 अक्टूबर (एनएसिंया)।

पंजाब के ऑटो कंपोनेंट मैनुफैक्चरिंग हब बनने की तैयारी शुरू हो चुकी है। उत्तर भारत को प्रमुख कोराबारी केंद्र बनाकर उभर रहा पंजाब अब तेजी से भारत का नया ऑटो कंपोनेंट मैनुफैक्चरिंग हब बन रहा है, जिसका कारण मजबूत सरकारी नीतियां, आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर और इन्वैशमेंशन पर फोकस है। इन्की कड़ों में पंजाब के मंडी गोबिंदगढ़ में बीएमडब्ल्यू पार्ट्स मैनुफैक्चरिंग प्लांट अगले महीने से शुरू होगा। इस प्लांट में करीब 150 करोड़ का निवेश हुआ है और यह हर साल 2.5 मिलियन यूनिट पार्ट्स बनाएगा।

मुख्यमंत्री भगवंत मान के ओएसडी अमनजोत सिंह के अनुसार, निवेशकों के लिए रियल सिंगल विंडो सिस्टम लागू किया गया है, जिससे अप्रुवल और परमिट समय पर मिल रहे हैं। औद्योगिक शांति, रिस्क डेवलपमेंट, एक्सपोर्ट ग्रोथ और नई इंडस्ट्रियल पॉलिसी के तहत बनी सेक्टर-स्पेसिफिक कमेटीयों उद्योगों को आकर्षित कर रही हैं। उन्होंने बताया कि पंजाब वर्तमान में भारत की कुल ऑटो कंपोनेंट इंडस्ट्री का 7 प्रतिशत उत्पादन करता है। 2025 तक ऑटो सेक्टर में 15,000 से 20,000 करोड़ के नए निवेश की संभावना है। राज्य की कंपनियां अब इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) पार्ट्स, स्मार्ट ट्रांसमिशन सिस्टम और ग्रीन टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में भी काम कर रही हैं। फिकल डेवलपमेंट कार्यक्रमों से इंजीनियरिंग, मैनुफैक्चरिंग और मैनेजमेंट क्षेत्रों में हजारों युवाओं को रोजगार मिल रहा है। बीएमडब्ल्यू जैसे वैश्विक निवेश से यह सिद्ध होता है कि पंजाब अब केवल कृषि प्रधान राज्य नहीं, बल्कि भारत का उभरता इंडस्ट्रियल पावरहाउस बन चुका है।

युवाओं के लिए खुल रहे रोजगार के नए अवसर

पंजाब में औद्योगिक क्रांति के साथ-साथ स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अगहनित अवसर उत्पन्न हो रहे हैं। ऑटो कंपोनेंट इंडस्ट्री में इंजीनियरिंग, मैनुफैक्चरिंग, क्वालिटी कंट्रोल, लॉजिस्टिक्स और मैनेजमेंट जैसे क्षेत्रों में नौकरियां मिल रही हैं। राज्य सरकार युवाओं को इंडस्ट्री की जरूरतों के अनुसार प्रशिक्षण देने के लिए विशेष स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम चला रही है, जिससे वे आसानी से उच्च गुणवत्ता वाली नौकरियां प्राप्त कर सकें।



बीएमडब्ल्यू ने की 11,978 यूनिट्स की बिक्री

नई दिल्ली। लगजरी एसयूवी निर्माण क्षेत्र की कंपनी बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने जनवरी से सितंबर के बीच कंपनी ने कुल 11,978 यूनिट्स की बिक्री की, जो पिछले साल की तुलना में 13 प्रतिशत ज्यादा है। बिक्री के इस आंकड़े के साथ कंपनी ने साल 2025 में लगजरी कार बाजार में नया रिकॉर्ड बनाया है। इस ग्रोथ का मुख्य कारण इलेक्ट्रिक वाहनों, लॉग व्हीलबेस सेडान और एसयूवी की बढ़ती मांग रही है। साथ ही जीएसटी सुधारों और त्योहारी ऑफर्स ने भी ग्राहकों को आकर्षित किया है। तीसरी तिमाही बीएमडब्ल्यू के लिए सबसे सफल साबित हुई, जब कंपनी ने 4,204 यूनिट्स की बिक्री की, जो सालाना आधार पर 21 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्शाती है। इलेक्ट्रिक वाहन सेगमेंट में बीएमडब्ल्यू और एमआईएनआई ने इस साल के पहले नौ महीनों में 2,509 ईवी बेचे, जो पिछले वर्ष की तुलना में 246 प्रतिशत ज्यादा है। आईएक्स। इस श्रेणी का सबसे लोकप्रिय मॉडल रहा। अब बीएमडब्ल्यू की कुल बिक्री में इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी 21 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है। कंपनी ग्राहकों को बीएमडब्ल्यू डेस्टीनेशन चार्जिंग, स्मार्ट ई-राउटिंग और मुफ्त वॉल बॉक्स इस्टॉलेशन जैसी सुविधाएं दे रही है, जिससे उसका चार्जिंग नेटवर्क और मजबूत हो गया है। लॉग व्हीलबेस मॉडल्स की मांग में भी तेजी आई है। इस सेगमेंट की बिक्री 169 प्रतिशत बढ़कर 5,720 यूनिट्स तक पहुंची है, जिसमें 3 सीरीज, 5 सीरीज, 7 सीरीज और आईएक्स। के वेरिएंट शामिल हैं। इनमें 3 सीरीज सबसे ज्यादा पसंद की जा रही है, जबकि 7 सीरीज देश की प्रमुख प्लेगशिफ लगजरी सेडान बनी हुई है। एसयूवी सेगमेंट में बीएमडब्ल्यू ने 7,040 यूनिट्स की बिक्री कर 19 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। एक्स। मॉडल सबसे ज्यादा बिकने वाला एसयूवी रहा, जिसने कुल बिक्री का 30 प्रतिशत से अधिक योगदान दिया। एमआईएनआई ब्रांड ने 468 यूनिट्स और बीएमडब्ल्यू मोटोराड ने 3,976 बाइक यूनिट्स बेची है।



प्रथम पृष्ठ का शेष...

समान स्वास्थ्य...

ने अतिरिक्त सॉलिडिटी जनरल ऐश्वर्या भाटी, एमिकस क्यूरी करण भरिहोके और एम के प्रोफेसर डॉ. नितेश नाइक की तीन सदस्यीय समिति गठित की। न्यायालय ने राज्यों को 30 सितंबर तक अपनी रिपोर्ट पूरी करके 5 अक्टूबर तक समिति को भेजने का निर्देश दिया। 18 सितंबर को कुछ राज्यों ने और समय मांगा। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने समय सीमा थोड़ी बढ़ा दी, लेकिन चेतावनी दी कि अगर समय-सीमा का पालन नहीं किया गया तो इसके परिणाम भुगतने होंगे। फिर भी 13 अक्टूबर तक न्यायालय ने पाया कि दो दर्जन से अधिक राज्य और केंद्र शासित प्रदेश अपनी रिपोर्ट जमा करने में विफल रहे। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि कोर्ट के धैर्य की परीक्षा हो चुकी है। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कहा, हम विभिन्न राज्यों द्वारा दिखाई गई लापरवाही से हैरान होने के बजाय दुखी हैं, क्योंकि इस अभ्यास के संबंध में न्यायालय द्वारा अत्यधिक उदारता दिखाए जाने के बावजूद संबंधित अधिकारियों ने इस न्यायालय के आदेशों को बहुत हल्के में लिया है। कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए कोर्ट ने यह भी चेतावनी दी कि आगे से अनुकूलन न करने या लापरवाही से रिपोर्ट प्रस्तुत करने पर संबंधित अधिकारियों और राज्यों, उनों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, कोर्ट ने तीन-सदस्यीय समिति से अनुरोध किया कि वह पहले से उपलब्ध सामग्री पर विचार-विमर्श शुरू करे और एक मसौदा रिपोर्ट तैयार करे। मामले की अगली सुनवाई 20 नवंबर को होगी। इस दौरान देशभर के शीर्ष स्वास्थ्य अधिकारियों के कोर्ट में उपस्थित होने की उम्मीद है।

मतदाता संशोधन...

और वे चुनाव की अधिसूचना जारी होने के दिन ही अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में पहुंच चुके हैं। इस दौरान वे व्यय निगरानी में लग्य सभी टीमों से मिलेंगे। मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए धन-बल या अन्य प्रलोभन के किसी भी संदिग्ध मामले पर नजर रखने के लिए उड़न दस्ते, निगरानी दल, वीडियो निगरानी दल चौबीसों घंटे सतर्क रहेंगे।

आयोग ने चुनाव अवधि के दौरान वास्तविक समय के आधार पर एफएस, एसएसटी और प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा किए गए अवरोधन/जब्त की रिपोर्टिंग के लिए चुनाव जब्त प्रबंधन प्रणाली (ईएसएसएमए) नामक ऑनलाइन प्रणाली को भी सक्रिय किया है। आयोग ने इस बात पर भी बल दिया कि प्रवर्तन प्राधिकारियों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि इन निर्देशों के प्रवर्तन के लिए जांच और निरीक्षण के दौरान आम नागरिकों को असुविधा या परेशानी न हो। चुनाव आयोग ने यह भी कहा है कि कोई भी आम नागरिक सी-विजिल ऐप के माध्यम से ऐसे किसी भी उल्लंघन के संबंध में शिकायत कर सकता है।

दान के धन से...

ताकि भत्तों का विश्वास बना रहे। हाईकोर्ट ने सख्त चेतावनी दी है कि मंदिर के धन का गलत इस्तेमाल करना एक आसपासिक अंधविश्वास और धार्मिक स्वतंत्रता का अपमान है। अगर किसी ट्रस्ट ने धन का दुरुपयोग किया है, तो पूरी राशि उसी से वसूल की जाएगी।

मंदिर के दान का पैसा अब तक सड़कों और पुलों के निर्माण, सरकारी कल्याणकारी योजनाओं और सार्वजनिक भवनों को बनाने जैसे गैर-धार्मिक कार्यों में इस्तेमाल हो रहा था। इसके अलावा, व्यक्तिगत लाभ, निजी उद्योगों में निवेश और मंदिर आने वाले वीआईपी को महंगे उपहार (काजू, बादाम, मोमंटो) खरीदने में भी धन खर्च किया जा रहा था। हाईकोर्ट ने इन सभी कामों पर तुरंत रोक लगा दी है।

मुस्लिमों का...

सबूत बताते हैं कि इसमें केवल एक व्यक्ति शामिल था, कई नहीं थे। उन्होंने बताया कि बाकी पांच गिरफ्तार लोगों की भूमिका की जांच अब भी जारी है लेकिन फिलहाल के मेडिकल और फॉरेंसिक रिपोर्ट्स बताती हैं कि गैंगरेप नहीं हुआ था। पुलिस कमिश्नर

ने यह भी कहा कि घटना वाली रात पीड़िता और उसके दोस्त द्वारा पहने गए कपड़े जब्त कर लिए गए हैं और सभी आरोपियों का डीएनए टेस्ट किया जाएगा। कमिश्नर चौधरी ने कहा, हमने पीड़िता और उसके दोस्त के अलावा उस रात मौजूद सभी पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। हमने उनके कपड़े जब्त कर लिए हैं और मौके का निरीक्षण पीड़िता के दोस्त के साथ किया गया है। अब तक मिले सबूतों और बयानों के आधार पर यह साफ है कि केवल एक व्यक्ति ने रेप किया था, बाकी की भूमिका जांच में है। फिर उन्होंने यह भी कहा कि जांच जारी है और फॉरेंसिक रिपोर्ट आने के बाद ही पूरी सच्चाई सामने आएगी। पीड़िता के दोस्त से भी पूछताछ की जा रही है और उसकी भूमिका भी जल्द सामने आ जाएगी। पीड़िता के पिता ने 11 अक्टूबर को मामले की शिकायत दर्ज कराई थी और उन्होंने अपने बयान में बेटी के सहपाठी को भी संदिग्ध बताया था। उन्होंने कहा था, मुझे यकीन है कि मेरी बेटी के दोस्त का इसमें कोई न कोई हाथ है। वही उसे बाहर ले गया था। यह सब पहले से प्लान किया गया हो सकता है। परिवार का कहना है कि लड़की बाहर नहीं जाना चाहती थी लेकिन आसिफ ने उसे डिनर पर चलने के लिए राजी किया था। सामूहिक बलात्कार के इस मामले में मुस्लिमों की लिफाफा सामने आते ही ममता सरकार तुरंत संरक्षण की भूमिका में आ गई। पुलिस की जांच पूरी हुए बिना ही तुलामूल कांग्रेस (टीएमसी) ने पीड़िता पर ही झूठ बोलने का आरोप लगाया शुरू कर दिया। जबकि पुलिस ने सिर्फ इतना कहा था कि यह शायद गैंगरेप नहीं बल्कि एक शब्द द्वारा रेप का मामला हो सकता है। टीएमसी के प्रदेश महासचिव नीलांजन दास ने दावा किया कि लड़की ने अपने बायफ्रेंड आसिफ अली को बचाने के लिए गैंगरेप की कहानी गढ़ी। उन्होंने कहा, प्रेमी आसिफ अली को स्थानीय लुटेरों से बचाने के लिए गैंगरेप की कहानी गढ़ी गई थी। नीलांजन दास ने दावा किया कि लड़की अपने बायफ्रेंड के साथ जंगल में शारीरिक संबंध बनाते गई थी। इसमें कहा गया है कि उसी दौरान कुछ नशे में धुत लोग उन्हें नशे अवस्था में देख लेते हैं और लूटपाट करते हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि लड़की ने फोन वापस पाने के लिए झूठा गैंगरेप केस दर्ज कराया। जबकि पुलिस ने पांच स्थानीय लोगों शंख शफीकुल (30), शंख नासिरुद्दीन (23), आपू बाउरी (21), फिरोज शंख (23) और शेख रियाजुद्दीन (31) को फोन कॉल रिकॉर्ड और सबूतों के आधार पर पकड़ा था। यह मामला अब पश्चिम बंगाल और ओड़ीशा की राजनीति में विवाद का मुद्दा बन गया है। पीड़िता ओड़ीशा की रहने वाली है। ओड़ीशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण मांडी ने पीड़िता के पिता से बात की और हर तरह की कानूनी मदद देने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा, दोषियों को सज्ज से सज्ज सजा मिलनी चाहिए।

आय से 1872...

जिसकी कीमत करीब 49 करोड़ है। इनमें से ईडी ने 39 करोड़ रुपए की 29 सम्पत्तियां कुर्क कीं और ईओडब्ल्यू ने 8.5 करोड़ रुपए की 16 सम्पत्तियां जब्त की हैं। छत्तीसगढ़ में हुए 540 करोड़ रुपए के कोयला घोटाले में मनी लॉन्ड्रिंग, करपशन और 47 करोड़ के डीएमएफ घोटाले को लेकर सीन्या के खिलाफ ईडी और ईओडब्ल्यू ने केस दर्ज किया है। इनको लेकर सीन्या करीब द्वाइ साल तक जेल में रही। वह कुछ दिनों पहले ही बाहर आई हैं और बंगलुरु में रह रही हैं।

सीन्या चौंसिया 2008 बैच की राज्य प्रशासनिक सेवा अधिकारी हैं। उनकी पहली नियुक्ति डिप्टी कलेक्टर के रूप में बिलासपुर में हुई थी। 2019 में उन्हें तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के कार्यालय में उप सचिव नियुक्त किया गया। इसके बाद उनकी प्रशासन पर पकड़ जबरदस्त हो गई।

ऑपरेशन सिंदूर ...

कोई अंतर नहीं है। ऑपरेशन सिंदूर 22 अप्रैल को पहलुगाम में हुए आतंकवादी हमले के जवाब में शुरू किया गया था, जिसमें पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों ने नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर करके 26 पर्यटकों की बेरहमी से हत्या कर दी थी। उन्हें धर्म पूछ-पूछकर मारा गया था। शुरूआत में एक आतंकी संगठन ने इसकी जिम्मेदारी ली थी। लेकिन उन्हें जल्द ही एहसास हो गया कि स्थिति उनके नियंत्रण से बाहर हो गई है और वे तुरंत पीछे हट गए। लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने कहा कि भारत की प्रतिक्रिया अपेक्षित थी, लेकिन ऑपरेशन सिंदूर पूरी तरह सोच-समझ के साथ की गई कार्रवाई थी। लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने यह भी खुलासा किया कि पहलुगाम में आतंकी हमले

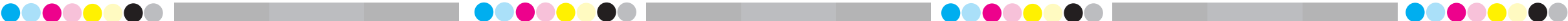
के बाद पाकिस्तान के खिलाफ चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर में तमाम आतंकी और सैन्य ठिकानों के ध्वस्त होने के साथ-साथ पाकिस्तान के 100 से ज्यादा फौजी भी मारे गए थे। पाकिस्तान ने यह बात छुपाई है। लेकिन पाकिस्तान दित्त पर दिए गए सैन्य पुरस्कारों की सूची में सी से अधिक उन अधिकारियों और जवानों के नाम हैं, जो ऑपरेशन सिंदूर की कार्रवाई के दौरान मारे गए। उस लिस्ट के सामने आने से यह दुनिया के सामने उजागर हुआ कि ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तानी सेना के कितने लोग मार गए थे।

भारतीय सेना के डायरेक्टर जनरल मिलिट्री ऑपरेशंस (डीजीएमओ) लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने पाकिस्तान में मरणोपरांत दिए गए सैन्य पुरस्कारों की सूची सार्वजनिक की है। डीजीएमओ ने कहा, पाकिस्तान ने 14 अगस्त को अपने पुरस्कारों की सूची जारी की। मरणोपरांत दिए गए पुरस्कारों की संख्या से असली तस्वीर सामने आई, जो बताती है कि नियंत्रण रेखा पर उनके हताहतों की संख्या 100 से ज्यादा थी। पाकिस्तान ने मई महीने में 12 से ज्यादा एयरक्राफ्ट खो दिए। 7 मई को भारत ने पाकिस्तान स्थित आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया था। इसके बाद पाकिस्तान ने सीमा पार से गोलीबारी शुरू कर दी थी। संयुक्त राष्ट्र में सैन्य योगदान देने वाले देशों (यूएनटीसीसी) के प्रमुखों के सम्मेलन में भी लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने यह वृत्त सामने रखा। जनरल घई ने कहा कि पाकिस्तान के जल्दबाजी में किए गए आत्मसमर्पण ने भारत के राजनीतिक और सैन्य उद्देश्यों को पुष्ट किया। उन्होंने चेतावनी दी, आगे का संघर्ष उनके लिए विनाशकारी होता। उन्होंने बताया कि कैसे भारत की सोची-समझी प्रतिक्रिया ने इस्लामाबाद के पास कोई रणनीतिक विकल्प नहीं छोड़ा। ऑपरेशन सिंदूर भारतीय थलसेना, वायुसेना और नौसेना की भागीदारी वाली सैन्य क्षमता और सफल रणनीति की जीत थी। उन्होंने बताया कि भारतीय सेना ने कैसे पाकिस्तान के 11 हवाई ठिकानों पर हमला किया, आने प्रमुख ठिकानों, तीन हंगरों को चार राइफों को क्षतिग्रस्त कर दिया। जमीन पर पाकिस्तानी हवाई सम्पत्तियां नष्ट कर दी गईं, जिनमें एक सी-130 विमान, एक ईडब्ल्यू प्रणाली और कई लड़ाकू विमान शामिल थे। इसमें नौसेना ने भी निर्णायक भूमिका निभाई। उन्होंने कहा, भारतीय नौसेना पहले ही अरब सागर में आगे बढ़ चुकी थी। अगर पाकिस्तान इसे और आगे बढ़ाता, तो समुद्र और उड़ने पार, उसके लिए परिणाम विनाशकारी होता।

भारतीय सेना ने पहलुगाम हमले के तीन मुख्य शक्तिशाली ठिकानों का लगभग 96 दिनों तक पीछा किया और खत्म किया। जनरल घई ने कहा, हमने उन्हें आराम नहीं करने दिया। जहां हमने आक्रामक उद्देश्य दूढ़ा, तो वे थके हुए और कुपोषित लग रहे थे, लीडने से थके हुए थे। हमने सभी को मार गिराया गया था। उन्होंने 7 मई की तड़के लश्कर-ए-तेयबा के मुर्दे के मुख्यालय और बहावलपुर के शिविरों सहित, आतंकवादी ठिकानों पर किए गए सटीक हमलों की तस्वीरें भी साझा किए। इन हमलों में 100 से ज्यादा आतंकवादी मारे गए। लेफ्टिनेंट जनरल घई ने इस बात पर जोर दिया कि भारत की प्रतिक्रिया युद्ध के मैदान से कहीं आगे तक फैली हुई थी। उन्होंने कहा, पहलुगाम हमले के तुरंत बाद 1960 की सिंधु जल संधि को स्थगित करना उसी रणनीति का हिस्सा था जो यह संकेत देती थी कि आतंक और बातचीत की पुरानी रणनीति एक साथ नहीं चल सकती। उन्होंने कहा कि इससे भारत की सैन्य शक्ति को कूटनीतिक और आर्थिक साधनों के साथ जोड़ने की क्षमता का पता चलता है। सीमा पार से दशकों से जारी आतंकवाद पर बात करते हुए, लेफ्टिनेंट जनरल घई ने वैश्विक समुदाय को बताया कि भारत में इससे कितने लोग मारे गए और कितना नुकसान हुआ। उन्होंने कहा, 1980 के दशक में अकेले जम्मू और कश्मीर में 28,000 से ज्यादा आतंकवादी घटनाएं हुईं। 60,000 से ज्यादा परिवार यानि एक लाख से ज्यादा लोग, अपने घरों से भागने को मजबूर हुए। 15,000 नागरिक और 3,000 सुरक्षाकर्मी मारे गए।

जदयू ने 57 प्रत्याशियों ...

गरखा से सीमांत मण्डाल, बखरी से संजय पासवान और ब्रह्मापुर से हुलास पांडे को उम्मीदवार बनाया गया है। इससे पहले मंगलवार 14 अक्टूबर को भाजपा ने 71 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी की थी। इस लिस्ट के मुताबिक, भाजपा ने उप-मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को तारापुर से टिकट दिया है। वहीं, विजय सिन्हा को लखीसराय से उम्मीदवार बनाया गया है। उल्लेखनीय है कि एनडीए ने पहले ही सीट बंटवारे का ऐलान कर दिया था। भाजपा और जदयू बाराबर 101-101 सीटों पर चुनाव लड़ेंगी। वहीं चिराग पासवान की एलजेपी 29 सीटों पर चुनाव में उतरेगी।



BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT

Timings : 9 am to 7 pm

Head office

SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS

Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,

APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037

City office

SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS

4th Floor, 19 Towers (T19),

Near Bus Stand, Ranigunj,

Secunderabad - 500 003

8688868345

शुभ लाभ

महारे

भाग्यनगर

दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, गुरुवार, 16 अक्टूबर, 2025

शुभ लाभ

आपकी सेवा में

शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए

मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

बंडारू दत्तात्रेय ने ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज का किया निरीक्षण



हैदराबाद, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने 15 अक्टूबर 2025 को ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, सनतनगर, हैदराबाद का दौरा किया और छात्रों, संकाय सदस्यों एवं मरीजों के साथ बातचीत की। इस अवसर पर ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ शिरीष कुमार जी. चव्हाण ने मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में हुई उपलब्धियों और चल

रहे विकास कार्यों पर एक प्रस्तुति दी। श्री बंडारू दत्तात्रेय ने ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज के छात्रों को संबोधित करते हुए संस्थान के समग्र कामकाज की सराहना की। उन्होंने विशेष रूप से छात्रों को प्रदान की जा रही शिक्षा की गुण-वत्ता और बीमाकृत व्यक्तियों तथा आश्रित परिवारों को दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की प्रशंसा की। श्री बंडारू दत्तात्रेय ने समग्र स्वास्थ्य सेवा के लिए

आयुष और योग सेवाओं को जारी रखने का सुझाव दिया। साथ ही उन्होंने छात्रों में मूल मूल्यों को विकसित करने के लिए प्रतिष्ठित व्यक्तियों द्वारा अतिथि व्याख्यान आयोजित करने की भी सलाह दी। इसके बाद श्री बंडारू दत्तात्रेय ने ईएसआईसी सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल का दौरा किया और मरीज श्रीमती बालामणि से बातचीत की, जिनकी

अवेक क्रैनियोटॉमी सर्जरी हुई है। अवेक क्रैनियोटॉमी एक न्यूरोसर्जिकल प्रक्रिया है जो मरीज के जागृत अवस्था में की जाती है, ताकि भाषण और गति जैसे महत्वपूर्ण मस्तिष्क कार्यों की निगरानी और संरक्षण किया जा सके। मरीज ने सर्जरी के दौरान सहयोग किया, जिससे मस्तिष्क के कार्यों का मानचित्रण करने में मदद मिली और न्यूनतम न्यूरोलॉजिकल कमी के साथ अधिकतम सुरक्षित हटाने की अनुमति मिली। श्री बंडारू दत्तात्रेय ने डायलिसिस यूनिट, न्यूरो-सर्जरी विंग, कैथ लैब और ऑपरेशन थिएटर जैसी प्रमुख सुविधाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने मरीजों और उनके परिचारकों से बातचीत की तथा दी जा रही उपचार और सेवाओं के बारे में पूछताछ की। श्री बंडारू दत्तात्रेय ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और व्यापक स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए संकाय सदस्यों और डॉक्टरों की सराहना की।



राधे राधे ग्रुप के तत्वावधान में बेगम बाजार और नामपल्ली में हुआ अन्नदान



हैदराबाद, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भूदेवी माता मंदिर के पास गोशाला के सामने नियमित अन्नदान सेवा आयोजित की गई। इस सेवा अवसर पर महेश अग्रवाल, रवि अग्रवाल, राजेश सर योगा, गोविंद राम पचेरीया, लता गोयल, नीलम विजयवर्गी, मीना अग्रवाल, शर्मिला अग्रवाल, सूचि गुप्ता और आशीष उपस्थित रहे। इसी क्रम में बुधवार को राधे राधे ग्रुप हैदराबाद की ओर से नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265-ए के

पास श्रीमती सोनम जी मित्तल की पुण्य स्मृति में विशेष अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। नियमित अन्नदान की आज की सेवा सोनम मित्तल वूमन वेल्फेयर चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से संपन्न की गई। इस अवसर पर सतीश कुमार गुप्ता, रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, महेश अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, केलाश चंद केडिया, निर्मला केडिया, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, ई-जगन (चम्पापेट), गौरव गोयल, मनोज शर्मा, रोहित अग्रवाल और सुमन अग्रवाल उपस्थित रहे।

ईसीआईएल में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक आयोजित

विकसित भारत के दिशा में राजभाषा का प्रयोग महत्वपूर्ण है : अनुराग कुमार

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल), परमाणु ऊर्जा विभाग, भारत सरकार के उपक्रम में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 172वीं बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता ईसीआईएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक अनुराग कुमार ने की। इस अवसर पर ईसीआईएल के प्रबंधक एवं प्रभारी राजभाषा अनुभाग डॉ. राजनारायण अवस्थी ने कॉरपोरेशन में राजभाषा हिन्दी के कार्यान्वयन की स्थिति, संसदीय राजभाषा समिति के सुझावों और उनके अनुपालन की प्रगति पर विस्तृत समीक्षा की। राजभाषा के उपयोग को बढ़ाने और इसे कार्यालयीन कार्यों में सहज रूप से लागू करने के लिए अनेक महत्वपूर्ण सुझाव भी प्राप्त हुए। बैठक में हिन्दी भाषा के प्रगामी प्रयोग को सुनिश्चित करने हेतु विभिन्न बिन्दुओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। प्राग्भ में पिछली बैठक के कार्यवृत्त की पुष्टि की गई। इसके उपरांत ईसीआईएल के आंचलिक, शाखा एवं यूनिट कार्यालयों में राजभाषा कार्यान्वयन की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की गई, जिसमें यह पाया गया कि सभी कार्यालयों से समय पर तिमाही प्रगति रिपोर्ट प्राप्त हो रही हैं। तिमाही प्रगति रिपोर्टों में पत्राचार एवं टिप्पण के सतत सुधार पर प्रसन्नता व्यक्त की गई। साथ ही, परमाणु ऊर्जा विभाग से प्राप्त राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक की समीक्षा



रिपोर्ट पर गहन विचार-विमर्श किया गया। ईसीआईएल की राजभाषा गृहपत्रिका 'ईसीआईएल गौरव' के आगामी अंक के प्रकाशन हेतु सभी समिति सदस्यों से लेख, कविता, संस्मरण आदि रचनात्मक सामग्री शीघ्र उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया। बैठक के अंत में अध्यक्ष महोदय की अनुमति से कुछ अन्य विषयों पर भी विचार किया गया। अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, अनुराग कुमार ने राजभाषा हिन्दी के कार्यालयीन प्रयोग को और अधिक व्यापक एवं स्वाभाविक बनाने हेतु सभी विभागों से सजग और सक्रिय प्रयास करने का आह्वान किया। अध्यक्ष महोदय ने राजभाषा हिन्दी से संबंधित विभिन्न सूचना प्रौद्योगिकी टूल्स के प्रयोग के बारे में सभी सदस्यों को

निदेश दिया कि वे अधिक से अधिक अपने काम में इनका प्रयोग करें। इसके लिए वी कनका श्री महालक्ष्मी को प्रशिक्षण देने के लिए नामित किया गया। उन्होंने यह भी कहा कि ईसीआईएल के प्रत्येक अधिकारी एवं कर्मचारी का यह दायित्व है कि वह राजभाषा के प्रयोग एवं संवर्धन में अपनी भूमिका सुनिश्चित करें। राजभाषा कार्यान्वयन समिति के वरिष्ठ सदस्य शेख वजीर अहमद, उपमहाप्रबंधक, सीबीडीएम ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम के सफल आयोजन में वी.कनका श्री महालक्ष्मी, डॉ. सीएच. अंबेडकर, अजहर सुल्तान तथा विनीला, प्रशिक्षु (राजभाषा) का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

जरूरतमंद परिवारों में पुराने पहनने योग्य कपड़े वितरित किए



हैदराबाद, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थानी जागृति समिति

हैदराबाद के द्वारा पहनने योग्य पुराने कपड़ों को संग्रहण शिविर में आए हुए कपड़ों को व्यवस्थित

कर बुधवार को नगर के उस्मानिया अस्पताल, गांधी अस्पताल सिकंदराबाद, पेटलाबुरुज प्रसूतिगृह (जजगीखाना) में गांव से इलाज कराने आए हुए जरूरतमंद परिवार के लोगों में वितरण किया गया। इस अवसर पर समिति अध्यक्ष श्रीनिवास सोमानी, कोषाध्यक्ष संजय राठी, उपाध्यक्ष प्रेमचंद चंद मुनोन, बालप्रसाद मोदानी, गोविंद बिरादर, धर्मराम ढाका, सुनील शर्मा, सुरेंद्र कुमार अग्रवाल, सभी ने वितरण करने में सहयोग किया।



अग्रवाल शिक्षा समिति द्वारा संचालित एस. डी. सिग्नोदिया कॉलेज के एमबीए विभाग में बुधवार को प्रथम वर्ष 2025-26 हेतु कक्षाएं प्रारंभ हुई। अवसर पर विभाग की निर्देशिका पल्लवी रंगनाथ, सहायक प्रोफेसर वेंकटेश, सत्यजीत सिंह, वेंकटेश, लाइब्रेरियन सीनू एवं प्रथम वर्ष के विद्यार्थिगण उपस्थित थे।



तिलक रोड स्थित तेलंगाना सारस्वत परिषद सभागृह में सहकार वॉलेंटरी संस्था द्वारा आयोजित कार्यक्रम में गुजराती ब्राह्मण समाज अध्यक्ष तरुण मेहता को महात्मा गांधी पीस अवार्ड 2025 से सम्मानित किया गया। तेलंगाना विधान परिषद में विपक्ष के नेता एस. मधुसूदन चारी, पूर्व केंद्रीय मंत्री एस. वेणुगोपाल चारी, न्यायाधीश वामन राव, फिल्म अभिनेत्री संध्या जनक, अनुप्रसाद, हेमंत बबुला सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में यह सम्मान समारोह संपन्न हुआ।

काल भैरव जन्मोत्सव 12 नवंबर को



हैदराबाद, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बाजार घाट, नामपल्ली स्थित ऐतिहासिक काल भैरव मंदिर द्वारा बुधवार, 12 नवंबर को आयोजित किए जाने वाले काल भैरव जन्मोत्सव में मुख्यमंत्री के सलाहकार वेम नरेंद्र रेड्डी बतौर मुख्य अतिथि सहभागिता करेंगे। उक्त कार्यक्रम में न्यायपालिका विभाग, गृह विभाग, खेल विभाग के अधिकारी, बीबीआईपी, सिनेमा जगत की हस्तियां और अनेक विद्वान बड़ी संख्या में उपस्थिति दर्ज कराएंगे। नामपल्ली का यह काल भैरव मंदिर लगभग 200 वर्ष पुराना एक अत्यंत शक्तिशाली एवं श्रद्धा का केंद्र माना जाता है। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि काल भैरव स्वामी की आराधना से भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं और उन्हें शुभ फल प्राप्त होता है।

केबीआर पार्क में इच्छापूर्ति गणेशजी की पूजा एवं आरती सम्पन्न

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।



बुधवार को केबीआर पार्क में इच्छापूर्ति गणेशजी की पूजा एवं आरती का आयोजन श्रद्धा और भक्ति के साथ किया गया। सभी भक्तों ने दूध से पूजा-अर्चना करते हुए आरती में सहभागिता की। प्रसाद वितरण के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान आयोजक राजेंद्र कुमार अग्रवाल ने भक्तों को सूचित किया कि दीपावली पर्व के उपलक्ष्य में 4 दिनों (दि. 18, 19, 20 और 22 अक्टूबर) तक विशेष पूजा का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 18 अक्टूबर को धनतेरस, 19 को रूप चौदस, 20 को

दीपावली तथा 22 अक्टूबर को दीपावली स्नेह मिलन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। पूजा में विशेष यजमान प्रमोद कुमार सरायवाला रहे। पूजा में भाग लेने वालों में राजेंद्र कुमार अग्रवाल, गोपाल बलदवा, संध्या रानी अग्रवाल, संतोष देवी अग्रवाल, प्रमिला मांडोठिया, अशोक लाखोटिया, किशन दास डागा, राहुल सिंघल, प्रमोद कुमार सरायवाला, विजय कुमार

अग्रवाल, अशोक रूंगटा, विठ्ठलदास अग्रवाल (बड़े गांव वाले), प्रवीण कुमार अग्रवाल, डॉ. राधा कृष्ण, दीपा कुमार अग्रवाल, वेंकटेश रेड्डी, रामनिवासजी, पंडित फागुनी सहित अनेक भक्त उपस्थित रहे। इस अवसर पर भक्ति वातावरण में गणेश आरती गूँज उठी और उपस्थित भक्तगणों ने एक-दूसरे को आगामी दीपावली पर्व की अग्रिम शुभकामनाएं दीं।

स्वदेशी जागरण मंच ने आयोजित किया निर्यात लचीलेपन पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। स्वदेशी जागरण मंच, तेलंगाना के तत्वावधान में सेमिनार का आयोजन एफटीसीसीआई सुराना ऑडिटोरियम, हैदराबाद में किया गया। इस कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े 50 से अधिक उद्योग प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

सेमिनार में भारत के निर्यात पर प्रभाव डालने वाली चुनौतियों तथा उन्हें दूर करने के उपायों पर विस्तृत चर्चा हुई। वक्ताओं ने कहा कि पिछले तीन शताब्दियों में भारत ने अनेक औद्योगिक अवसर खो दिए थे, किंतु आज स्वदेशी नवाचारों के बल पर भारत विश्व अर्थव्यवस्था में नेतृत्व की भूमिका निभाने की स्थिति में है। उन्होंने कहा कि देश के विकास मार्ग में पूंजी की कमी, परिवहन सुविधाओं का अभाव, नीतिगत देरी तथा भ्रष्टाचार जैसी समस्याएं अब भी बाधक हैं, परंतु सरकार और उद्योग जगत के समन्वय से इन्हें दूर किया जा सकता है। कार्यक्रम को संबोधित करने वालों में प्रो. अश्विनी महाजन, स्वदेशी जागरण मंच अखिल भारतीय सह संयोजक; श्री सतीश कुमार, अखिल भारतीय सह संगठन मंत्री, स्वदेशी जागरण मंच;



श्री विद्या सागर, चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक, सागर एशिया; तथा डॉ. एस. लिंगमूर्ति, दक्षिण मध्य क्षेत्र संयोजक, स्वदेशी जागरण मंच प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। वक्ताओं ने देशी उद्योगों को सशक्त करने, स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने तथा निर्यात क्षेत्र में पारस्परिक सहयोग को प्रोत्साहित करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि भारत को अब अपने व्यापारिक दृष्टिकोण में परिवर्तन लाना होगा और गुणवत्ता, तकनीकी नवाचार तथा वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता

पर विशेष ध्यान देना होगा। वक्ताओं ने यह भी उल्लेख किया कि अमेरिका द्वारा हाल ही में लगाए गए शुल्क भारत के लिए छिपे हुए अवसर सिद्ध हो सकते हैं, जो देश को और अधिक आत्मनिर्भरता की दिशा में अग्रसर करेंगे। स्वदेशी जागरण मंच देशभर में इस प्रकार के कार्यक्रमों के माध्यम से उद्योग जगत और नीतिनिर्माताओं से आह्वान कर रहा है कि वे मिलकर आत्मनिर्भर भारत और मजबूत निर्यात आधारित अर्थव्यवस्था के निर्माण हेतु कार्य करें।

मूल्यांकन कवि गोष्ठी में आकाश कविघोष पर सार्थक विमर्श



हैदराबाद, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद के कवियों की संस्था गीत चांदनी द्वारा संचालित सीता युद्धवीर पुस्तकालय एवं शोध संस्थान के तत्वावधान में मौजमजाही मार्केट स्थित आरोग्य हॉस्पिटल के सेलार सभागृह में एक यादगार मूल्यांकन गोष्ठी एवं कवि गोष्ठी का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर बिजनौर, लखनऊ से प्रकाशित साप्ताहिक ई-पत्रिका आकाश कविघोष के नवीन अंक पर समीक्षात्मक चर्चा हुई। मूल्यांकन सत्र की अध्यक्षता हिंदी साहित्य की विदुषी डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव ने की, जबकि वरिष्ठ गीतकार और गीत चांदनी के अध्यक्ष श्री चंपालाल बैद ने कवि गोष्ठी की अध्यक्षता की।

सत्र का शुभारंभ संस्था की 336वीं मूल्यांकन गोष्ठी और गीत चांदनी की 44 वर्षों की सक्रिय काव्य यात्रा के उद्घेख से हुआ। संस्था के कार्यदर्शी और गोलकोंडा दर्पण

के संपादक कवि गोविंद अक्षय ने बताया कि साहित्य, संस्कृति और शोध के क्षेत्र में यह संस्थान लगातार सक्रिय भूमिका निभा रही है।

इस मूल्यांकन गोष्ठी में आकाश कविघोष साप्ताहिक ई-पत्रिका (संपादक: आकाश श्रीवास्तव) के वर्ष चार, अंक 34 (26 अगस्त, 2025) पर हैदराबाद के विद्वान साहित्यकारों ने अपने विचार साझा किए।

कवि सुनील मिश्रा ने कहा कि पत्रिका की भाषा सरल और भावनाओं से परिपूर्ण है। उन्होंने विशेष रूप से डॉ. गीता पांडे अपराजिता (रायबरेली) और सीमा गर्ग 'मंजरी' (मेरठ) की कविताओं की सराहना की।

कवि श्रीपूज्यम जोधपुरी ने पत्रिका में प्रकाशित कविताओं को जीवनदायी और प्रेरणास्रोत बताया। उन्होंने राजीव वशिष्ठ (दिल्ली), रमेश मनोहर (मध्य प्रदेश), पूर्णिमा सुमन (झारखंड), तुषार सिंह (पटना) और श्रीमती रस्तोगी

(लखनऊ) की रचनाओं की प्रशंसा की।

अध्यक्षीय टिप्पणी में डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव ने कहा कि जब आज साहित्यिक पत्रिकाओं का अस्तित्व संकट में है, तब 'आकाश कविघोष' जैसी पत्रिकाएं हिंदी साहित्य को नई ऊर्जा प्रदान कर रही हैं।

कवि गोविंद अक्षय ने कहा कि पत्रिका की सभी रचनाएं उत्कृष्ट हैं और पाठकों को सकारात्मक ऊर्जा देती हैं। कवि गोष्ठी के अध्यक्ष श्री चंपालाल बैद ने कहा कि पत्रिका का संपादकीय प्रभावशाली है और इसकी भाषा प्रवाहपूर्ण एवं त्रुटिहीन है।

कार्यक्रम के दूसरे सत्र में आयोजित कवि गोष्ठी में नगरद्वय (हैदराबाद-सिकंदराबाद) के प्रतिष्ठित कवियों ने अपने गीत, कविताएं और मुक्तक प्रस्तुत किए। कविताओं में श्रृंगार, देशभक्ति, आतंकवाद, जीवन दर्शन और सामाजिक विषमताएं जैसे विविध विषयों का प्रभावशाली चित्रण किया गया।

कविता पाठ करने वाले कवियों में गोविंद अक्षय, ममता मिश्रा, शिव कुमार तिवारी 'कोहरी', चंपालाल बैद, सत्यनारायण काकड़ा, सुनील मिश्रा, जलीस भारती, श्रीपूज्यम जोधपुरी, अरविंद कुमार जायसवाल, बासित अली रईस, सदानंद लाल गोपिकार, राजकुमार यादव, डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव और अनिल कुमार गुप्ता प्रमुख रूप से शामिल रहे। कार्यक्रम के समापन पर गीत चांदनी के कार्यदर्शी कवि गोविंद अक्षय ने सभी उपस्थित कवियों, समीक्षकों और अतिथियों का हृदय से आभार व्यक्त किया। गीतकार श्री चंपालाल बैद द्वारा जलपान की व्यवस्था की गई थी। कार्यक्रम का संचालन सोहार्दपूर्ण और आत्मीय वातावरण में संपन्न हुआ।



मारवाड़ी युवा मंच शमशाबाद शाखा द्वारा दिवाली पर ..एक मुस्कान जरूरतमंदों के नाम.. कार्यक्रम के तहत शमशाबाद एमपीपीएस गवर्नमेंट स्कूल में बच्चों को स्कूल बैग, प्लेट, पेंसिल, रबर, शार्पनर, नोट बुक, मिठाई, चौक बोक्स का वितरण किया गया।

इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष सोहन सीरवी, पूर्व अध्यक्ष रमेश चौधरी, पूरण कुमार चौधरी, भाकर राम कुमावत, पूर्व मंत्री राजू सिरवी, कोषाध्यक्ष श्रवण कुमार चौधरी, आंध्र प्रदेश तेलंगाना प्रांत के रिपोर्टिंग संयोजक पारस सोलंकी, रक्तदान संयोजक प्रेम कच्छवा, रमेश जैन, प्रिंसिपल सर जितेंद्र कुमार रेड्डी एवं स्कूल स्टाफ आदि उपस्थित रहे। प्रिंसिपल ने सभी का आभार व्यक्त किया।

आकांक्षा महिला संस्था की मासिक बैठक आयोजित



हैदराबाद, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। आकांक्षा महिला संस्था की मासिक बैठक होटल मेजबान बेगमपेट में आयोजित की गई। दिवाली पूर्व इस सभा के आयोजन में सभी महिला सदस्यों को दीपावली उत्सव को अपने आसपास के जरूरतमंद

बच्चों के परिवार में सहायता के रूप में बनाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम की मुख्य संयोजक सुमन गुप्ता, विनीता, ममता के साथ सभी महिला सदस्यों ने भाग लिया। आगामी सभा दिवाली अन्नकूट के साथ मनाने का भी निर्णय लिया गया।



हृषीगुडा में आध्यात्मिक वक्ता डॉ. शील्पा दीदी - सदेहा फाउंडेशन के नये कार्यालय उद्घाटन अवसर पर उपस्थित भारतीयम सत्यवती अम्मा, स्वामी अद्वैतानंद (भद्रीनाथ), शुक्ल यजुर्वेद गणपती शरद देशमुख, लव फॉर काऊ फाउंडेशन के चेयरमैन जसमत पटेल, ट्रस्टी रिड्डीश जागीरदार, तरुण मेहता, मुकेश चौहान, भाजपा नेता करनम परीणीता, पंडीत कृष्णा देशमुख एवं अन्य ।

एसवीपीएनपीए में 77वें बैच के आईपीएस अधिकारियों की दीक्षांत परेड कल

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। देश की प्रमुख पुलिस प्रशिक्षण संस्था सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी (एसवीपीएनपीए) 17 अक्टूबर को 77वें नियमित भर्ती बैच (77 आरआर) के आईपीएस अधिकारियों के लिए दीक्षांत परेड का आयोजन करेगी।

इस अवसर पर सीमा सुरक्षा बल के महानिदेशक दलजीत सिंह चौधरी मुख्य अतिथि होंगे, जो परेड की समीक्षा करेंगे और अधिकारियों को संबोधित करेंगे। आज आयोजित एक प्रेस वार्ता में अकादमी के निदेशक अमित गर्ग ने बताया कि यह समारोह 49 सप्ताह के प्रशिक्षण का समापन होगा, जिसमें दिल्ली और अन्य स्थानों पर अटैचमेंट भी शामिल हैं। इस बैच में कुल 190 प्रशिक्षु हैं, जिनमें 174 आईपीएस अधिकारी और नेपाल, भूटान, मालदीव जैसे देशों के 16 विदेशी अधिकारी शामिल हैं।

इस बैच में 62 महिला अधिकारी शामिल हैं। 174 आईपीएस अधिकारियों में से 51% के पास पूर्व कार्य अनुभव है और 49% ने

इंजीनियरिंग, कानून या चिकित्सा में डिग्री प्राप्त की है। बैच की औसत आयु 28 वर्ष है, जिसमें उत्तर प्रदेश से 35, राजस्थान और महाराष्ट्र से 19-19 अधिकारी शामिल हैं। तेलंगाना कैडर के लिए नियुक्त अधिकारी हैं: आयशा फातिमा (मध्य प्रदेश), मंधारे सोहम सुनील (महाराष्ट्र), मनीषा नेहरा (राजस्थान) और राहुल कांत (झारखंड)। ये अधिकारी प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद तेलंगाना में सेवा शुरू करेंगे।

आंध्र प्रदेश कैडर के लिए नियुक्त अधिकारी हैं: अधिन मणि दीप काकुमानु (आंध्र प्रदेश), जाधवराव निरंजन मेहन्नेसिंह (महाराष्ट्र), जया शर्मा (दिल्ली) और तरुण (हरियाणा)।

प्रशिक्षण में इनडोर और आउटडोर दोनों विषय शामिल थे। इनडोर विषयों में भारतीय कानूनों जैसे भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, भारतीय साक्ष्य अधिनियम, जांच तकनीक, फॉरेंसिक, साइबर क्राइम, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्रिप्टोकॉरेंसी आदि शामिल थे। आउटडोर प्रशिक्षण में शारीरिक फिटनेस, हथियार प्रशिक्षण, बिना हथियारों की लड़ाई, फील्ड क्राफ्ट और रणनीति शामिल थी।

दीक्षांत परेड में सम्मानित होने वाले अधिकारियों में कीर्ति यादव (एजीएमयूटी कैडर) को

सर्वश्रेष्ठ आउटडोर प्रोबेशनर के लिए आईपीएस एसोसिएशन की स्टाई ऑफ ऑनर दी जाएगी। मंधारे सोहम सुनील (तेलंगाना कैडर) को इंडिक्शन के लिए टॉक कप मिलेगा। अश्विनी एस (तमिलनाडु कैडर) को पुलिस विज्ञान में उत्कृष्टता के लिए ट्रॉफी दी जाएगी।

वरुण के गोड़ा (नागालैंड) को कानून में उत्कृष्टता के लिए मणिपुर कप और मनोज कुमार (मध्य प्रदेश) को कंप्यूटर अध्ययन में उत्कृष्टता के लिए एनसीआरबी ट्रॉफी दी जाएगी। आउटडोर विषयों में रिंगजेन चोफेल (राँयल भूटान पुलिस) को दक्षता के लिए बीएसएफ ट्रॉफी और कीर्ति यादव (एजीएमयूटी) को सर्वश्रेष्ठ महिला प्रोबेशनर के लिए एसवीपीएनपीए निदेशक ट्रॉफी दी जाएगी।

सगुन खड्का (नेपाल पुलिस) को फेज-ख में सर्वश्रेष्ठ विदेशी अधिकारी प्रशिक्षु के लिए निदेशक की ट्रॉफी दी जाएगी।

77 आरआर दीक्षांत परेड के परेड कमांडर अंजित ए नायर (तमिलनाडु कैडर) होंगे, जो प्रशिक्षण के दौरान उनके नेतृत्व और उत्कृष्टता को दर्शाता है।

अब तक एसवीपीएनपीए द्वारा कुल 6,476 अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है, जिनमें 380 विदेशी अधिकारी शामिल हैं, जो नेपाल, भूटान, मालदीव, मॉरीशस आदि देशों से हैं।

13वीं राष्ट्रीय गतका चैंपियनशिप में तेलंगाना का व्यक्तिगत श्रेणी में तीसरा स्थान

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। छत्तीसगढ़ के भिलाई शहर में आयोजित 13वीं राष्ट्रीय गतका चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए तेलंगाना ने टीम इवेंट और व्यक्तिगत श्रेणियों में अपना सिक्का जमाया।

छत्तीसगढ़ के शिक्षा एवं ग्रामीण उद्योग मंत्री गजेंद्र यादव ने विजेता खिलाड़ियों को पदक से सम्मानित किया। आगामी दिनों में गतका पीथियन खेलों में अंतरराष्ट्रीय मुकाबले होंगे। गतका खेल एसोसिएशन तेलंगाना के महासचिव एस. विशाल सिंह ने बताया कि पीथियन काउंसिल के प्रमुख गोयल द्वारा गतका के वैश्विक प्रसार के लिए हर प्रकार की मदद का भरोसा दिलाया गया है। तेलंगाना ने इस परंपरागत



सिख मार्शल आर्ट गतका की 13वीं राष्ट्रीय चैंपियनशिप में व्यक्तिगत श्रेणियों में कांस्य पदक जीतकर तेलंगाना राज्य का नाम रोशन किया गया। यह

प्रतियोगिता भिलाई में आयोजित हुई, जिसमें देश के विभिन्न राज्यों से टीमों ने भाग लिया। तेलंगाना की टीम को कांस्य पदक जीतने के लिए तेलंगाना

गतका एसोसिएशन के अध्यक्ष सुखदेव सिंह, महासचिव एस विशाल सिंह, कोच गुरविंदर सिंह और अन्य सदस्यों के समर्पित मार्गदर्शन का श्रेय

27वां जीवन विद्या सम्मेलन 30 से बांदा में

जीवन को समझने का एक विशेष अवसर

बांदा, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बांदा जिले के बड़ोखर खुर्द ग्राम में स्थित प्रेम सिंह की बगिया में 30 अक्टूबर से 2 नवंबर 2025 तक 27वां जीवन विद्या सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। इस सम्मेलन में देशभर से जीवन विद्या के अभ्यासी, किसान और विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिभागी शामिल होंगे। आयोजकों ने बताया कि यह सम्मेलन केवल ज्ञान देने वाला कार्यक्रम नहीं है, बल्कि जीवन को समझने और जीने का उत्सव है। इस आयोजन की खासियत यह है कि यहाँ जीवन विद्या के सिद्धांतों को केवल बताया नहीं जाएगा, बल्कि प्रतिभागी उसे व्यवहार में अनुभव भी करेंगे। यहाँ प्रतिभागी जीवन विद्या के दर्शन को सुनने के साथ-साथ उसे जीते हुए देखेंगे और अनुभव करेंगे। यह स्थल एक जीवित प्रयोगशाला की तरह होगा। कार्यक्रम में आरामदायक आवास, उत्तम भोजन और उच्च गुणवत्ता वाले मंच की व्यवस्था की गई है ताकि प्रतिभागी बिना किसी असुविधा के पूरे कार्यक्रम का आनंद ले सकें। प्रतिभागियों को उन ग्रामीणों से मिलने का अवसर मिलेगा जिन्होंने जीवन विद्या को अपनाकर अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव लाए हैं। यह आयोजन रिश्तों, विचारों और जीवन के हर पहलू में स्पष्टता और आनंद खोजने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। आयोजक प्रेम सिंह भैया और उनकी टीम ने सभी इच्छुक लोगों से इस सम्मेलन में भाग लेकर जीवन विद्या के वास्तविक अनुभव को साझा करने की अपील की है।

पत्रकारों के कल्याण को प्राथमिकता दे रही तेलंगाना

सरकार, जल्द जारी होगी मान्यता नीति

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना सरकार मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में पत्रकारों के कल्याण को सुदृढ़ करने के लिए कदम उठा रही है। यह जानकारी राज्य के राजस्व, आवास एवं सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने दी। मंत्री ने जोर देकर कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए नियम और विनियम तैयार किए जा रहे हैं कि सरकार की कल्याणकारी योजनाएं सभी पात्र पत्रकारों तक पहुँचें। बुधवार को डॉ. बी.आर. अंबेडकर सचिवालय में मंत्री ने मीडिया अकादमी के अध्यक्ष के. श्रीनिवास रेड्डी, सूचना एवं जनसंपर्क आयुक्त सीएच प्रियंका और सीपीआरओ मालसुर के साथ आगामी पत्रकार मान्यता नीति पर चर्चा की। मंत्री पोंगुलेटी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे एक वैज्ञानिक और पारदर्शी मान्यता नीति तैयार करें जो पात्र पत्रकारों की गरिमा की रक्षा करे।



उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि इस महीने के अंत तक नीति और प्रक्रियाओं को अंतिम रूप दिया जाए ताकि मान्यता कार्डों का शीघ्र वितरण सुनिश्चित किया जा सके, ऐसा एक आधिकारिक बयान में कहा गया।

दीपावली के मद्देनज़र मिठाई दुकानों में स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए जीएचएमसी का विशेष निरीक्षण अभियान



हैदराबाद, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। आगामी दीपावली पर्व को ध्यान में रखते हुए ग्रेटर हैदराबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (जीएचएमसी) ने बुधवार को मिठाई दुकानों में गुणवत्ता और स्वच्छता मानकों को सुनिश्चित करने के लिए एक विशेष निरीक्षण अभियान शुरू किया है। यह पहल जीएचएमसी आयुक्त के निर्देशों के तहत सार्वजनिक स्वास्थ्य की सुरक्षा के उद्देश्य से की जा रही है, जो नियमित साप्ताहिक औचक निरीक्षणों के बाद शुरू की गई है। जीएचएमसी के खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने अपने-अपने सर्कलों में औचक निरीक्षण किए हैं और अब तक 27 मिठाई दुकानों की जांच की जा चुकी है, जबकि अन्य क्षेत्रों में यह

लेबलिंग, जिसमें निर्माण तिथि और शेल्फ लाइफ शामिल है, प्रदर्शन काउंटर्स पर अनिवार्य रूप से प्रदर्शित की जानी चाहिए। निरीक्षण के दौरान देखा गए सामान्य उल्लंघनों में कीट नियंत्रण की कमी, खाद्य तैयारी में बिना परीक्षण किए गए पानी का उपयोग, डिफिन सेक्शन में टूटी हुई फर्श, कर्मचारियों के लिए चिकित्सा रिकॉर्ड की अनुपस्थिति, प्रदर्शन क्षेत्रों में मक्खियों का संक्रमण, गंदे ओवन और उचित स्वच्छता उपायों के बिना काम कर रहे खाद्य हैंडलर्स शामिल हैं। जीएचएमसी ने ऑपरेटरों को इन मुद्दों को तुरंत ठीक करने की चेतावनी दी है ताकि त्योहार के मौसम में मिठाइयों का सुरक्षित उपभोग सुनिश्चित किया जा सके।

सरकारी बाल गृह का बाल अधिकार आयोग द्वारा निरीक्षण

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने आज सैदाबाद स्थित सरकारी बाल गृह में बच्चों की जीवन स्थितियों, कल्याण और सुरक्षा का आकलन करने के लिए व्यापक निरीक्षण और जांच की। निरीक्षण के दौरान आयोग के सदस्य और स्टाफ ने बच्चों और संस्थान के कर्मचारियों से सीधे बातचीत की ताकि देखभाल की गुणवत्ता और बाल कल्याण मानकों के पालन की समीक्षा की जा सके। इस निरीक्षण का उद्देश्य बच्चों के अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करना और बाल गृहों से संबंधित सभी मानकों का अनुपालन करना था। आयोग ने संस्थान की सुविधाओं की समीक्षा की, देखभाल की प्रक्रियाओं की जांच की और बच्चों व स्टाफ से फीडबैक प्राप्त किया।

ताकि सभी निवासियों के लिए एक सुरक्षित और पोषक वातावरण सुनिश्चित किया जा सके। अपने अवलोकनों और बातचीत के आधार पर आयोग एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर रहा है जिसमें निष्कर्ष और सिफारिशें शामिल होंगी। यह रिपोर्ट महिला एवं बाल कल्याण सचिव को आगे की कार्रवाई के लिए प्रस्तुत की जाएगी, ऐसा एक आधिकारिक बयान में कहा गया।

CHANGE OF NAME & DOB
I, Army No JC 732207A Sub Maj ARUMUGAM K of Unit:Adm.Bn, AOC Centre, Secunderabad, C/o. 66 APO that my mother name and DOB is to be changed from CHINNAKULANTHAI, DOB:12-08-1943 to CHINNAKUZHANTHAIYAMMAL K, DOB:01-07-1934 and daughter name is to be changed from A SUJITHA to SUJITHA A.

2025-26 खरीफ धान की खरीद की व्यवस्था की जाए : उत्तम कुमार रेड्डी



आसिफाबाद, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राज्य के नागरिक आपूर्ति एवं सिंचाई मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि 2025-26 खरीफ सीजन से संबंधित धान की खरीद के लिए आवश्यक व्यवस्था की जाए। राज्य के कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव, राज्य के मुख्य सचिव रामकृष्ण राव, नागरिक आपूर्ति, कृषि, परिवहन, एफ.सी.आई. और विभागीय आयुक्तों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से सभी जिलों के कलेक्टरों, अतिरिक्त कलेक्टरों, नागरिक आपूर्ति, विपणन, सहकारिता, ग्रामीण विकास, कृषि, परिवहन और पुलिस विभागों के साथ खरीफ सीजन की धान खरीद प्रक्रिया की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर बोलते हुए राज्य मंत्री ने कहा कि राज्य में खरीफ 2025-26 सीजन के धान की

खरीद के लिए आवश्यक व्यवस्था की जाए। उन्होंने बताया कि राज्य भर में 8,342 क्रय केंद्र स्थापित करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं और ऐसी व्यवस्था की जानी चाहिए जिससे किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे, अतिरिक्त कलेक्टर (राजस्व) डेविड, कागजनागर उपजिलाधिकारी श्रद्धा शुक्ला, आसिफाबाद राजस्व मंडल अधिकारी लोकेश्वर राव सहित नागरिक आपूर्ति, कृषि, विपणन और परिवहन विभागों के अधिकारी जिला केंद्र स्थित एकीकृत जिला कलेक्टर भवन परिसर में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग हॉल से बैठक में शामिल हुए। इस अवसर पर बोलते हुए जिला कलेक्टर ने कहा कि जिले में खरीफ 2025-26 सीजन में 44 हजार मीट्रिक टन

धान उत्पादन होने की संभावना है और जिले में 40 क्रय केंद्र (आईकेपी के तत्वावधान में 22 और प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों के तत्वावधान में 18) स्थापित करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस महीने की 24 तारीख तक सभी क्रय केंद्र खोलने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं और लगभग 30 हजार मीट्रिक टन धान क्रय केंद्रों तक पहुंचने की संभावना है। उन्होंने बताया कि ए ग्रेड धान का मूल्य 2,389 रुपये प्रति क्विंटल और सामान्य किस्म का 2,369 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है, तथा पतली किस्म के धान पर 500 रुपये का बोनस दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि क्रय केंद्रों पर पेयजल, छाया, इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीनें, गन्ना बोरा, धान सफाई मशीनें, ड्रायर, नमी मापने वाली मशीनें और टैब मशीनें उपलब्ध कराई जाएंगी ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने बताया कि हार्वैस्टर वाहनों के मालिकों के साथ बैठक की जाएगी और कृषि विभाग व केंद्रों के प्रबंधकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि संबंधित अधिकारियों के समन्वय से जिले में शांतिपूर्ण माहौल में धान क्रय कार्यक्रम चलाया जाएगा। इस कार्यक्रम में जिला विपणन अधिकारी अश्वक अहमद, कृषि विभाग अधिकारी वेंकट, जिला ग्रामीण विकास अधिकारी दत्ता राव, नागरिक आपूर्ति विभाग अधिकारी स्वामी, सादिक, संबंधित अधिकारी व अन्य शामिल हुए।

मेडिकल कॉलेज भवन निर्माण कार्य में और तेजी लाई जाए : कुमार दीपक



मंचेरियाल, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल जिला कलेक्टर कुमार दीपक ने कहा कि सरकार जिले के हाजीपुर मंडल के गुडीपेट में बन रहे सरकारी मेडिकल कॉलेज भवन के निर्माण कार्य में और तेज़ी लाने के लिए ठोस कदम उठाए।

गुडीपेट में निर्माणाधीन सरकारी मेडिकल कॉलेज के कार्यों का बुधवार को उन्होंने निरीक्षण किया। इस अवसर पर जिला कलेक्टर ने कहा कि जिले के लोगों को शीघ्र बेहतर चिकित्सा सेवाएँ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से डॉक्टरों और कर्मचारियों की संख्या बढ़ाई

जाएगी। इसी क्रम में 216 करोड़ रुपये की लागत से सरकारी मेडिकल कॉलेज का निर्माण कार्य प्रारंभ किया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि निर्माण कार्य समय पर पूरा करने के लिए आपसी समन्वय से कार्य करें।

बाद में, उन्होंने जिला केंद्र में कॉलेज रोड पर बन रहे सरकारी अस्पताल के निर्माण कार्य का भी निरीक्षण किया और ठेकेदारों के साथ बैठक कर काम में और तेज़ी लाने व इसे शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। इस कार्यक्रम में संबंधित अधिकारी एवं अन्य लोग उपस्थित रहे।

निःशुल्क नेत्र उपचार शिविर का आयोजन 24 को



चेन्नूर, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। लायंस क्लब के तत्वावधान में इस महीने की 24 तारीख, शुक्रवार को एक निःशुल्क नेत्र उपचार शिविर का आयोजन किया जाएगा। संबंधित दीवार पोस्टर का अनावरण चेन्नूर के तहसीलदार

मल्लिकार्जुन और उप तहसीलदार सनथ ने किया। लायंस क्लब ऑफ चेन्नूर के अध्यक्ष लायन जेडी तिरुपति ने बताया कि यह शिविर सुबह 8 बजे से दोपहर 1 बजे तक कृष्णमूर्ति कॉम्प्लेक्स, पश्चिम (लाइम ट्री), चेन्नूर में नए बस स्टैंड के पीछे,

बंधन बैंक के सामने आयोजित किया जाएगा। चेन्नूर और आसपास के क्षेत्रों के लोग इसका लाभ उठा सकते हैं। इस कार्यक्रम में कोषाध्यक्ष लायन निम्माला सागर, ज़ोन चेयरपर्सन मोडुमपुरम वेंकटेश्वर, लायन प्रताप सिंह, अन्य लोग उपस्थित थे।

अधिकारियों की मिलीभगत से अवैध अधिग्रहण! 2.09 एकड़ भूमि मामले में जांच जारी

मंचेरियाल, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिले में रियल एस्टेट कारोबारी, अवैध तत्व और अधिकारी मिलकर बेशकीमती सरकारी जमीनों को हड़प रहे हैं। जिला मुख्यालय में नगरपालिका और अन्य सरकारी संपत्तियों को हथियाने की कोशिश करने वालों के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज किया है। कुछ दिन पहले बड़े रियल एस्टेट कारोबारियों ने राजस्व और सर्वेक्षण अधिकारियों के साथ मिलकर रणधीरनगर स्थित स्टेट बैंक में गिरवी और प्रवर्तन विभाग के अधीन करोड़ों रुपये की 2.09 एकड़ जमीन अपने नाम करवा ली थी। पुलिस ने रियल एस्टेट कारोबारियों समेत दस लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है, जो अब चर्चा का विषय बन गया है।

आदिलाबाद शहर के कुछ रियल एस्टेट व्यापारियों और जमीन हड़पने वालों को सरकारी जमीनों, विवादित जमीनों और अन्य संपत्तियों की अच्छी जानकारी है। बड़े रियल एस्टेट व्यापारियों से जुड़े लोग अपना काम करवाने के लिए रोजाना राजस्व और सर्वेक्षण कार्यालयों के चक्कर काटते हैं। अधिकारियों और कर्मचारियों की मदद से वे विभिन्न जमीनों का ब्यूरो हासिल कर लेते हैं। रणधीरनगर में 2.09 एकड़ जमीन जब प्रवर्तन विभाग के नियंत्रण में थी, तब रियल एस्टेट व्यापारियों ने उसे अपने नाम पर दर्ज करवा लिया। बाद में सर्वेक्षण अधिकारियों की मदद से उन्होंने एक अतिरिक्त सेटवार तैयार करवा लिया। जमीनों का विवरण और सीमा बताने वाले अभिलेखों

को सेटवार कहते हैं। जमीनों की खरीद-फरोख्त से जुड़ी समस्याओं के समाधान और सर्वेक्षण व भूमि विभाग के पास 1950 से पहले मौजूद सेटवार अभिलेखों के आधार पर उन्हें फिर से बनाने की प्रक्रिया को पूरक सेटवार माना जाता है।

पता चला है कि सर्वेक्षण अधिकारियों ने रियल एस्टेट कारोबारियों की मदद के लिए इन अभिलेखों में छेड़छाड़ की है। आदिलाबाद शहर की तहसीलदार कार्यालय में पंजीकरण के बाद सर्वेक्षण अधिकारियों ने जमीन से जुड़ी पूरक सेटवार तैयार की।

पुलिस इस मामले में पूरक सेटवार देने वाले अधिकारियों और कब्जेदारों की मदद करने वाले लोगों की जांच कर रही है।

अपराध नियंत्रण हेतु समन्वित एवं योजनाबद्ध कार्रवाई की जाए : अंबर किशोर



मंचेरियाल, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सितंबर माह की अपराध समीक्षा के अंतर्गत बुधवार को पुलिस आयुक्त अंबर किशोर झा ने आयुक्तालय कार्यालय में पैदापल्ली एवं मंचेरियाल अंचल के पुलिस अधिकारियों के साथ अपराध समीक्षा बैठक की। इस बैठक में पुलिस उपायुक्त, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त

(प्रशासन), सहायक पुलिस आयुक्त, निरीक्षक एवं उपनिरीक्षक उपस्थित थे। पुलिस आयुक्त ने सर्वप्रथम पुलिस आयुक्तालय के अधिकारियों से थाना, संभाग एवं अंचल स्तर पर अपराधियों की गिरफ्तारी, विवेचना, साक्ष्य संकलन एवं आरोप पत्र से संबंधित लिखित प्रकरणों की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने थाना-वार विस्तृत

समीक्षा करते हुए रामागुंडम पुलिस आयुक्तालय में दर्ज गंभीर प्रकरणों, महिलाओं के विरुद्ध अपराध, संपत्ति अपराध, पॉक्सो प्रकरण, गुमशुदगी, गांजा, साइबर अपराध, आत्महत्या और सड़क दुर्घटना जैसे मामलों की प्रगति पर चर्चा की। इस दौरान पुलिस आयुक्त ने यह भी निर्देश दिया कि पूर्व में हुई त्रुटियों से सबक लेते हुए भविष्य में प्रकरणों के त्वरित निराकरण हेतु प्रभावी कदम उठाए जाएं। साथ ही अपराध नियंत्रण के लिए समन्वित एवं योजनाबद्ध रणनीति अपनाई जाए। उन्होंने यह भी कहा कि जांच की गुणवत्ता और सुलझाए गए मामलों का प्रतिशत बढ़ाया जाना चाहिए। अपराधों से संबंधित विवेचनाओं को त्वरित गति से संचालित करते हुए न्यायालय को समुचित साक्ष्य उपलब्ध कराए जाएं ताकि अभियुक्तों को न्यायालय में सजा मिल सके।

छात्रों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए कार्य करे : खुशबू गुप्ता

आसिफाबाद, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

उत्तर समग्र आदिवासी विकास संगठन की परियोजना अधिकारी खुशबू गुप्ता ने एक बयान में कहा कि छात्रों को अपने कल्याण और भविष्य को ध्यान में रखते हुए ड्यूटी पर आना चाहिए। उन्होंने बताया कि आदिवासी कल्याण छात्रावासों में अंशकालिक/दैनिक वेतन पर काम करने वाले 220 कर्मचारी हड़ताल में शामिल हुए हैं और उनके छात्रों में तीन महीने का वेतन जमा कर दिया गया है।



उन्होंने बताया कि दशहरा की छुट्टियों के बाद इस महीने की 4 तारीख को स्कूल खुलने के बाद से कर्मचारी ड्यूटी पर नहीं आए हैं, इसलिए बाहर से आए लोग अस्थायी रूप से छात्रों के लिए खाना पकाने, स्वच्छता और छात्रों के कल्याण का काम करेंगे। उन्होंने बताया कि वेतन देने के

बाद भी कुछ कर्मचारी बिना पूर्व अनुमति और उच्च अधिकारियों को सूचित किए हड़ताल जारी रखे हुए हैं। कर्मचारियों को ड्यूटी से नहीं हटाया गया है और उन्हें केवल यह सूचित किया गया है कि उन्हें पूर्व अनुमति के बिना ड्यूटी पर आने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि चूंकि कर्मचारी आदिलाबाद, मंचेरियाल और निर्मल जिलों में ड्यूटी पर हैं, इसलिए उन्हें छात्रों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए अनुमति लेकर ड्यूटी पर आना चाहिए।

सीपीआर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन



मंचेरियाल, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल में जिला कलेक्टर कार्यालय में कलेक्टर के तत्वावधान में सीपीआर (कार्डियोपल्मनरी रिससिटेशन) पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एस. अनीता ने प्रजावाणी कार्यक्रम में भाग लेने वाले जिला अधिकारियों और उपस्थित लोगों को सीपीआर सप्ताह के महत्व की जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन जिला सरकारी अस्पताल के डॉक्टरों - डॉ. श्रीलता, डॉ. प्रत्यूषा, डॉ. कोटेश्वर राव (डीसीएच), डॉ. सुधाकर नायक (उप जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य

अधिकारी), डॉ. प्रसाद (कार्यक्रम अधिकारी), डॉ. शिव प्रताप तथा 108 समन्वयक संपत प्रशांति, डीपीओ नामदेव, सीएचओ पद्मा, डीपीएचएन, जिला सरकारी अस्पताल के कर्मचारी, जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य कार्यालय के कार्मिक तथा जिला मास मीडिया अधिकारी बुक्का वेंकटेश्वर द्वारा किया गया। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों को सीपीआर करने की विधि एवं उसके महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आम जनता और सरकारी अधिकारियों में जीवन-रक्षक तकनीकों के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा।

मवेशियों को खुरपका-मुंहपका रोग से बचाव के लिए टीका लगवाना आवश्यक : वेंकटेश धोत्रे

आसिफाबाद, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा कि जिले के डेयरी पालकों को अपने मवेशियों को खुरपका-मुंहपका रोग से बचाव के लिए अनिवार्य रूप से टीका लगवाना चाहिए। बुधवार को उन्होंने आसिफाबाद मंडल के अंकुशपुर गांव स्थित पशु चिकित्सा उप-केंद्र में पशु चिकित्सा एवं समसामयिकी विभाग द्वारा आयोजित खुरपका-मुंहपका रोग टीकाकरण वितरण कार्यक्रम में अधिकारियों के साथ भाग लिया और स्वयं मवेशियों को टीका लगाया।

इस अवसर पर जिला कलेक्टर ने कहा कि पशुपालकों को अपने मवेशियों को खुरपका-मुंहपका रोग से सुरक्षित रखने के



लिए कोई भी पशु टीकाकरण से वंचित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम डेयरी पालकों के कल्याण के लिए केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संयुक्त

रूप से आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष भारी वर्षा के कारण मवेशियों में बीमारियाँ बढ़ी हैं और लंगड़ापन उनमें से एक प्रमुख समस्या है,

इसलिए सभी पशुपालकों को समय पर टीकाकरण करवाना चाहिए। जिला कलेक्टर ने यह भी सुझाव दिया कि पशुपालक अपने नजदीकी पशु चिकित्सा अधिकारियों के मोबाइल नंबर अपने पास रखें ताकि किसी आपात स्थिति में त्वरित मदद मिल सके।

इसके बाद, वेंकटेश धोत्रे ने पशुपालकों को मल्टी-मिक्स पाउडर के पैकेट वितरित किए, जो पशुओं को अतिरिक्त पोषण और शक्ति प्रदान करते हैं। उन्होंने राष्ट्रीय पशु रोग निवारण कार्यक्रम की दीवार प्रतियों का भी अनावरण किया।

इस कार्यक्रम में जिला पशु चिकित्सा एवं पशुपालन अधिकारी डॉ. सुरेश कुमार, चिकित्सक, पशुपालक एवं अन्य लोग उपस्थित रहे।

अवैध रेत परिवहन पर जिला प्रशासन की सख्ती

मंचेरियाल, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। टीजीएमडीसी मंचेरियाल एवं भूपालपल्ली जिला परियोजना अधिकारी पी. रामकृष्ण ने कहा है कि जिले में अवैध रेत परिवहन को रोकने के लिए संबंधित विभागों के साथ मिलकर सख्त कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सोशल मीडिया पर रेत माफिया के सक्रिय होने और अधिकारियों द्वारा लापरवाही बरतने की खबरें निराधार हैं। जिला प्रशासन के साथ मिलकर व्यापक निरीक्षण किए जा रहे हैं और सीमाई क्षेत्रों में

विशेष निगरानी रखी जा रही है। परियोजना अधिकारी ने कहा कि निजी लाभ के लिए सोशल मीडिया पर झूठा प्रचार करने वालों के खिलाफ उचित कानूनी कार्यवाही होगी। लाभार्थियों को सरकारी दिशा-निर्देशों के अनुसार पारदर्शी तरीके से रेत परिवहन की सुविधा प्रदान की जाएगी। उन्होंने आम जनता से अपील की कि वे अप्रासंगिक और झूठे प्रचार पर विश्वास न करें तथा केवल आधिकारिक स्रोतों से प्राप्त जानकारी पर भरोसा करें।

ट्रक की टक्कर में तीन महीने के बच्चे समेत चार की मौत

कामारेड्डी, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के कामारेड्डी जिले में बुधवार को गलत दिशा से आ रही एक ट्रक ने एक दोपहिया वाहन को टक्कर मार दी, जिससे एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई, जिनमें दो बच्चे थे। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह दुर्घटना जंगमपल्ली में उस समय हुई जब ट्रिप्पर की एक इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन से सीधी टक्कर हो गई। पीड़ितों में 54 वर्षीय व्यक्ति, उसकी 28 वर्षीय बेटी और उसके चार वर्ष और तीन महीने के दो पोते-पोतियां शामिल थे। अधिकारी ने बताया कि दो पीड़ितों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि शेष दो को अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

आसिफाबाद में शिक्षक ने अक्षर न पढ़ पाने वाले बच्चे को पीटा

आसिफाबाद, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। आसिफाबाद के एक प्राथमिक सरकारी स्कूल के छात्र को उसके शिक्षक ने इसलिए बेरहमी से पीटा क्योंकि वह अंग्रेजी वर्णमाला पढ़ने में असमर्थ था। यह घटना मंगलवार, 14 अक्टूबर को कोटाला मंडल के मुथ्यमपेट गांव में घटी। कार्तिक के माता-पिता ने आरोप लगाया है कि साई ने उनके बच्चे को इसलिए बुरी तरह पीटा क्योंकि वह वर्णमाला ठीक से नहीं पढ़ पाया था। बच्चे के हाथ-पैरों में गंभीर सूजन आ गई है। उसके माता-पिता ने शिकायत दर्ज कराई है।

करीमनगर में 300 क्विंटल पीडीएस चावल जब्त, तस्करी रैकेट का भंडाफोड़

करीमनगर, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अवैध चावल तस्करी पर एक बड़ी कार्रवाई करते हुए, करीमनगर जिले के डुब्बापल्ली गांव में पुलिस ने 300 क्विंटल राशन चावल जब्त किया, जिसे महाराष्ट्र ले जाने के लिए जमा किया जा रहा था। एक गुप्त सूचना के आधार पर, स्थानीय पुलिस ने अचानक छापा मारा और एक निजी गोदाम में अवैध रूप से रखे गए भारी मात्रा में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के चावल बरामद किए। यह चावल, जो कम आय वाले परिवारों में वितरित किया जाना था, कथित तौर पर राज्य की सीमा पार अवैध बिक्री के लिए ले जाया जा रहा था। अभियान के दौरान, पुलिस ने गंगाराम नाम के एक आरोपी को गिरफ्तार किया, जिसे तस्करी नेटवर्क का मुख्य व्यक्ति माना जा रहा है। अधिकारियों ने इस रैकेट में शामिल अन्य लोगों का पता लगाने और चावल की खरीद कैसे की गई, यह पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों ने कहा कि सरकारी कल्याणकारी आपूर्ति का दुरुपयोग करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और चेतावनी दी कि राशन चावल की कालाबाजारी को रोकने के लिए करीमनगर और आसपास के क्षेत्रों में गहन निरीक्षण जारी रहेगा।

मुख्यमंत्री रेड्डी करेंगे पुलिस शिकायत प्राधिकरण की वेबसाइट और लोगो का शुभारंभ

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी गुरुवार को डॉ. बी.आर. अंबेडकर तेलंगाना सचिवालय स्थित अपने कक्ष में नवगठित तेलंगाना राज्य पुलिस शिकायत प्राधिकरण (टीजीएसपीसीए) की वेबसाइट और लोगो का औपचारिक शुभारंभ करेंगे। यह जानकारी टीजीएसपीसीए के अध्यक्ष न्यायमूर्ति डॉ. बी. शिवा शंकर राव ने दी। तेलंगाना सरकार ने भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा डब्ल्यूपी (सिविल) संख्या 310/1996 में प्रकाश सिंह और अन्य द्वारा दायर याचिका के निर्देशों के अनुसार राज्य पुलिस शिकायत प्राधिकरण के साथ हैदराबाद और वांगल क्षेत्रों के लिए दो जिला पुलिस शिकायत प्राधिकरण भी गठित किए हैं। इन प्राधिकरणों के लिए नियम और प्रक्रियाएं 2013 से 2020 के



बीच पूर्ववर्ती सरकार द्वारा जारी की गई थीं, लेकिन अज्ञात कारणों से ये प्राधिकरण सक्रिय नहीं हो पाए थे। हाल ही में 13 अप्रैल 2025 को गृह (कानूनी) विभाग द्वारा जारी जी.ओ. आरटी. नं.315 के तहत राज्य सरकार ने

एसपीसीए और दोनों डीपीसीएस के अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति की है। इन प्राधिकरणों का उद्देश्य पुलिस बल में पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ाना है, जिससे नागरिकों को दुर्व्यवहार, हिरासत में प्रताड़ना, अधिकारों के दुरुपयोग और

अन्य गंभीर उल्लंघनों की शिकायत दर्ज करने के लिए एक विश्वसनीय मंच मिल सके।टीजीएसपीसीए और डीपीसीएस को शिकायतों की जांच, निष्पक्ष समाधान सुनिश्चित करने, और पुलिस में व्यावसायिकता व ईमानदारी को बढ़ावा देने का कार्य सौंपा गया है। ये प्राधिकरण सरकार को शिकायतकर्ताओं और गवाहों की सुरक्षा, सामुदायिक संबंधों को मजबूत करने, और कानून प्रवर्तन में जन विश्वास बढ़ाने के उपायों पर भी सलाह देंगे। इन प्राधिकरणों की स्थापना तेलंगाना में पुलिस सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसका उद्देश्य पुलिस बल को अधिक उत्तरदायी, जवाबदेह और पेशेवर बनाना है, साथ ही नागरिक अधिकारों की रक्षा करना है। ऐसा एक आधिकारिक बयान में कहा गया।

हैदराबाद साइबर क्राइम यूनिट ने दी चेतावनी त्योंहारों के दौरान ऑनलाइन ठगी से रहें सतर्क

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद सिटी पुलिस की साइबर क्राइम यूनिट ने दीपावली जैसे त्योहारों के दौरान नागरिकों को ऑनलाइन धोखाधड़ी से सतर्क रहने की अपील की है। पुलिस ने बताया कि साइबर ठग इस समय फर्जी ई-कॉमर्स साइट्स, फ़िशिंग लिंक, हानिकारक ऐप्स और सोशल मीडिया विज्ञापनों के माध्यम से अविश्वसनीय छूट का लालच देकर लोगों को निशाना बना रहे हैं। बुधवार को जारी एक पुलिस बयान में कहा गया कि ठग त्योंहारों की भीड़भाड़ का फायदा उठाकर लोगों से बैंकिंग विवरण, कार्ड की जानकारी और व्यक्तिगत डेटा हासिल कर रहे हैं, जिससे गंभीर वित्तीय नुकसान हो रहा है। वे नकली शॉपिंग ऐप्स, .रज़ि फाइलें और फर्जी कस्टमर केयर नंबर प्रसारित कर रहे हैं ताकि पीड़ितों के फोन और बैंक खातों तक रिमोट एक्सेस प्राप्त किया जा सके।

एक मामले में, सिकंदराबाद की एक महिला ने 'दीवाली गिफ्ट ऑफर' के झांसे में आकर 1.4 लाख गंवा दिए, जबकि आजमपुरा के एक अन्य पीड़ित ने 1 लाख से अधिक की राशि खो दी जब उसने ठागों द्वारा ब्लिंकित कस्टमर सपोर्ट के रूप में भेजा गया एक हानिकारक ऐप इंस्टॉल किया। साइबर क्राइम यूनिट ने नागरिकों को सलाह दी है कि वे अनजान ऐप्स डाउनलोड न करें, संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करें और केवल प्रमाणित प्लेटफॉर्म पर ही खरीदारी करें। साथ ही, किसी भी अज्ञात कॉलर या वेबसाइट के साथ ओटीपी, पिन या बैंकिंग विवरण साझा न करें। यदि कोई व्यक्ति ऑनलाइन धोखाधड़ी का शिकार होता है, तो उसे तुरंत राष्ट्रीय साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 पर कॉल करके या www.cyber-crime.gov.in पर शिकायत दर्ज करानी चाहिए ताकि धोखाधड़ी वाले लेन-देन को रोका जा सके।

आबकारी विभाग ने हैदराबाद में ट्रैवल एजेंट द्वारा चलाए जा रहे विदेशी शराब रैकेट का भंडाफोड़ किया



हैदराबाद, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना आबकारी विभाग ने बुधवार, 15 अक्टूबर को जुबली हिल्स स्थित एक ट्रैवल एजेंट द्वारा कथित तौर पर चलाए जा रहे विदेशी शराब रैकेट का पर्दाफाश किया और कार्रवाई के दौरान 52 बोटलें जब्त कीं। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, सुमित नामक एक ट्रैवल एजेंट ट्रैवल एजेंसी की आड़ में विदेशी शराब की तस्करी कर रहा था और उसे हैदराबाद में ग्राहकों को बेच रहा था।इस रैकेट का खुलासा तब हुआ जब आबकारी विभाग की टीमों ने बोरान्बाड़ा में मूर्ति युगेंद्र नामक एक व्यक्ति को दोपहिया वाहन पर शराब की बोटलें बेचते हुए पकड़ा। उसके पास से नौ बोटलें जब्त की गईं। पूछताछ में मूर्ति ने बताया कि उसने मनीष कुमार नाम के व्यक्ति से ये बोटलें खरीदी थीं। इसके बाद आबकारी टीम ने मनीष कुमार के घर और कार की तलाशी ली, जिसमें से 43 अतिरिक्त बोटलें बरामद हुईं। मामला दर्ज कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। अधिकारियों ने एक कार, एक दोपहिया वाहन और कुल 52 विदेशी शराब की बोटलें जब्त की हैं, जिनकी अनुमानित कीमत लगभग 6 लाख रुपये बताई गई है।

तेलंगाना सरकार ने इंदिराम्मा आवास योजना के तहत 250 करोड़ रुपए से अधिक जारी किए

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना सरकार ने इस सप्ताह इंदिराम्मा आवास योजना के तहत 252.87 करोड़ रुपये की राशि लाभार्थियों के खातों में जारी की। इसके साथ ही, वित्तीय वर्ष के पहले छह महीनों में कुल व्यय 2,233.21 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। तेलंगाना हाउसिंग कॉर्पोरेशन के प्रबंध निदेशक और विशेष सचिव वी.पी. गौतम के अनुसार,



राशि निर्माण के विभिन्न चरणों के अनुसार 22,305 लाभार्थियों को सीधे उनके बैंक खातों में भेजी गई।सरकारी रिपोर्ट के मुताबिक, बेसमेंट स्तर पर 1,43,963 घरों के लिए 1,439.63 करोड़ रुपये, छत स्तर पर 46,206 घरों के

लिए 462.06 करोड़ रुपये तथा स्लेब स्तर तक पहुंचने 16,576 घरों के लिए 331.52 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। वर्तमान में तेलंगाना राज्य में लगभग 2.18 लाख घर निर्माण के विभिन्न चरणों में प्रगति पर हैं। पिछले महीने सरकार ने आवास योजना के लाभार्थियों को 1,612 करोड़ रुपये वितरित किए थे। विज्ञप्ति में कहा गया है, इंदिराम्मा योजना के तहत निर्माण कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है।

जुबली हिल्स उपचुनाव में अब तक 35 नामांकन दाखिल

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव के तीसरे दिन कुल 13 नामांकन 10 उम्मीदवारों द्वारा दाखिल किए गए, जिससे अब तक दाखिल नामांकनों की

कुल संख्या 35 हो गई है।आज नामांकन दाखिल करने वालों में बीआरएस की मांगती सुनीता और एलायंस ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्मर्स पार्टी के बुद्धैया अंबोजू शामिल हैं।इस बीच, भारत निर्वाचन आयोग और जिला

निर्वाचन अधिकारी, हैदराबाद के निर्देशों पर गठित जिला शिकायत समिति ने वैध दावेदारों को जब्त की गई 21.21 लाख की नकदी जारी की है।निर्वाचन आयोग की पारदर्शिता और निष्पक्षता की प्रतिबद्धता के अनुरूप, डीजीसी

जुबली हिल्स उपचुनाव: उड़नदस्ते की टीमों ने 10 लाख रुपए की बेहिसाबी नकदी जब्त की

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र में उपचुनाव को देखते हुए निगरानी के लिए तैनात फ्लाइट स्कायड टीमों (एफएसटी) ने बुधवार, 15 अक्टूबर को अलग-अलग अभियानों में कुल 10 लाख रुपये की बेहिसाबी नकदी जब्त की।सूत्रों के अनुसार, अमीरपेट एक्स रोड पर एक वाहन से 1.5 लाख रुपये बरामद किए गए, जबकि वेंकटगिरी कॉलोनी से 2.3 लाख रुपये और मधुरानगर क्षेत्र से 6.5 लाख रुपये जब्त किए गए।जब्त नकदी मधुरानगर पुलिस थाने को सौंप दी गई है।

6 अक्टूबर को आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) लागू होने के बाद से एफएसटी टीमों ने अब तक 88.45 लाख रुपये नकद और 225 शराब की बोटलें जब्त की हैं और एससीसी उल्लंघन के तहत 29 एफआईआर दर्ज की हैं।

यह सुनिश्चित करता है कि अब तक पांच मामलों की वास्तविक मामलों का समाधान प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और 21 दो दिनों के भीतर किया जाए लाख से अधिक की सत्यापित ताकि जनता को असुविधा न हो। नकदी जारी की जा चुकी है।

चुनाव आयोग ने जुबली हिल्स उपचुनाव के दौरान एग्जिट पोल पर लगाया प्रतिबंध

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) ने जुबली हिल्स विधानसभा उपचुनाव के लिए 6 से 11 नवंबर के बीच एग्जिट पोल के संचालन और प्रकाशन पर रोक लगाने का आदेश जारी किया है। यह प्रतिबंध प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया सहित सभी प्रकार के मीडिया प्लेटफॉर्म पर लागू रहेगा। आयोग ने चेतावनी दी है कि किसी भी उल्लंघन की स्थिति में जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 126- के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी। यह धारा चुनाव अवधि के दौरान एग्जिट पोल के संचालन या परिणामों के प्रसार पर प्रतिबंध से संबंधित है।अधिकारियों ने मीडिया संगठनों, राजनीतिक दलों और व्यक्तियों से अपील की है कि वे चुनाव प्रक्रिया को स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी बनाए रखने के लिए आयोग के नियमों और दिशानिर्देशों का पालन करें।

असदुल्लाह तेलंगाना वक्फ बोर्ड के प्रभारी सीईओ नियुक्त

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना अल्पसंख्यक कल्याण विभाग ने बुधवार, 15 अक्टूबर को अतिरिक्त कलेक्टर मोहम्मद असदुल्लाह को तेलंगाना वक्फ बोर्ड का प्रभारी मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया।तेलंगाना सरकार के सचिव बी. शकीउल्लाह द्वारा जारी सरकारी आदेश संख्या 96 में कहा गया है कि वक्फ बोर्ड के सुचारु संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यह नियुक्ति की गई है। आदेश में उल्लेख है, प्रशासनिक आवश्यकताओं के मद्देनजर और तेलंगाना वक्फ बोर्ड के सुचारु कामकाज को सुनिश्चित करने के लिए, सरकार अगले आदेश तक अतिरिक्त कलेक्टर मोहम्मद असदुल्लाह की सेवाएं वक्फ बोर्ड के प्रभारी मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में लेने का निर्णय लेती है।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने अब्दुल कलाम को दी श्रद्धांजलि



हैदराबाद, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने बुधवार को दिवंगत नेता की जयंती के अवसर पर हैदराबाद के जुबली हिल्स स्थित अपने आवास पर पूर्व राष्ट्रपति और भारत रत्न डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, मुख्यमंत्री के

सलाहकार वेम नरेंद्र रेड्डी, सांसद रघुवीर रेड्डी, चमाला किरण कुमार रेड्डी और विधायक रामदास नायक ने भी डॉ. अब्दुल कलाम के चित्र पर श्रद्धांजलि अर्पित की। क्या आप चाहेंगे कि मैं इस समाचार का एक छोटा संस्करण (संक्षिप्त रिपोर्ट) भी तैयार कर दूँ जिसे सोशल मीडिया या बुलेटिन उपयोग के लिए इस्तेमाल किया जा सके?

पीएम मोदी आज कुर्नूल में 13,430 करोड़ की परियोजनाओं का करेंगे शिलान्यास और उद्घाटन

विजयवाड़ा, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 16 अक्टूबर को कुर्नूल जिले की अपनी यात्रा के दौरान लगभग 13,430 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास, उद्घाटन और राष्ट्र को समर्पण करेंगे।ये परियोजनाएं उद्योग, बिजली पारेषण, सड़क, रेलवे, रक्षा विनिर्माण और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस सहित प्रमुख क्षेत्रों में फैली हुई हैं, जो क्षेत्रीय बुनियादी ढांचे को बढ़ाने, औद्योगीकरण को गति देने और राज्य में समावेशी सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।



देश के विकास में सहायता के लिए नवीकरणीय ऊर्जा के बड़े पैमाने पर संचरण को सक्षम बनाएगी।प्रधानमंत्री कुर्नूल में ओरवाकल औद्योगिक क्षेत्र और

कडपा में कोपर्थी औद्योगिक क्षेत्र के लिए भी शिलान्यास करेंगे, जिनमें कुल 4,920 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश होगा। नेशनल इंडस्ट्रियल कॉरिडोर डेवलपमेंट एंड इम्प्लीमेंटेशन ट्रस्ट और आंध्र प्रदेश इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा सयुक्त रूप से विकसित ये आधुनिक, बहु-क्षेत्रीय औद्योगिक केंद्र प्लग-एंड-प्ले बुनियादी ढांचे और वाक-टू-वर्क अवधारणा से युक्त हैं।

पूजा केटरर्स

आपके भरोसे की दुकान

दिपावली के शुभ अवसर पर आप सभी के लिए

शुद्ध ची की मिठाइयाँ एवं विभिन्न प्रकार की नमकीन, ख़ासती, पेठा

होलसेल कीमत पर उपलब्ध, बल्क ऑर्डर भी उपलब्ध

अंजीर रोल

काजू क़वाली

बादास क़वाली

गोली वर लड्डू

मिठवरा मिठाई

विशेष दालघोड़

वेशन की बर्फी

ख़ासती मुरी

मुसुमाल झुईफ़ूट बुडवा

शक्कर पाई

शाही दुकान

घाँसी महाराज

आपने परिवर्तन व शुभचिंतकों को दिपावली के अवसर पर उच्च क़ौमती मिठाइयाँ भेंट की।गिरफ़ क़ियावती रर पर

संतोषी माता मंदिर के सामने, जिस्की चौराहा रोड,जुनैरात बाजार, हैदराबाद

9848085375, 9440552321, 9440381090

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रियल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : daillyshubhlabb@gmail.com.